दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
ललितपुर ■ शनिवार 17 मई 2025 ■ वर्ष -19 ■ अंक-307 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार
सबसे उत्तम विजय प्रेम की है, जो सदैव के लिए विजेताओं का हृदय बांध लेती है।
-सम्राट अशोक

ब्रीफ न्यूज

सुप्रीम कोर्ट की जज बेला त्रिवेदी सेवानिवृत्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जज बेला त्रिवेदी सेवानिवृत्त हो गईं। जस्टिस बेला त्रिवेदी की तारीफ करते हुए सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि जस्टिस त्रिवेदी निष्पक्ष और अपने फैसलों में दृढ़ रहीं। जस्टिस बेला त्रिवेदी 31 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट की 11वीं महिला जज नियुक्त हुई थीं।

मंत्री जयशंकर ने पहली बार तालिबान सरकार से बात की

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार रात अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बातचीत की। जयशंकर ने आतंकी हमले की निंदा करने के लिए मुत्ताकी को शुक्रिया कहा। अफगान ने पाक के उन आरोपों को खारिज कर दिया था, जिनमें कहा गया था कि भारतीय मिसाइलों ने अफगान को टारगेट किया।

बडगाम में आतंकियों के तीन मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। कश्मीर के बडगाम में आतंकियों के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया गया है। ये तीनों लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करते थे। ये इलाके में आतंकी गतिविधि में शामिल थे। युवाओं को आतंकवाद की तरफ मोड़ते थे।

हॉन्गकॉन्ग में कोरोना के 31 केस सामने आए

हांगकांग। हॉन्गकॉन्ग-सिंगापुर में फिर से कोरोना वायरस के मामले बढ़ने लगे हैं। हॉन्गकॉन्ग में 3 मई तक कोरोना के 31 केस सामने आ चुके हैं। इनमें कई मौतें भी शामिल हैं। हॉन्गकॉन्ग ने यह नहीं बताया कि पहला केस कब आया था। सिर्फ जानकारी दी है। इससे पहले सिंगापुर ने भी अलर्ट जारी करते हुए कोरोना के मामलों पर अपना पहला अपडेट जारी किया है।

टेस्ट कप्तानी की रेस में केएल राहुल का नाम

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 7 और 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया। उनके रिटायरमेंट से टीम में लीडरशिप की कमी हो गई। रोहित 4 साल से कप्तान थे। वहीं कोहली की कप्तानी में टीम ने 8 साल तक विदेश में 15 टेस्ट जीते। जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, मो. शमी और रवींद्र जडेजा ही टीम के सीनियर प्लेयर बचे। राहुल और बुमराह को कप्तानी का अनुभव है। शुभमन गिल व ऋषभ पंत भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं।

बीकानेर बॉर्डर पर करणी माता मंदिर जाएंगे पीएम

नई दिल्ली। पीएम मोदी 22 मई को बीकानेर बॉर्डर पर स्थित करणी माता मंदिर के दर्शन करने जाएंगे। इस अवसर पर पीएम मोदी के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहेंगे। ये एक ऐसा मंदिर है, जहां चूहों का जूठा प्रसाद भक्तों में बांटा जाता है।

दुनियाभर में पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे भारतीय सांसद

ऑपरेशन सिंदूर 10 दिन में 30 सांसद बताएंगे पड़ोसी की करतूत, थरूर-ओवैसी भी होंगे शामिल

अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई जाएंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पाकिस्तान पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लगातार झूठ बोलता रहा है। पाक के झूठ उजागर करने के लिए भारत सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को विभिन्न देशों की यात्रा पर भेजने का फैसला लिया है। प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में पाकिस्तान को बेनकाब करेगा। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सांसद दुनिया को ब्रीफ करेंगे। केंद्र सरकार सभी दलों के चुनिंदा सांसदों को 22 या 23 मई से 10 दिनों के लिए विदेश दौरे पर भेज रही है। ये सांसद अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई जाएंगे। वहां की सरकार को आतंकवाद पर भारत का पक्ष बताएंगे। हालांकि विदेश दौरे पर जाने वाले सांसदों की संख्या का अभी पता नहीं चला है। हालांकि, कुछ नेताओं ने बताया है कि सांसदों की संख्या 30 से ज्यादा हो सकती है। इनमें भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, जदयू, डीएमके, एनसीपी, बीजद, सीपीआई के सांसदों के शामिल होने की संभावना है। भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद अपराजिता सारंगी डेलिगेशन का हिस्सा होंगी। कांग्रेस से शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद भी शामिल होंगे। सुप्रिया सुले और ओवैसी का नाम भी सामने आया है।

कांग्रेस डेलिगेशन का हिस्सा होगी: कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी जयराम रमेश ने बताया कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष से बात की है। पीएम ने पाक से आतंकवाद पर भारत के रुख को समझाने के लिए विदेश में मल्टी पार्टी डेलिगेशन भेजने का फैसला किया है। कांग्रेस इस डेलिगेशन का हिस्सा होगी, क्योंकि वह भाजपा की तरह राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों का राजनीति नहीं करती।

विजय शाह की याचिका पर सुप्रीम सुनवाई टली

कर्नल सोफिया पर की थी विवादित टिप्पणी

याचिका पर सुनवाई 19 तक के लिए स्थगित

इधर, मध्य प्रदेश में मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी देकर बुरे फंसे हैं। शाह ने कर्नल सोफिया पर विवादित टिप्पणी की तो मप्र हाईकोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे दिया। वहीं, विजय शाह ने जब इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, तो सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया। शाह की याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई 19 मई तक स्थगित कर दी है। मंत्री विजय शाह एफआईआर रद्द कराने सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने 56 पेज का आवेदन लगाया है। इसमें कहा है-इस केस से मेरी प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। मैं लंबे समय से विधायक हूं और मप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री भी हूं। हाईकोर्ट की मंशा अच्छी थी, लेकिन इस केस में प्रक्रिया को पूरा नहीं किया गया। मेरा पक्ष सुने बिना ही केस करने का आदेश दिया गया।

सांसदों को तैयार रहने को कहा

विदेश मंत्रालय सांसदों को डिप्लोमेटिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले जानकारी देगा। एक पार्टी के नेता ने अपना नाम उजागर न करते हुए बताया कि उन्हें 22-23 मई तक 10 दिनों के लिए रवाना होने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

डेलिगेशन में 8 ग्रुप होंगे

वहीं बताया जा रहा है कि डेलिगेशन में 5-6 सांसदों के 8 ग्रुप होंगे। सांसदों के साथ विदेश मंत्रालय का एक अधिकारी और एक सरकारी प्रतिनिधि भी जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सांसदों का विदेश दौरा कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। पासपोर्ट और ट्रैवल से जुड़ी जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने की सलाह दी गई है।

मेरी बात को गलत तरीके से पेश किया गया : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जबलपुर में सिविल डिफेन्स वॉलेंटियर प्रशिक्षण कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित बाइट के संबंध में स्पष्ट किया है कि मेरे द्वारा जो बात कही गयी है, उसे गलत तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने अपने भाषण में कहा था कि आतंकवादियों के खिलाफ सेना के जांबाज जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जो पराक्रम दिखाया है, उसकी जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। पूरा देश एवं देश की जनता सेना के चरणों में नत-मस्तक है। सेना के शौर्य को नमन करती है, हम सब उन्हें प्रणाम करते हैं। वक्तव्य का अभिप्राय यह था कि देश की रक्षा करने वाले सेना के वीर जवानों के चरणों में देश की जनता प्रणाम करती है। मेरे इस बयान को गलत तरीके से प्रसारित किया गया। देवड़ा ने यह भी कहा कि मैंने ऐसा कोई भी बयान नहीं दिया, जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। यह जरूर है कि जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया द्वारा प्रसारित किया गया है, वह आपत्तिजनक है, इससे मैं बहुत आहत हुआ हूं।

राजनाथ बोले- ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ ट्रेलर!

समय आने पर दुनिया को दिखाएंगे पूरी पिक्चर

इधर, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, ये तो बस ट्रेलर है, समय आएगा तो पूरी पिक्चर दुनिया को दिखाएंगे। वर्तमान सीजफायर में हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है, बिहेवियर में गड़बड़ी आई तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया, एक कहावत मशहूर है- दिन में तारे दिखना। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जवानों को अभिनंदन करने आया हूं।

ऑपरेशन सिंदूर में करिश्माई काम किया है। भारत का मस्तक ऊंचा किया है। मैं सैनिकों को नमन करता हूं। भुज 65 और 71 की जंग में हमारी जीत का साक्षी रहा है और आज भी यह ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी का साक्षी है। भारतीय सेना के लिए 23 मिनट काफी थे पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंकवाद के अजगर को कुचलने के लिए। जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी करते हैं, उतनी देर में हमारे जवानों दुश्मनों को निपटा दिया।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख, कहा

हर कोई चाहता है उसका नाम अखबारों में छपे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कुछ नई याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि हर कोई चाहता है कि उसका नाम अखबारों में छपे। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि वह 20 मई को आने वाले लंबित मामले पर फैसला करेगी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मामले में अंतरिम राहत के मुद्दे पर सुनवाई करेगा। दरअसल, शुक्रवार को एक और नई याचिका सुनवाई के लिए कोर्ट में आई, जिसके बाद केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं का अंतहीन दायर होना संभव नहीं है।

सभी नई याचिकाएं खारिज, सुनवाई से इंकार

नई याचिकाओं पर एसजी ने भी जताई आपत्ति

नई याचिकाएं की खारिज

सीजेआई ने कहा कि हर कोई चाहता है कि उसका नाम अखबारों में आए। जब वकील ने पीठ से आग्रह किया कि उनकी याचिका को लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ा जाना चाहिए, तो पीठ ने कहा-हम इस मामले पर फैसला करेंगे। इसके बाद पीठ ने इसे खारिज कर दिया। अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं 15 मई को मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति मसीह की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आईं।

तिरुमला मंदिर पहुंचे इसरो के चीफ

भगवान से पीएसएलवी-सी61 के लिए मांगा आशीर्वाद

प्रक्षेपण 18 मई को सुबह 5.59 बजे होगा

तिरुपति। इसरो के प्रमुख वी नारायणन 101वें उपग्रह प्रक्षेपण के पहले शुक्रवार को तिरुमला मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की। साथ ही उन्होंने 18 मई को प्रक्षेपित किए जाने वाले पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आरआईएसएटी-18 व पीएसएलवी-सी61 के सफल प्रक्षेपण के लिए आशीर्वाद मांगा। पीएसएलवी-सी61 का प्रक्षेपण 18 मई को सुबह 5.59 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया जाएगा। तिरुमला मंदिर में सुबह इसरो चीफ ने अनुष्ठान में भाग लिया। उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर के चरणों में पीएसएलवी-सी61 का एक लघु मॉडल रखा। मिशन की सफलता व सुरक्षा के लिए आशीर्वाद मांगा। वैदिक विद्वानों ने रंगनायकुला मंडपम में आशीर्वाद दिया। वहीं मंदिर के अधिकारियों ने तीर्थ प्रसादम (पवित्र जल) भेंट किया और नारायणन को रेशमी शॉल देकर सम्मानित किया। नारायणन ने कहा कि पीएसएलवी-सी61 के साथ यह 101वां मिशन इसरो के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह सभी मौसम में पृथ्वी अवलोकन क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा।

काला हिरण शिकार केस: हाईकोर्ट पहुंची सरकार

सैफ अली खान, नीलम, सोनाली बेंद्रे और तब्बू की मुश्किलें बढ़ीं

बरी करने को दी चुनौती, 28 जुलाई को होगी सुनवाई

जोधपुर। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में काले हिरण के शिकार मामले में लीव-टू-अपील पर सुनवाई हुई। इसमें एक्टर सैफ अली खान, एक्ट्रेस तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की अदालत ने मामले को अन्य संबंधित केसों के साथ सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। वकील महिपाल बिश्नोई के अनुसार, एक अक्टूबर 1998 को जोधपुर के कांकाणी गांव में फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान काले हिरण का शिकार किया गया था। प्रकरण में ट्रायल कोर्ट ने 5 अप्रैल 2018 को अभिनेता सलमान खान को दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला

इस्कॉन सोसाइटी बंगलूरू का है 'हरे कृष्ण मंदिर'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को माना कि बंगलूरू में हरे कृष्ण मंदिर शहर में इस्कॉन सोसाइटी का है। कोर्ट ने इस्कॉन बंगलूरू की याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बंगलूरू में प्रतिष्ठित हरे कृष्ण मंदिर और शैक्षणिक परिसर पर नियंत्रण के लिए इस्कॉन मुंबई के पक्ष में फैसला सुनाया गया था। ये फैसला न्यायमूर्ति एएस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनाया। इस्कॉन बैंगलोर ने 23 मई, 2011 के हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए 2 जून, 2011 को शीर्ष अदालत का रुख किया था। इस याचिका में, इस्कॉन बैंगलोर, जिसका प्रतिनिधित्व इसके पदाधिकारी कोडंडाराम दास ने किया, ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी, जिसने बंगलूरू की एक स्थानीय अदालत के 2009 के आदेश को पलट दिया था। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने इस्कॉन बैंगलोर के पक्ष में फैसला सुनाया था।

रामभद्राचार्य को 58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में किया सम्मानित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक समारोह में संस्कृत के विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर जगद्गुरु के साथ-साथ ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले गीतकार गुलज़ार को भी बधाई दी, जो अस्वस्थ होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके।

राहत सीटिंग और शयनयान के लिए अलग-अलग नियम होंगे, रेलवे बोर्ड ने सभी जोनों को इस बारे में पत्र जारी कर दिया

खुशखबरी! अब स्लीपर टिकट पर सेकेंड एसी में सफर

एजेंसी ■ धनबाद

रेलवे के यात्रियों के लिए अच्छी खबर। अपग्रेडेशन का विकल्प चुन कर स्लीपर के टिकट पर अब सेकेंड एसी में भी सफर कर सकेंगे। यात्रियों को बुक कराए गए टिकट पर अब दो उच्च श्रेणी तक अपग्रेडेशन का लाभ मिलेगा। सीटिंग और शयनयान श्रेणी के लिए अलग-अलग अपग्रेडेशन लागू होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे अपग्रेडेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है। सभी श्रेणी की खाली सीटों को अपग्रेडेशन के लिए ओपन कर दिया जाएगा। करंट बुकिंग के लिए प्रत्येक श्रेणी में किसी भी न्यूनतम सीट को अवरुद्ध किए बिना अपग्रेडेशन के लिए सभी खाली सीटों का उपयोग किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के निदेशक यात्री विपणन संजय मनोचा ने सभी जोन के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक को इससे जुड़ा पत्र जारी कर दिया है।

रेलवे ने कहा- रियायती टिकटों पर यह सुविधा नहीं मिलेगी

बुजुर्गों को आएगा एसएमएस

सीनियर सिटीजन को अपग्रेडेशन की सुविधा उनकी पसंद के आधार पर दी जाएगी। अगर टिकट बुकिंग के दौरान उन्हें लोअर बर्थ उपलब्ध कराया गया है और उन्होंने अपग्रेडेशन का विकल्प चुना है तो अपग्रेडेशन से पहले उनके मोबाइल पर एसएमएस आएगा। एसएमएस के माध्यम से यह जानकारी दी जाएगी कि आपका टिकट उच्च श्रेणी में अपग्रेड होगा। पर लोअर बर्थ मिलेगा या नहीं इसकी गारंटी नहीं है। उनकी स्वीकृति के बाद ही अपग्रेडेशन लागू होगा।

रियायती टिकटों पर सुविधा नहीं

निचली श्रेणी से उच्च श्रेणी में अपग्रेडेशन का लाभ केवल पूरा किराया चुका कर टिकट बुक करने वाले यात्रियों को ही मिलेगा। किसी भी तरह के रियायती टिकट पर अपग्रेडेशन मान्य नहीं होगा।

थर्ड एसी के टिकट में सेकेंड एसी

फर्स्ट एसी में अपग्रेडेशन के लिए दो उच्च श्रेणी तक अपग्रेडेशन की व्यवस्था लागू नहीं होगी। थर्ड एसी के टिकट पर सेकेंड एसी के अपग्रेडेशन का लाभ ले सकेंगे। फर्स्ट एसी में अपग्रेडेशन केवल सेकेंड एसी के टिकट धारक यात्रियों को ही मिलेगी। इसी तरह एसी चेयर के टिकट पर एग्जिक्यूटिव क्लास में अपग्रेडेशन का लाभ ले सकेंगे।

दिल्ली में 13 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

बंगाल सीमा से हिंदुस्तान में हुए थे दाखिल

अलग-अलग इलाकों में कर रहे थे मजदूरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने 13 बांग्लादेशी घुसपैठियों को औचंडी से अरेस्ट किया है। ये सभी बांग्लादेशी दो साल पहले अवैध तरीके से देश में घुसे थे। तब से अलग-अलग क्षेत्रों में मजदूरी कर रहे थे। पुलिस ने जब से घुसपैठियों की तलाश तेज की है, ये तब से छिप कर रह रहे थे। दिल्ली पुलिस ने सभी को हिरासत में लेने के बाद एफआरआरओ के हवाले कर दिया, जहां से इन्हें बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

घुसपैठियों के नाम

मोहम्मद रफीकुल पुत्र नागोर, खोटेजा बेगम पत्नी मोहम्मद रफीकुल, मोहम्मद अनवर हुसैन पुत्र मोहम्मद सईद, मोहम्मद अमीनुल इस्लाम पुत्र मोहम्मद नफूसे, जोरिना बेगम पत्नी मोहम्मद अनवर हुसैन, अफरोजा खातून पत्नी मोहम्मद अमीनुल इस्लाम, मोहम्मद खाखोन पुत्र मोहम्मद रफीकुल, हसना पत्नी मोहम्मद खाखोन के साथ 5 नाबालिग बच्चे भी हैं।

पीएम मोदी की रणनीति के चलते ट्रंप ने सुधारी अपनी बात

तिरंगा यात्रा: सीएम हुए शामिल, महिला व कई संगठनों ने भी की भागीदारी

सोफिया कुरैशी के रूप में घोड़े पर सवार हुई युवती

सत्ता सुधार ■ भोपाल/इंदौर

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की सराहना करने के लिए आज इंदौर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में मुख्यमंत्री मोहन यादव और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी शामिल होने पहुंचे। यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति को अपनी बात में सुधार करना पड़ा है। यह हमारे देश के प्रधानमंत्री की रणनीति और काम करने का तरीका है। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के रूप में एक युवती तैयार होकर घोड़े पर सवार हुई। यह युवती इस तिरंगा यात्रा में सबसे आगे 20 महापुरुषों के रूप में घोड़े पर सवार लोगों के साथ चली। तिरंगा यात्रा के लिए नगर निगम द्वारा तिरंगा रथ बनाया गया है। आयशर गाड़ी पर बनाए गए इस रथ में चारों तरफ तिरंगा लगाया गया है। यात्रा के मार्ग पर 150 स्वागत मंच बनाए गए हैं। यात्रा में सामाजिक संगठन, व्यापारिक संगठन, औद्योगिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन, महिला संगठन और धार्मिक संगठन भी सहभागिता कर रहे हैं। यात्रा में सबसे आगे डीजे है बीच में जगह-जगह बैंड, झांकी और रथ हैं। शाम को 5.30 बजे बड़ा गणपति चौराहा से तिरंगा यात्रा शुरू हुई जो राजवाड़ा तक पहुंचेगी। यात्रा में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए इंदौर के सुशील नाथनियाल की पत्नी जेनिफर नाथनियाल भी शामिल हुई हैं। भाजपा की शहर इकाई द्वारा इस तिरंगा यात्रा को आयोजित किया गया है। भाजपा ने आयोजन को भाजपा के आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि समाज के आयोजन के रूप में मनाया। इस आयोजन के लिए भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सुधीर कोल्हे और सभी विधायकों ने अलग अलग जिम्मेदारियां ली। पार्टी द्वारा हर दिन सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग समय पर अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग बैठक का आयोजन किया गया। इस यात्रा के मार्ग में 150 मंच बने और इन सभी मंचों से यात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इस यात्रा में सबसे पहले 20 घोड़े पर महापुरुष के भेष में नागरिक सवार हैं। इसके पीछे डीजे की गाड़ी है और उसके बाद में अल्पसंख्यक वर्ग का बैंड और उनका जत्था है। इस यात्रा के पूरे मार्ग को आठ हिस्से में विभक्त करते हुए भाजपा के आठ विधानसभा क्षेत्र के विधायकों को उसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाएं
सरकार किसानों से खरीदेगी श्रीअन्न

तुअर उत्पादक किसानों को अच्छे बीज, खाद के लिए भी दें प्रोत्साहन

सभी मंडियों का अधिकारियों से कराएं विजिट, प्रबंधन पर दें ध्यान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में रागी, कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, मक्का जैसे श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाया जाए और किसानों को श्रीअन्न उत्पादन के लिए प्रोत्साहि त किया जाए। किसानों द्वारा उत्पादित श्रीअन्न अब सरकार खरीदेगी। उन्होंने कहा कि तुअर उत्पादक किसानों को अच्छे किस्म के खाद, बीज और उत्पादन वृद्धि के लिए प्रोत्साहन भी दिया जाए। इसके लिए किसानों को फसल अनुदान देने और उनकी फसल का बीमा कराने जैसे नवाचार भी किये जा सकते हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को मंत्रालय में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सभी मंडियों में प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मंडियों का विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों से आकस्मिक निरीक्षण करायें। मंडियों की व्यवस्थाओं को और भी बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई जरूरतों के मुताबिक अब अलग-अलग मंडियों की स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंडियों का फसलवार मॉडल तैयार करें। कृषि उपज मंडी के अलावा अब फल व सब्जी मंडी, मसाला मंडी या अन्य विशेष पैदावार की मंडी स्थापना के लिए भी प्रयास किए जाएं। इसके लिए रोडमैप तैयार किया जाए और यदि आवश्यकता है तो इसमें प्रायवेट सेक्टर को भी सम्मिलित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कृषि उपज मंडियों को आदर्श बनाया जाए। मंडियों में कृषि आधारित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। मंडियों में किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंडी में अपनी फसल बेचने आने वाले हर किसान को उसकी उपज का सही दाम मिले किसी का भी नुकसान न होने पाए। मंडियों को और अधिक आधुनिक बनाया जाए यहां किसानों को उनके उपज में गुणवत्ता संवर्धन के बारे में भी बताया जाए। सभी मंडियां अपने विकास कार्यों के लिए आत्मनिर्भर बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के हर संभाग में किसान मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन मेलों में कृषि आधारित उद्योगों में निवेश पर जोर दिया जा रहा है। हाल ही में मंदसौर जिले के सीतापुर में आयोजित कार्यक्रम में किसानों को कृषि के आधुनिक यंत्रों और तकनीक से अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि सीतामऊ में हुए कृषि उद्योग समागम के अनुभवों को सामने रखें और इन अनुभवों के आधार पर आगे होने वाले कृषि उद्योग समागमों की तैयारी करें, जिससे किसानों को इन समागमों से अधिक और बेहतर परिणाम प्राप्त हों।

किसानों को मिले प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने कहा कि फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। प्रदेश के किसानों को रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर उन्नत किस्म के बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, अच्छा भाव, अनुदान आदि का प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि श्रीअन्न रागी, कोदो-कुटकी, मक्का, ज्वार, बाजरा की फसलों को प्रोत्साहन दिया जाए। इन फसलों के उत्पादक क्षेत्र को अच्छी पैदावार करने के लिए प्रोत्साहन मिले। आवश्यकता अनुसार अनुदान की राशि भी बढ़ाई जाए।

तीन फसलों को मिलेगा जीआई टैग

बैठक में बताया गया कि राज्य शासन की प्रगतिशीलता से प्रदेश में उत्पादित होने वाली 3 फसलों को बहुत जल्द जीआई-टैग मिल जाएगा। सचिव कृषि ने बताया कि डिंडोरी जिले की नागदमन मकुटकी, सिताही कुटकी और बैंगनी अरहर की फसल को जीआई टैग परीक्षण के लिए भेजा गया है, उम्मीद है कि जल्द ही इन फसलों को जीआई टैग प्राप्त होगा।

नरसिंहपुर में होगा उद्योगों का सम्मेलन

बैठक में सचिव कृषि ने जानकारी दी कि आगामी 26, 27 एवं 28 मई को जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में कृषि आधारित उद्योगों का सम्मेलन सह विशाल कृषि मेला आयोजित किया जाएगा। आयोजन में कृषि आधारित उद्योगों के बारे में जानकारी के अलावा दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, शाक-सब्जी उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, उद्यानिकी, बागवानी, उन्नति किस्म के बीज, खाद, उर्वरक की जानकारी सहित उन्नत कृषि उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

प्रदेश में शिक्षकों के तबादला आवेदन की तारीख बढ़ी

अब 21 तक करें आवेदन 25 से जारी होंगे आदेश

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश में शिक्षकों के स्वैच्छिक तबादलों को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने नई समयसीमा घोषित की है। पहले जहां 16 मई तक ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख थी, अब इसे बढ़ाकर 21 मई कर दिया गया है। इसी तरह तबादला आदेश अब 25 मई से जारी किए जाएंगे। लोक शिक्षण आयुक्त द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, वर्ष 2025-26 की स्थानांतरण नीति के तहत आवेदन प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक अब शिक्षक 21 मई तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ट्रांसफर के लिए आवेदन कर सकते हैं। तबादला आदेश 25 मई से जारी किए जाएंगे। इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, कलेक्टरों, जिला पंचायत सीईओ और अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश भेज दिए गए हैं।

इधर, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने भी 14 से 19 मई के बीच ई-हरमिस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। यह प्रक्रिया नियमित अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए लागू है। स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के अनुसार, प्रत्येक आवेदक को 10 स्थानों की प्राथमिकता देनी होगी। आवेदन में कोई संशोधन नहीं किया जा सकेगा और केवल एक बार ही आवेदन की अनुमति है। 20 मई तक दस्तावेजों का सत्यापन पूरा किया जाएगा और उसके बाद स्थानांतरण आदेश डिजिटल हस्ताक्षर के साथ पोर्टल पर जारी किए जाएंगे। इस प्रक्रिया के तहत सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और डिजिटल माध्यम से स्थानांतरण प्रणाली को लागू करना है, ताकि शिक्षक व कर्मचारी अपने वांछित स्थान पर सेवा दे सकें और व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

राष्ट्रीय खेलों के लिए मध्यप्रदेश हो रहा है तैयार

मध्यप्रदेश में अक्टूबर में होगी एशियन रोइंग चैम्पियनशिप

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में आगे लाने के लिए सरकार कटिबद्ध होकर प्रयासरत है। खेल और खिलाड़ियों के विकास में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने हर्ष जताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन कराने केंद्र सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ को प्रस्ताव भेजा गया है। वर्ष-2028 में जनवरी से मार्च के दौरान राष्ट्रीय खेलों का आयोजन प्रस्तावित है। उन्होंने खेल विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समय रहते राष्ट्रीय खेल आयोजन की सभी तैयारियों को अंजाम दें। राष्ट्रीय खेल का मध्यप्रदेश में आयोजन सरकार के लिए गौरव का विषय है। इसकी तैयारियों में कोई कमी न रहे। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जल पर्यटन को प्रोत्साहन किया जा रहा है। भोपाल आने वाले लोगों को यहां के छोटे और बड़े तालाब में जल क्रीड़ाओं का प्राकृतिक एवं वास्तविक आनंद प्रदान करने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं और व्यवस्थाएं की जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आगामी 14 से 19 अक्टूबर 2025 के दौरान एशियन रोईंग चैम्पियनशिप का आयोजन होना है। यह आयोजन भोपाल के खानूगांव स्थित वॉटर स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में होगा। इसमें 22 से ज्यादा देशों के लगभग 450 खिलाड़ी, 100 टेक्निकल ऑफिशियल और 12 ज्यूरी मेम्बर्स सहित बड़ी संख्या में वॉटर स्पोर्टस में रूचि रखने वाले भोपाल आएंगे। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि एशियन रोईंग चैम्पियनशिप के लिये तय आयोजन स्थल खानूगांव वॉटर स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर को अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार सर्वसुविधायुक्त बनाया जाए। इससे भोपाल तालाब की ब्रांडिंग के साथ देश में ओलम्पिक-2036 में वॉटर स्पोर्ट्स के आयोजन के लिये भोपाल शहर प्रबल दावेदार भी बनेगा। साथ ही मध्यप्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स, मध्यप्रदेश टूरिज्म एवं स्थानीय व्यापार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। सीएम ने कहा कि 14 से 19 अक्टूबर को होने वाली एशियन रोईंग चैम्पियनशिप की सभी तैयारियां अभी से प्रारंभ कर लें।

संजीव कुमार झा होंगे मप्र के नए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश को नया मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मिलने जा रहा है। 1996 बैच के आईएएस अधिकारी संजीव कुमार झा को इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। झा वर्तमान में राजस्व मंडल (रेवेन्यू बोर्ड) में सदस्य के रूप में पदस्थ हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य शासन द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। संजीव कुमार झा की नियुक्ति के साथ ही यह तय हो गया है कि वर्तमान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह की प्रशासन में वापसी होगी। सुखवीर सिंह 1997 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और उन्होंने अगस्त 2024 में पदभार संभाला था। वे लगभग साढ़े आठ महीने तक इस पद पर रहे। बताया जा रहा है कि सुखवीर सिंह की पदस्थापना के कुछ ही समय बाद राज्य शासन ने निर्वाचन आयोग को फेरबदल का प्रस्ताव भेजा था, जिस पर अब सहमति मिल गई है। संजीव कुमार झा को भी रेवेन्यू बोर्ड में अगस्त 2024 में ही भेजा गया था, और अब उनकी भी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में वापसी हो रही है।

सीएम ने सिक्किम के स्थापना दिवस पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिक्किम राज्य के स्थापना दिवस पर सिक्किम के नागरिकों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने बाबा महाकाल से राज्य के विकास और समृद्धि के लिए प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि हिमालय की गोद में स्थित सिक्किम लोक परम्पराओं से समृद्ध है। यह राज्य अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्म, पर्यटन और शांति की दिव्य स्थली है। पीएम मोदी के कुशल मार्गदर्शन में सिक्किम विकास की नई ऊंचाई हासिल करेगा।

सिंह ने एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली का किया निरीक्षण

सभी यातायात नियमों का करें पालन : संभागायुक्त

सत्ता सुधार ■ भोपाल

संभागायुक्त संजीव सिंह ने स्मार्ट सिटी ऑफिस में एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली का निरीक्षण करते हुए ई-चालान प्रक्रिया और पेनल्टी के भुगतान की प्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने ई-चालान के माध्यम से पेनल्टी भरने के विभिन्न तरीकों को जाना और अधिकारियों को 1 जनवरी 2025 से अब तक हुए यातायात नियम उल्लंघनों, जारी चालानों की संख्या एवं वसूली की गई राशि का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने चालानों के भुगतान की नियमित निगरानी एवं फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने शुक्रवार को स्मार्ट सिटी ऑफिस में एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली का निरीक्षण किया एवं प्रणाली के क्रियान्वयन एवं यातायात प्रबंधन तथा शासन में इसके प्रभावी उपयोग को लेकर अधिकारियों को बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीसीपी ट्रैफिक संजय सिंह,राजस्व उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता, एडीएम प्रकाश नायक, सीईओ स्मार्ट सिटी अंजू अरुण कुमार, एसडीएम रविश श्रीवास्तव एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने डीसीपी ट्रैफिक संजय सिंह को 31 मई तक वाहनों की चेकिंग अभियान को प्रभावी रूप से संचालित कर ओवरस्पीडिंग, रेड लाइट जंप करना, अनुचित पार्किंग और बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाने जैसे मामलों में नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

प्रदेशवासी लें जल जमाव रोकने का संकल्प

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर कहा है कि स्वस्थ मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए स्वच्छता, जागरूकता और समय पर उपचार ही हमारा सबसे कारगर हथियार है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे डेंगू का मुकाबला करने के लिए स्वच्छता को अपनाएं। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक एकजुट होकर यह प्रण लें कि अपने आसपास कहीं पर भी जल जमाव नहीं होने देंगे। साथ ही मच्छरों से बचाव और डेंगू के लक्षण व इलाज के प्रति समाज को जागरूक करेंगे, क्योंकि बचाव ही डेंगू का उपचार है।

राज्यपाल से मुलाकात कर मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की मांग की

ब्लैक एप्रिन पहनकर राजभवन पहुंचे कांग्रेसी, दिया धरना

सत्ता सुधार ■ भोपाल

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की बर्खास्ती मांग तेज हो गई है। शुक्रवार को भोपाल में कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल से मुलाकात की। ब्लैक एप्रिन पहने राजभवन पहुंचे नेताओं ने विरोध प्रदर्शन भी किया।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, विजय शाह ने सेना की वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ़ आपत्तिजनक टिप्पणी की है, लेकिन सरकार ने उनके खिलाफ कोई फैसला नहीं लिया। हम नैतिकता के आधार पर उनका इस्तीफा चाहते हैं। बीजेपी क्या सेना से बड़ी है? जब तक उन्हें बर्खास्त नहीं किया जाता, हम विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे। राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा, मंत्री का बयान बेहद शर्मनाक है। सिर्फ माफी मांगना पर्याप्त नहीं है। भाजपा में थोड़ी भी नैतिकता बची है और सशस्त्र बलों के लिए उनमें थोड़ा भी सम्मान है, तो मंत्री को उन्हें तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए।

मंत्री विजय शाह को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को लेकर आज कांग्रेस के विधायक काली एप्रैन पहनकर राज भवन पहुंचे और बाहर धरने पर बैठ गए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर जिस अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है, वह स्वीकार नहीं की जा सकती है। उन्हें तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

कुछ देर बाद धरना दे रहे कांग्रेस के विधायकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूर्व मंत्री सचिन यादव ने कहा सेना और महिला सम्मान के विरुद्ध सार्वजनिक बयान देने वाले मंत्री विजय शाह को गिरफ्तार करने की जगह पर सरकार कांग्रेस के विधायकों को गिरफ्तार कर देश की जनभावना और लोकतंत्र के खिलाफ काम कर रही है।

सीएम मोहन यादव का कांग्रेस पर बड़ा हमला, बोले-

धरना सिर्फ नौटंकी, न्यायालय से बड़ा कोई नहीं

मध्यप्रदेश के वन मंत्री विजय शाह के एक बयान को लेकर चल रहे विवाद पर कांग्रेस के धरने को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीखा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता उमंग सिंघार का धरना सिर्फ एक नौटंकी है और कांग्रेस जानबूझकर कोर्ट की अवमानना करने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को पता है कि यह मामला कोर्ट में चल रहा है और कोर्ट से बड़ा कोई नहीं होता। फिर भी कांग्रेस राजनीति कर रही है और ड्रामा कर रही है। उन्होंने साफ कहा कि सरकार कोर्ट के आदेश का पालन कर रही है। सीएम ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए पूछा कि जब उनके नेता विपक्ष पर केस चलते हैं, तब क्या कांग्रेस उनसे इस्तीफा मांगती है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जब भी कोर्ट की अवमानना करने का मौका मिलता है,

वह पीछे नहीं हटती। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के इतिहास पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी के खिलाफ फैसला दिया था, तो कांग्रेस ने इमरजेंसी लगवा दी थी। जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक पर फैसला दिया, तब भी कांग्रेस ने उस कानून को बदलवाने की कोशिश की थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने हमेशा कोर्ट के हर फैसले का पालन किया है -चाहे वह राम मंदिर का फैसला हो या तीन तलाक पर कानून बनाने की बात हो।

कांग्रेस का दोहरा रवैया: डॉ. यादव ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का उदाहरण देते हुए कांग्रेस पर सवाल दागा। उन्होंने कहा कि जब केजरीवाल जेल गए थे, तब कांग्रेस ने उनसे इस्तीफा क्यों नहीं मांगा? इसी तरह, जब कोर्ट ने सिद्धारमैया के खिलाफ फैसला दिया, तब कांग्रेस ने उन्हें क्यों नहीं हटाया? कांग्रेस का दोहरा रवैया साफ दिखता है। वह सिर्फ राजनीति करने के लिए धरना-प्रदर्शन कर रही है, जबकि असल मुद्दों पर चुप रहती है।

ब्रीफ न्यूज

दुकान पर काम कर रहे युवक से मारपीट

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम रोंडा निवासी सोनू राठौर पुत्र दिनेश ने पुलिस को शिकायती पत्र भेजा है। पत्र में सोनू राठौर ने बताया कि शुक्रवार को अपराह्न करीब 2.30 बजे वह कार शोरूम के पास अपनी चाट की दुकान पर काम कर रहा था। तभी गांव रोंडा के कुछ लोग आये और बिना कारण गालियां देने लगे। विरोध करने पर उक्त व्यक्ति ने उसके साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। शोरगुल सुनकर गांव के उसके चाचा मूलचंद्र राठौर, भाई अभय राठौर व अर्जुन राठौर मौके पर आ गये, जिन्हें देखकर उक्त युवक मौके से भाग गया। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस से मामला दर्ज कर कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है।

टूलकिट योजना के लिए करें आवेदन

ललितपुर। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता केन्द्र के उपायुक्त अतहर जमाल ने अवगत कराया है कि शासन द्वारा संचालित ओ.डी.ओ.पी. प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना में लक्ष्य 350 एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत जिले को लक्ष्य प्राप्त हैं। इस योजना के अन्तर्गत 18 बर्ष से अधिक के व्यक्ति (महिला एवं पुरूष) टूलकिट हेतु आवेदन कर सकते हैं, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में 10 दिवसीय प्रशिक्षण के अन्तर्गत (हलवाई, नाई, धोबी, राजमिस्त्री, बढई, लौहार, दर्जी आदि) सम्बन्धित ट्रेडों में आवेदन कर सकते हैं एवं ओ.डी.ओ.पी. प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के अन्तर्गत (जरी सिल्क साडी, फूड प्रोसोसिंग एवं रेडीमेड हौजरी गारमेन्टस् आदि) आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्राप्ति के दौरान व्यक्ति स्वयं का कुटीर उद्योग संचालित करने में सक्षम हो जायेगा एवं इस योजना से आत्मनिर्भता में वृद्धि होगी। इस योजना का आवेदन बेबसाइट पर कर सकते हैं।

पेयजल योजनाओं की एडीएम ने की समीक्षा

ललितपुर। एडीएम नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अध्यक्षता में मेसर्स जे.एम.सी. द्वारा निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं में पेयजल आपूर्ति व सीसी रेस्टोरेशन की समीक्षा बैठक सिंदवाहा स्थित डब्ल्यूटीपी में आहूत की गयी है। बैठक में जल निगम के सहायक अभियन्ता, जूनियर इंजीनियर, पीएमसी, टीपीआई एवं कार्यदायी संस्था के योजना प्रबन्धक एवं समस्त स्टाफ ने बैठक में उपस्थित रहे। मसौरा-सिंदवाहा ग्राम समूह पेयजल योजना में 45 नग ग्राम, गौना नाराहट ग्राम समूह पेयजल योजना में 54 नग ग्राम एवं सैदपुर-कुम्हैडी ग्राम समूह पेयजल योजना में 46 नग ग्राम सम्मिलित है। एडीएम ने योजनावार ग्रामों में की जा रही जलापूर्ति की समीक्षा की गयी एवं ग्रीष्मकाल में पेयजल आपूर्ति की समस्या न हो, इसके लिए सम्बन्धित सहायक अभियन्ता, जूनियर इंजीनियर एवं कार्यदायी संस्था के योजना प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि अपनी देखरेख में जिन ग्रामों में लीकेज एवं ब्लॉकेज की समस्या है, उसका त्वरित निराकरण कराकर पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से कराना सुनिश्चित करे।

दोनों पक्षों ने लगाये मारपीट, धमकाने और ईंट-पत्थर फेंकने के आरोप

कर्माबाई नगर के विवाद में दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

सिटी चौकी अंतर्गत मोहल्ला गोविन्दनगर स्थित कर्माबाई नगर में विगत दिवस किसी बात को लेकर दो पक्षों में जमकर संघर्ष हो गया था। इस संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से मारपीट, गालियां देना और जान से मारने की धमकी देते हुये ईंट-पत्थर इत्यादि फेंके गये थे। प्रकरण में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। एक पक्ष की ओर से बल्लू साहू पुत्र हल्कू साहू ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 13 मई की रात करीब 8 बजे उसकी पुत्री संजना साहू घरेलू सामान लेने के लिए गयी हुयी थी। तभी रास्ते में आकाश शर्मा पुत्र बृजेश शर्मा, मोनू शर्मा, सोनू शर्मा पुत्रगण राकेश शर्मा, शीलकुमार शर्मा पुत्र काशीराम, तुलाराम पुत्र इमरत ने उसकी पुत्री को देखकर उसका नाम लेते हुये गालियां दीं। जब बच्ची ने घर आकर इसकी जानकारी दी तो उसकी पत्नी सुलेख साहू ने उक्त लोगों को उनके घर जाकर उलाहना दिया। इसी बात से क्षुब्ध होकर राकेश शर्मा पुत्र शारदा प्रसाद, रमेश शर्मा पुत्र महादेव शर्मा व उक्त लोग एक राय होकर करीब 8.30 बजे आये और गालियां देते हुये मारपीट करने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने ईंट पत्थर से हमला कर दिया, जिससे घर का दरबाजा टूट गया। घटना की जानकारी डायल 112 को दी, जिस पर पीआरवी 112 से पुलिस मौके पर पहुंची तो उक्त लोग मौके से भाग गये। मौके पर निहालचंद्र पुत्र शिवलाल साहू को चोटें

आयीं हैं, जिनका चिकित्सीय परीक्षण रात में ही कराया गया। पुलिस बल्लू साहू की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 352, 115 (2), 125, 324 (2), 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से शिवा उर्फ शील कुमार शर्मा पुत्र काशीराम शर्मा ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि वह घर के पास खड़ा हुआ था, तभी पड़ौसी बल्लू साहू पुत्र हल्कू ने आकर उसे गालियां देते हुये मारपीट कर दी। शोरगुल सुनकर पड़ौस के भागीरथ साहू पुत्र हल्कू साहू, अंकित पुत्र भागीरथ, आदर्श साहू पुत्र भागीरथ, निहालचंद्र साहू पुत्र शिवलाल साहू, खुशहाल साहू, विनीत साहू ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट की। जान बचाकर वह घर की ओर भागा तो उक्त लोगों ने परिवार के तुलाराम शर्मा पुत्र इमरतलाल के साथ भी मारपीट कर दी। ईंट पत्थर फेंकते हुये सभी को जान से मारने की धमकी दी। उसी रात उन्होंने कोतवाली पहुंच कर घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शिवा उर्फ शीलकुमार शर्मा की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 352, 115 (2), 125, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

चोरी के आरोप में युवक को पुलिस ने पकड़ा

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी महरौनी रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना महरौनी पुलिस ने दर्ज एफआईआर धारा 305, 317(2) बीएनएस में प्रकाश में आये वांछित ग्राम जखौरा निवासी प्रिन्स राजा पुत्र मोहन सिंह को सौजना रोड़ पर नहर के पास से गिरफ्तार किया है। प्रिंस राजा पर टाइल्स की दुकान में रखे आठ हजार रुपये चोरी करने का आरोप है। चोर को पकडने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक महरौनी विनोद कुमार मिश्र, उ.नि.निखिल मलिक, हे.का. राघवेन्द्रसिंह व का. सचिन सैलानी शामिल रहे।

बीईओ बनी शिक्षिका, बच्चों को पढाया विज्ञान का पाठ

कंपोजित विद्यालय इमलिया के नवसृजित विज्ञान कक्ष का किया अवलोकन

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

खण्ड शिक्षा अधिकारी बार शैलजा व्यास ने कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय इमलिया का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किया। पर्यवेक्षक के दौरान बीईओ ने विद्यालय में रूपांतरित नव सृजित विज्ञान कक्षा कक्ष का अवलोकन कर बच्चों को अंतरिक्ष एवं सौरमंडल के बारे में विस्तार से बताया। विद्यालय में गठित इको क्लब, स्पोर्ट क्लब, सिविक सेंस क्लब, रीडिंग क्लब, विज्ञान गणित क्लब, कला एवं संस्कृति क्लब आदि के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न गतिविधियों की सराहना भी की। प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार सोनी ने बताया कि विज्ञान शिक्षण में अवलोकन जांच एवं प्रयोग का महत्व है। इसके दृष्टिगत विद्यालय में विज्ञान कक्षा का सृजन किया गया है। इससे बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास किया जा सके। उन्होंने बताया कि बाला पेंटिंग के माध्यम से परमाणु संरचना, कोशिका संरचना, प्रकाश संश्लेषण, डीएनए संरचना, अंतरिक्ष संरचना, सौरमंडल आदि को बच्चों की सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को गति देने के लिए अंकित कराया गया है। इस दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार सोनी, जावेद खान मंसूरी, अनिल त्रिपाठी, सोनल गुप्ता, रामसिंह, दिनेश वर्मा, प्रीति जैन, राजीव त्रिपाठी, रीना यादव, इकराम अल्ला मौजूद रहे।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर गोष्ठी आयोजित

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर सीएमओ की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस डेंगू रोग के प्रति लोगों में जागरुकता लाने के लिए मनाया जाता है। 2025 में राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम है। देखें, साफ करें, ढ़के, डेंगू को हराने के उपाय करें। मलेरिया अधिकारी अनिल क्रिस्टोफर मैसी ने बताया कि राष्ट्रीय डेंगू दिवस को मनाने का महत्व आम लोगों को डेंगू रोग के लक्षण, बचाव आदि की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करना है। डा.सौरभ सक्सेना ने बताया कि डेंगू रोग एक वायरस जनित रोग है, यह मुख्य रुप से यह एडिज एजिप्टाई मादा मच्छर के काटने से फैलता है। किसी व्यक्ति को तेज बुखार, बदन दर्द, हड्डियों में दर्द, बदन में लाल चकत्ते, आंखों के पिछले हिस्से में दर्द, उल्टी होना, गम्भीर मामलों में नाक, मुंह, मसूड़ों से खून आना आदि लक्षण हो तो निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में जा कर चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। इस दौरान नोडल अधिकारी डा.रामनरेश सोनी, डा.राजेश भारती, सहायक मलेरिया अधिकारी अजब सिंह यादव, मलेरिया निरीक्षक संदीप शर्मा आदि मौजूद रहे।

चार उप निरीक्षक समेत बीस पुलिस कर्मियों के कार्यक्षेत्र बदले

देर रात एसपी ने जारी किया आदेश, उ.नि. विवेक धामा को जखौरा थाने भेजा

ललितपुर। कुछ दिनों पहले चर्चा में आये एक प्रकरण में निलम्बित किये गये उप निरीक्षक विवेक धामा को पुलिस लाइन से थाना जखौरा भेजा गया है। इसके अलावा उप निरीक्षक विकास कुमार और उप निरीक्षक सरोत्तम दोनों को थाना तालबेहट एवं उप निरीक्षक सियाराम को थाना पाली भेजा गया है। जिले की कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाये रखने के एसपी मो.मुश्ताक ने 16 मई को चार उप निरीक्षकों के अलावा बीस पुलिस कर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। मुख्य आरक्षी बृजबिहारी सेंगर को कोतवाली से थाना सौजना, मुख्य आरक्षी महेन्द्र सिंह को थाना बालाबेहट से थाना तालबेहट, आरक्षी दिलीप कुमार को कोतवाली से जखौरा, आरक्षी विक्रम सिंह को कोतवाली से थाना पाली, आरक्षी शुभम तिवारी को मदनपुर से थाना जखौरा, आरक्षी पुष्पेन्द्र भदौरिया को बालाबेहट से पुलिस लाइन, आरक्षी उदय प्रताप को पुलिस लाइन से थाना जखौरा, महिला आरक्षी सीमा को थाना

बालाबेहट से थाना कोतवाली, का.ऑपरेटर बबली को साइबर क्राइम थाना से सीसीटीएनस थाना बालाबेहट, महिला आरक्षी माधवी शर्मा को थाना जखौरा से महिला थाना ललितपुर, महिला आरक्षी पल्लवी चौधरी को महिला थाना ललितपुर से आईजीआरएस, महिला आरक्षी पूजा तिवारी को गोपनीय कार्यालय से यू.पी.-112, महिला आरक्षी ज्योति देवी को बालाबेहट से गोपनीय कार्यालय, महिला आरक्षी कल्पना यादव को पुलिस लाइन से डीसीआरबी, मु.आरक्षी शीलेन्द्र सिंह भदौरिया को थाना तालबेहट से थाना महरौनी, विक्रम सिंह कठेरिया को थाना कोतवाली से थाना मड़ावरा भेजा गया है।

ओवर रेटिंग करते हुये शराब विक्रेता पकड़ा

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

अवैध शराब के उत्पादन, बिक्री एवं तस्करी के रोकथाम के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त के निर्देशानुसार चलाये जा रहे प्रवर्तन अभियान के क्रम में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व उप आबकारी आयुक्त झांसी उमेशचंद पाण्डेय एवं आबकारी अधिकारी विजय सिद्धांत के निर्देशन में आबकारी विभाग की जनपद में गठित टीमों द्वारा चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत क्षेत्र-2 तलबेहट की आबकारी टीम द्वारा थाना बार के अंतर्गत आने वाले संदिग्ध ग्राम आदि में दबिश दी गयी। दबिश के दौरान तलाशी में लगभग कुल 95 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर जब्त की गयी। आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 01 अभियोग अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। साथ ही आईजीआरएस प्रणाली अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का निस्तारण किया गया।

संदिग्ध ढाबो, दुकानों, गुमटियों आदि कि भी चैकिंग कर अवैध शराब, अपमिश्रित शराब व ओवर रेटिंग के दृष्टिगत क्षेत्र-2 की आबकारी दुकानों पर टेस्ट परचेजिंग कराते हुए आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान कम्पोजिट मदिरा शॉप बार मेला ग्राउंड बार के विक्रेता द्वारा बीयर की ओवर रेट करते पाया गया तथा एक विक्रेता, अभियुक्त को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम एवं बीएनएस की अन्य धारा के अंतर्गत अभियोग पंजीकरत कराते हुए जेल भेजा गया।

सब्जी लेने गये पुत्र को जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने का आरोप

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम दैलवारा निवासी बलराम अहिरवार पुत्र दुरजू अहिरवार ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 13 मई को रात करीब 8 बजे उसका 18 वर्षीय पुत्र अनुज सब्जी लेने के लिए दैलवारा बाजार रोड पर गया हुआ था। आरोप है कि रास्ते में गांव में छोटे राजा पुत्र शिशुपाल सिंह मोटर साइकिल से आये और उसके पुत्र को बिना कारण गालियां दी। विरोध करने पर उसके साथ लात-घूसों व लाठियों से मारपीट कर दी, जिससे अनुज को शरीर में काफी चोटें आयीं। बड़ा आरोप है कि उक्त छोटे राजा ने उसके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुये अपमानित किया और धमकाते हुये उसका मोबाइल भी सड़क पर पटक कर तोड़ दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने छोटे राजा के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 115 (2), 324 (2), 351 (3) व एस.सी.एस.टी. एक्ट की धारा 3 (1)(द), 3 (1)(घ) व 3 (2)(व्ही.ए.) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

बिरधा में 250 केवीए के ट्रांसफार्मर में भीषण आग लगने से मचा हड़कंप

एक दिन पहले ही मरम्मत कर की गई थी खानापूर्ति

ग्रामीणों ने जेई पर लगाए लापरवाही बरतने के आरोप

बिरधा (ललितपुर)। कस्बा बिरधा मे पुराना सागर रोड स्थित राधा कृष्ण मंदिर के पास 250 केवीए का ट्रांसफॉर्मर रखा है, जिसकी कल विद्युत विभाग द्वारा इसका मरम्मत कार्य किया गया था। उसमें जेई द्वारा उसमें तेल भी डलवाया गया था, लेकिन सूत्रों के अनुसार उसमे से तेल रिस रहा था और स्पार्किंग हो रही थी। जिस कारण सुबह करीब साढ़े नौ बजे उसमे आग लग गई और आग लगने से अफरा तफरी मच गई और आस पास के दुकानदार ट्रांसफार्मर फटने के डर से अपनी दुकान बंद कर के दूर भाग गए। इसके बाद सुबह दस बजकर छप्पन मिनिट पर फायर ब्रिगेड को

फोन लगाया है। करीब एक घंटे बाद आई फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया आग करीब डेढ़ घंटे तक धूं-धूं कर जलती रही गनीमत रही कि इसमें कोई विस्फोट नही हुआ। इस ट्रांसफार्मर पर करीब दो सौ से अधिक कनेक्शन है जिसके बिरधा कस्बा की तीस परसेंट आबादी की बिजली आपूर्ति होती है।

आज मनाया जायेगा वर्ल्ड हाईपरटेंशन-डे...

उच्च रक्तचाप कई बड़ी बीमारियों को जन्म देता है : सीएमओ

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

प्रतिवर्ष 17 मई को पूरे विश्वभर में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है, जिसे कि वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे भी कहा जाता है। उच्च रक्तचाप से पूरी दुनिया में कई सारे मरीज पीड़ित हैं। उच्च रक्तचाप कई बड़ी बीमारियों को जन्म देता है। बदलती दिनचर्या के साथ आए दिन लोगों का रक्तचाप बढ़ रहा है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि इस पर नियंत्रण पाया जाया क्योंकि विश्व का हर चौथा व्यक्ति इस समस्या से जूझ रहा है। सीएमओ ने बताया कि 17 मई 2025 को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का आयोजन विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रदत्त थीम के रूप में मनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। या उससे ऊपर ज्यादा है तो ऐसी स्थिति को उच्च रक्तचाप कहा जाता है। मोटापा, अव्यवस्थित दिनचर्या, जेनेटिक कारणों से भी लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है। रक्तचाप के बढने पर हार्ट पर दबाव पडने लगता है जो कि स्वास्थ्य की दृष्टि से बिल्कुल भी ठीक नहीं है। हाइपरटेंशन सिर्फ स्वयं तक सीमित नहीं रहता है धीरे-धीरे उससे कई बीमारियां पनपने लगती हैं। हाइपरटेंशन के मरीज को हार्ट अटैक एवं स्ट्रोक का खतरा होता है। ऐसे व्यक्ति को हमेशा सावधानी रखना चाहिए। इससे किडनी के खराब होने एवं अन्य अंगों के खराब होने का खतरा भी बना रहता है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जाता है। जागरूकता एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रमों का आयोजन होता है। मरीजों को इससे निजात पाने के उपाय बताए जाते। नोडल अधिकारी ने बताया कि ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी की मात्रा बढ़ती है जो रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालता है। प्रोसेस्ड फूड फास्ट फूड और पैकेट स्नैक्स में नमक की मात्रा अधिक होती है। इसलिए अपनी डाइट में इनके बजाए हेल्दी डाइट एड करें। साथ ही संतुलित मात्रा में नमक का सेवन करें। सेडेंटरी लाइफ स्टाइल ब्लड सर्कुलेशन को प्रभावित करती है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकती है। लंबे समय तक बैठे रहना मोटापे का कारण भी बनता है, जो हाइपरटेंशन का जोखिम बढ़ाता है। इसलिए सेडेंटरी लाइफस्टाइल से बचना चाहिए और बीच-बीच में शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। पब्लिक हैल्थ स्पेशलिस्ट ने बताया कि हाई ब्लड प्रेशर वैश्विक स्तर पर बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है यह हृदय रोगों का कारण बन सकती है। अक्सर हमारी दिनचर्या में कुछ एह्यसी आदतें होती हैं जो हाइपरटेंशन का कारण बन सकती हैं। इसे साइलेंट किलर भी कहते हैं क्योंकि इसके शुरुआती लक्षण ऐसे होते हैं जिसे आमतौर पर इंसान ध्यान नहीं दे पाता है। इसके लक्षण धीरे-धीरे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों जैसे हृदय किडनी मस्तिष्क और अन्य अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह हार्ट अटैक स्ट्रोक और किडनी रोग जैसी जानलेवा समस्याओं का प्रमुख कारण हो सकता है। गलत खानपान तनाव सेडेंटरी लाइफस्टाइल और धूम्रपान हाइपरटेंशन के खतरे को बढ़ाते हैं। अपनी डाइट में इनके बजाए हेल्दी डाइट एड करें। सेडेण्टरी लाइफस्टाइल ब्लड सर्कुलेशन को प्रभावित करती है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकती है। लंबे समय तक बैठे रहना मोटापे का कारण भी बनता है, जो हाइपरटेंशन का जोखिम बढ़ाता है। इसलिए सेडेंटरी लाइफस्टाइल से बचना चाहिए और बीच-बीच में शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए लंबे समय तक लगातार मानसिक तनाव और अपर्याप्त नींद कोर्टिसोल हार्मोन के स्तर को बढ़ाते हैं जो हाइपरटेंशन के सबसे प्रमुख कारणों में से एक है। अक्सर कुछ लोग अपनी दिनचर्या में चाय या कॉफी का अधिक मात्रा में सेवन करते हैं।

पचास हजार रुपये व मोटर साइकिल न मिलने पर बहू को घर से निकाला

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

थाना बानपुर अंतर्गत ग्राम बंगरा निवासी डोली कुशवाहा पुत्री कैलाश कुशवाहा ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि चार वर्ष पहले उसकी शादी कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम खुरा निवासी हरचरन कुशवाहा पुत्र हरिराम के साथ हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार हुयी थी, जिसमें उसके माता-पिता ने अपनी हैसीयत अनुसार दान-दहेज भी दिया था और शादी के बाद उसका एक ड़ेढ़ वर्ष का पुत्र भी है। बताया कि शादी के कुछ माह बाद से ही उसकी सास सुमन्तत्रा, ससुर हरीराम, देवर विनोद व पति द्वारा आये दिन किसी न किसी बात को लेकर प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि उसके ससुरालियों ने उस पर मायके से 50 हजार रुपये व एक मोटर साइकिल का अतिरिक्त दहेज लाने का दबाव बनाया गया। उसने जब इसका विरोध किया तो ससुरालियों द्वारा उसे गालियां देकर मारपीट की जाती और जान से मारने की धमकी दी गयी। पीड़िता का आरोप है कि ससुरालियों ने उसे कई बार घर से बाहर भी निकाल दिया गया। जब पीड़िता के पिता कैलाश व मां गजरा ने समझाया तो ससुरालियों द्वारा उसे तलाक देने की धमकी दी जाती रही। पीड़िता ने बताया कि 14 मई को सुबह करीब 8 बजे वह अपने घर पर थी।

ब्रीफ न्यूज

ब्यूटीपार्लर एवं दर्जी के निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु आवेदन करें 30 मई तक

झांसी। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राम किशोर ने बताया कि उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की 15 दिवसीय कौशल सुधार प्रशिक्षण योजनान्तर्गत जनपद झॉसी में वित्तीय वर्ष 2025-26 में सामान्य वर्ग के (दर्जी हेतु) 25 अभ्यर्थी तथा एस0सी0/एस0टी0 वर्ग के लिये 100 अभ्यर्थी (ब्यूटीपार्लर हेतु 50, दर्जी हेतु 50) को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु विभाग की बेबसाइड ह्वश्चद्म1द्बद्ब.द्श1.द्बठ्ठ पर जाकर इच्छुक अभ्यर्थी आनलाइन आवेदन कर सकते है, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, कालपी द्वारा कराया जायेगा। प्रशिक्षण हेतु एक परिवार से एक सदस्य का चयन किया जायेगा, चयन में दिव्यांग, बी0पी0एल परिवार के सदस्यों व महिलाओं को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। ग्रामीण क्षेत्र, नगर पंचायत वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जिनकी जनसंख्या 25 हजार से अधिक न हो, के आवेदक ही प्रशिक्षण हेतु पात्र होंगे, प्रशिक्षण हेतु आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिये, इच्छुक अभ्यर्थी दिनांक 30 मई 2025 तक ह्वश्चद्म1द्बद्ब.द्श1.द्बठ्ठ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु इच्छुक अभ्यर्थी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय इलाइट सिनेमा के पीछे झांसी एवं दूरभाष नं0 05102441227 तथा मो0न0 8077614838 पर संपर्क कर सकते है।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के प्रथम दिवस पर कलश यात्रा का आयोजन

झाँसी। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वाधान में मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले के ग्राम टेहरका में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन दिनांक 15 मई से प्रारम्भ होकर 18 मई तक जारी रहेगा। इस यज्ञ का प्रमुख उद्देश्य धार्मिक भावनाओं का विस्तार करना, समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन, नैतिक मूल्यों का उन्नयन, ग्राम व क्षेत्र के लोगों में सुख शांति व समृद्धि एवं संस्कारों के लिए जन-जन को प्रेरित करना है। कार्यक्रम के प्रथम दिन सायं 3ः00 बजे से कलश यात्रा प्रारंभ हुई जो गायत्री मंदिर से प्रारंभ होकर गढ़ी स्कूल पर समाप्त हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झांसी जनपद के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ0 संदीप सरावगी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के आगमन पर आयोजक मंडल द्वारा तिलक व माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर संदीप ने कहा गायत्री परिवार के प्रमुख उद्देश्यों में से समाज निर्माण, व्यक्तित्व निर्माण एवं परिवार निर्माण भी प्रमुख उद्देश्य हैं। यदि वास्तविकता में समाज का उत्थान करना है तो लोगों में शिक्षा व ज्ञान के महत्व को जगाना अत्यंत आवश्यक है। सनातन धर्म में गायत्री मंत्र का विशेष महत्व है, गायत्री मंत्र के जाप से व्यक्ति की आत्मा की शुद्धि होती है साथ ही मन मस्तिष्क में नवीन चेतना भी जागृत होती है। आजकल के आपाधात्री भरे समय में से हमें कुछ समय निकालकर मंत्रों का उच्चारण अवश्य करना चाहिये।

आई जी आर एस पोर्टल पर शिकायत निस्तारण में झांसी पुनः अव्वल रहने पर पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी का किया सम्मान

सत्ता सुधार ■ झांसी

मानव विकास संस्थान के तत्वावधान में प्रो. ज्योति वर्मा की अध्यक्षता व अशोक अग्रवाल काका के सानिध्य व रन्जना उपाध्याय के समन्वयन में आज संस्थान प्रतिनिधि मण्डल द्वारा पुलिस उप महानिरीक्षक मान. केशव कुमार चौधरी को शॉल व श्रीफल के साथ पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। आरम्भ में आई जी आर एस पोर्टल पर शिकायतों के सम्बन्ध एवं उनके निस्तारण में पुलिस द्वारा की जा रही प्रक्रिया पर सन्तोष व्यक्त करते हुए प्रतिनिधि मण्डल द्वारा भविष्य में भी शत प्रतिशत निस्तारण हेतु आशा करते हुए धन्यवाद दिया गया। तदोपरान्त पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी मान. केशव कुमार चौधरी को शॉल ओढ़ाकर श्रीफल व पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ सदस्य पुरूषोत्तम अग्रवाल , बेटी बचाओ के मुन्ना भईया साहू व सचिव अनिल कुमार साहू विशेष रुप से उपस्थित रहे।

अवैध खनन जारीः झांसी के गरौठा क्षेत्र में एक बार फिर खनन माफियाओं ने अवैध खनन का डंका बजा दिया है। प्रतापपुरा में बेतवा नदी की जलधारा रोककर और हैवी पोकलैंड मशीनों का इस्तेमाल कर दिन-रात अवैध खनन किया जा रहा है। आश्चर्यजनक बात यह है कि खनन माफिया झांसी में निजी भूमि का पट्टा कराकर जिला जालौन की सीमा में अड्डा बनाकर लगातार अवैध खनन कर रहे हैं। ग्रामीण और पर्यावरण कार्यकर्ता सवाल उठा रहे हैं कि इन माफियाओं को किसने खुली छूट दे दी है और अधिकारी इस पर आंखें क्यों मूंदे हुए हैं।

पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की हुई मौत

सत्ता सुधार ■ झांसी

झाँसी से प्रयागराज की ओर जा रही एक पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह जब पैसेंजर ट्रेन मऊरानीपुर स्टेशन से रवाना हुई, तभी एक व्यक्ति अचानक ट्रेन के इंजन के सामने आ गया। तेज रफ्तार ट्रेन के नीचे आने से व्यक्ति के शरीर के दो टुकड़े हो गए। इस हृदयविदारक दृश्य को देखकर स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन उसकी जेब से मऊरानीपुर से हरपालपुर तक का एक टिकट बरामद हुआ है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह हाल ही में यात्रा कर रहा था। पुलिस मृतक की शिनाख्त का प्रयास कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के जरिए भी घटना की जांच की जा रही है। हालांकि, आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर गौर कर रही है।

कानून व्यवस्था को खुली चुनौती दे रहे अवैध बूचड़खानों के मालिक

झाँसी। मोंठ थाना क्षेत्र सरकार के आदेशों और कानून दोनों को ठेंगा दिखा रहा है। मदारगंज मोहल्ले में अवैध तरीके से संचालित हो रहे बूचड़खानों की सच्चाई तब सामने आई जब दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इन वीडियो में घरों के भीतर मवेशियों को बेरहमी से काटते हुए साफ देखा जा सकता है। वीडियो में मवेशियों की चीत्कार और खून से सने फर्श ने पूरे क्षेत्र में दहशत और गुस्से का माहौल पैदा कर दिया है।

वीडियो ने खोली व्यवस्था की पोल, जनता में आक्रोशः इन वीडियो के सामने आते ही यह साफ हो गया कि प्रशासन और पुलिस की नाक के नीचे ये अवैध बूचड़खाने वर्षों से चल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कई बार पुलिस और प्रशासन को इसकी शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब जनता का आरोप है कि कहीं न कहीं प्रशासन की मिलीभगत और संरक्षण के बिना इस तरह की गतिविधि संभव नहीं है।

योगी सरकार के आदेशों की सरेआम अवहेलनाः गौरतलब है कि योगी सरकार ने सत्ता में आते ही प्रदेशभर में अवैध बूचड़खानों पर पाबंदी लगाने का आदेश दिया था। कई जिलों में इसके खिलाफ अभियान भी चलाया गया। लेकिन झाँसी का मोंठ इलाका इन आदेशों का मजाक उड़ाते हुए कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को तार-तार कर रहा है।

प्रशासन की ढुलमुल कार्रवाई पर उठे सवालः इस पूरे मामले में मोंठ कोतवाल अखिलेश द्विवेदी का कहना है कि वीडियो की जांच कराई जा रही है, वीडियो कब के हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। कार्रवाई की जाएगी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब वीडियो में घटनास्थल की पहचान और चेहरों की तस्वीरें साफ हैं तो अब तक कोई गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? क्या प्रशासन फिर इस मामले को ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी कर रहा है

मारपीट का वीडियो हुआ वायरलः झांसी लुहारी टोल प्लाजा पर टोल कर्मियों की गुंडागर्दी को उजागर कर दिया है। एक पेट्रोल टैंकर चालक के साथ बेरहमी से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे यात्रियों और चालकों में भारी आक्रोश है। यह घटना सरकार थाना क्षेत्र की है, और स्थानीय लोगों का कहना है कि लुहारी टोल प्लाजा पर ऐसी घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं, लेकिन इस बार टोल कर्मचारियों ने सारी हदें पार कर दी हैं।

कानपुर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता के छात्रों ने किया बुंदेलखंड विश्वविद्यालय पत्रकारिता संस्थान का शैक्षणिक भ्रमण

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान में छत्रपति शाहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्रों ने पत्रकारिता संस्थान की मीडिया लैब की कार्य प्रणाली को समझा एवं किस प्रकार से मीडिया के विभिन्न फॉर्मेटो के लिए कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है इसकी जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही कंप्यूटर लैब में पत्रकारिता संस्थान के न्यूज लेटर,बीयु न्यूज़ की छात्र संपादक टीम के साथ बैठक की। कानपुर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष अध्यक्ष डॉ विशाल शर्मा ने कहा की वर्तमान में दोनों विश्वविद्यालय के कुलपतियों के सहयोग से 2 वर्ष पूर्व दोनों संस्थाओं के बीच एमओयु हुआ था। छात्रों का यह शैक्षणिक भ्रमण इसी के आलोक में है। उन्होंने अपनी ओर से बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पत्रकारिता संस्थान को अपने यहां आने के लिए आमंत्रित किया। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय पत्रकारिता संस्थान के समन्वयक में डॉ कौशल त्रिपाठी ने कहा कि संस्थान लगातार छात्रों को इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों के अवसर प्रदान करता रहता है। कानपुर विश्वविद्यालय से शैक्षणिक भ्रमण पर एमए फाइनल ईयर के छात्रों में दीपांशु तिवारी, एकता त्रिवेदी, आयुषी मिश्रा, दिव्यांशु कृष्ण त्रिवेदी, विभु बाजपेई के साथ बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के एमए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र, शिक्षक डॉ जय सिंह, डॉ राघवेंद्र दीक्षित, उमेश शुक्ला, डॉ अभिषेक कुमार, अतीत विजय, देवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

गर्मी शुरू होते ही विद्युत देने लगी झटका, बेतहाशा विद्युत कटौती से जनजीवन हो रहा प्रभावित

टहरौली। गर्मी शुरू होते ही विद्युत की आंख मिचौली का खेल शुरू हो चुका है टहरौली उपकेन्द्र के उपभोक्ताओं को दिन में बमुश्किल 8 से 10 घंटे ही विद्युतापूर्ति मिल पा रही है जिससे लोगों के घरों में रखे हुए बिजली उपकरण शोपीस बनकर रह गए हैं। एक ओर जहां पारा 40 डिग्री के पार पहुंच रहा है तो वहीं विद्युत विभाग द्वारा की जा रही अघोषित विद्युत कटौती के कारण लोग भीषण गर्मी व लू में झुलसने के लिए मजबूर है टहरौली उपकेन्द्र के अन्तर्गत आने वाले टहरौली, बिजना, झला, रमपुरा आदि फीडरों से जुडे दर्जनों गांवों को विद्युत आपूर्ति की जाती है लेकिन बेतहाशा विद्युत कटौती से जन जीवन प्रभावित हो रहा है भीषण गर्मी के चलते बच्चे एवं बूढे बीमार हो रहे हैं,भाजपा नेता रिंकू दीक्षित, प्रधान सितौरा चंद्रभान सिंह दांगी, प्रधान चंदवारी सौरभ सिंह, भरत पटेल सिलोरी, राघवेन्द्र पस्तोर बिजना, रिंकू परिहार धवारी, सुनील गंदर्भ ताई, बृजकिशोर बिलगैंया बेरबई, आलोक दुबे खोह, एड अशोक पटेल रनयारा आदि ने जिम्मेदार अधिकारियों से रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति दिलाए जाने की मांग की है।

डे नाइट क्रिकेट एकेडमी का 21 मई से होंगा शुभारंभ बारह टीमें लेंगी हिस्सा

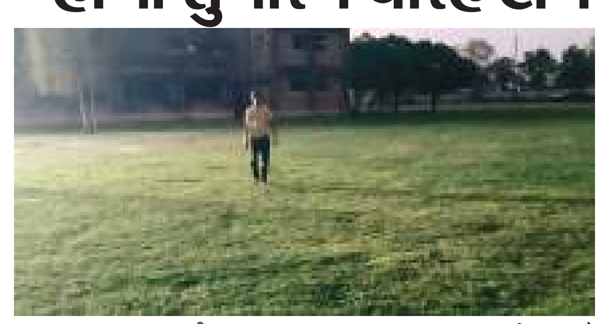

सत्ता सुधार ■ समथर झांसी

नगर के राजकीय महाविद्यालय स्थित ग्रीन ग्राउंड में पहली बार होने जा रहे जिया टैलेंट यूनिवर्स क्रिकेट एकेडमी द्वारा क्रीति शेष श्रीमंत महाराजा रणजीत सिंह जूदेव की स्मृति में आयोजित डे नाइट टी टेन क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ दिनांक 21/05/2025 से किया जाएगा। जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है।

जिया टैलेंट यूनिवर्स डे बोर्डिंग स्कूल के प्रबंधक मंजर खान ने जानकारी देते हुए बताया कि यह टूर्नामेंट कीर्ति शेष श्रीमंत महाराजा रणजीत सिंह जूदेव राजा समथर की याद में किया जा रहा है। जिसमें बारह टीमें हिस्सा लेंगी। जिसमें समथर सुपर किंग ओनर आशीष उर्फ अल्लू सोनी, अनुराग इलेवन कमतरी ओनर अनुराग, बुन्देलखण्ड क्लब ओनर भास्कर चतुर्वेदी,आकाश स्टार लोहागढ़ ओनर विश्व वेंद्र सिंह,रोशांक चैलेंजर लोहागढ़ ओनर रामकृपाल सिंह गुर्जर प्रधान लोहागढ़,पंडोखर धाम इलेवन ओनर सोनू शर्मा, साइनिंग इंडिया इलेवन मेरठ ओनर शाहनवाज खान,आरपीएस रीसोर्ट इलेवन पीछोर ओनर शिवा परमार, स्टार क्रिकेट क्लब अंवापोर्सा ओनर विशनू तोमर, चिन्ना गुट्टी दा फाइटर्स ओनर चिन्ना गुट्टी पाल, शैली भाईयां फेंस क्लब ओनर श्याम जी गुर्जर, अम्बेडकर क्लब समथर ओनर दीपक भाईयां अपनी टीम एवं ओनर के साथ शामिल रहेंगे।

कई दिनों से बेसहारा आंख व कान खराब होने के चलते ऑपरेशन को खून आदि व्यवस्था न होने से सड़कों पर लगा रहा गुहार

समाजसेवा का दम भरने वाले अब आखिर कहाँ गए ?

गुरसरांय(झांसी)। बड़े-बड़े समाज सेवा का दावा करने वाले और सस्ती लोकप्रियता के सौदागर जो किसी भी असहाय को भोजन या फल वितरित करते हैं और अपनी समाजसेवा का सोशल मीडिया से लेकर अखबारों में फोटो छपवाने वाले अगर वास्तव में निस्वार्थ भाव से समाजसेवा से लेकर ईश्वर का दर्शन करना चाहते हैं तो अपनी पाखंड भरी झूठी वाहवाही लूटने से बचकर वास्तव में जिसका कोई नहीं उसका खुदा है यारों को दृष्टिगत रखते हुए सच्चे भाव से सेवा करने का रास्ता तय करना होगा। गुरसरांय में एक 36 वर्षीय युवक जिसकी दोनों आंखें और कान खराब है और इस व्यक्ति के आगे-पीछे कोई परिवार या देखभाल के लिए कोई नहीं है यह युवक राकेश पुत्र मान सिंह निवासी मुहल्ला पायगा वार्ड नंबर 7 गुरसरांय जिला झांसी का है जो कई दिनों से अपने सीने पर बोर्ड पट्टिका लटकाये हुए है और डंडा के सहारे चलते-फिरते दिख जावेगा जो पट्टिका लटकाये हुए है उसमें स्पष्ट तौर पर लिखा हुआ है कि उसे आंखों का कानों का ऑपरेशन चित्रकूट में चल रहे इलाज दौरान डॉक्टरों ने ऑपरेशन के लिए खून की सख्त जरूरत बताई है लेकिन उसके पास न तो खून की व्यवस्था है न कोई देखभाल करने वाला उसने पट्टिका में खून और ऑपरेशन इलाज की व्यवस्था बनाए जाने की मांग पट्टिका पर लिखी हुई है कई दिनों से सड़कों पर घूमते नजर आ रहा है लेकिन कोई भी समाजसेवी से लेकर राजनीतिक लोग और जनप्रतिनिधियों-समाजसेवी का दम भरने वाले लोग आखिर कहां हैं इससे लग रहा है और हकीकत भी है कि यह सत्य है कि लम्बे चौड़ी तिलक लगा लो अयोध्या से काशी की दूरी पूरी कर लो तुम्हें राम नहीं मिल पाएंगे तुम्हें घनश्याम नहीं मिल पाएंगे क्योंकि राम यही पर है और घनश्याम यही पर है। पहचानने की शक्ति जहां चाहिए जहां ईश्वर वास करता है वहां किसी प्रकार की आडंबर की जरूरत नहीं है इस भाव से ही भगवान श्री राम वन में मां शबरी के आश्रम में पहुंचे थे.... इस सच्चे भाव से लोगों को आगे बढ़ना होगा।

खेरापति हनुमान मंदिर पर पांच कुण्डीय श्री राम महायज्ञ कल से

25 मई को कन्या भोज एवं विशाल भण्डारे का साथ होगा समापन

सत्ता सुधार ■ टहरौली

ग्राम खोह के जसवंतपुरा मौजे में स्थित प्रसिद्ध खेरापति हनुमान मंदिर पर प्रथम पांच कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ एवं विशाल मेला महोत्सव का शुभारंभ रविवार 18 मई को प्रायश्चित जल यात्रा भ्रमण के साथ होगा, मुख्य यज्ञाचार्य कैलाश नारायण व्यास बघैरा की देखरेख में सोमवार को अग्नि स्थापन एवं हवन प्रारंभ होगा जो 24 मई को पूर्णाहुति के साथ संपन्न किया जाएगा। यज्ञ के मुख्य यजमान राजेश द्विवेदी खोह ने बताया कि संत गुच्छा सरकार महाराज दतिया द्वारा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से संगीतमय श्रीराम कथा का वाचन एवं रात्रि के समय रामलीला का मंचन किया जाएगा तथा रविवार 25 मई को कन्या, ब्रह्मभोज एवं विशाल भण्डारे के साथ सभी कार्यक्रमों का समापन किया जाएगा।

शोक व्यक्त किया

गरौठा झाँसी। भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रीति शर्मा गरौठा की माता जी की लंबी बीमारी के चलते निधन होने पर नगर के वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी द्वारा गहरा शोक व्यक्त किया गया शोक सभा में प्रमुख रूप से गरौठा भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र पाठक धर्मेंद्र सिंह बुंदेला, गोविन्द गुप्ता, पुष्पेंद्र पुरी,प्रदीप तिवारी, अनुराग उपाध्याय,आदर्श द्विवेदी , कैलाश सोनी, डॉ ओमप्रकाश, सतीश चंद्र अग्रवाल, देवेन्द्र गौतम,अशोक गोस्वामी, दयाशंकर रिछारिया, दयाशरण गुप्ता ,रामकिशन खटीक ,सुनील उर्फ श्रीपत अहिरवार,महेश गुप्ता, मेहरबान सिंह बुंदेला, आदि मौजूद रहे।

तारीख पर तारीख निकलने के बाद लग रहा है योजना अब ठंडे बस्ते में

85 करोड़ खर्च के बाद भी गुरसरांय-गरौठा टाउन क्षेत्र में क्या अब पेयजल सप्लाई नहीं हो पाएगा...?

सत्ता सुधार ■ गुरसरांय(झांसी)

आखिरकार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गुरसरांय-गरौठा में 85 करोड़ रुपये की लागत से हर-घर-नल हर-घर-जल योजना के माध्यम से गुरसरांय नगर के लोगों को और गरौठा टाउन क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल मुहैया कराए जाने का मुहूर्त शुभारंभ का अब सपना ही दिख रहा है और शुभारंभ के नाम पर कई बार टेस्टिंग कर जनता से लेकर सरकार को जल निगम के अधिकारियों और काम करा रही कंपनी भ्रमित कर अपनी नाकामयाबी को छुपा रही हैं तो दूसरी ओर संबंधित विभाग के अधिकारियों से लेकर जिला प्रशासन और शासन द्वारा काम कराने वाली संस्था के विरुद्ध कार्यवाही न करना लग रहा है संबंधित कंपनी और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से इस योजना में भारी घपला हुआ है क्योंकि गुरसरांय टाउन क्षेत्र में अभी तक सभी वार्डों में पाइप लाइनों को नहीं बिछाया गया और कुछ वार्डों में बिछाया गया है तो टेस्टिंग में ही उस क्षेत्र में पानी आपूर्ति लगभग पूरी तरह फेल साबित हुई है और अब तो लग रहा है की जिला प्रशासन से लेकर संबंधित विभाग के आला अधिकारियों ने भी इस परियोजना से हाथ खड़े कर दिए हो क्योंकि जिस योजना को सालों पहले जनता के उपयोग हेतु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहिए अब तक 15 अप्रैल तक तो विभाग के अधिकारी आज-कल आज-कल में पानी सप्लाई किए जाने का वायदा करते रहे लेकिन अब मई 2025 की 16 तारीख गुजर जाने के बाद विभाग के अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों का इस संबंध में कोई अधिकृत बयान नहीं आया है की पेयजल सप्लाई कब से चालू की जाएगी या योजना पूरी तरह फेल हो गई है और तारीख पर तारीख देने के बाद लग रहा है मामला ठंडे बस्ते में चला गया है और इसका खामिआजा आम जनता को भोगना पड़ रहा है की गर्मी में जो गुरसरांय नगर टाउन क्षेत्र में पहले से बनी व्यवस्था जल संस्थान द्वारा टंकी के माध्यम से पेयजल सप्लाई होती थी वह भी बुरी तरह इस योजना से प्रभावित हुई है और पानी के लिए गुरसरांय के वाशिन्दा पूरी तरह परेशान हैं। नगर व क्षेत्र के लोगों ने जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री से इस संबंध में जनहित व शासन हित में तुरंत कार्यवाही की मांग की है।

विधायक राजपूत ने सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

सत्ता सुधार ■ गरौठा झाँसी

शुक्रवार को ग्राम इमलौटा से मैग्या की मड़इया की ओर नहर रोड तक सड़क के नव निर्माण कार्य का विधायक जवाहरलाल राजपूत द्वारा भूमिपूजन किया गया लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत यह मार्ग बहुत जल्द देवतुल्य क्षेत्र एवं ग्रामवासियों के लिए समर्पित होगा. जिसकी अनुमानित लागत करीबन ढ़ाई करोड़ रुपए है कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र मोहन पाठक, वरिष्ठ किसान नेता कमलेश लंबरदार, ग्राम प्रधान इमलोटा, अजय पटेरिया, जाहर राजपूत, देशराज वर्मा,लोकनाथ सिंह, प्रधान एवणी, अरविन्द विश्वकर्मा सहित सभी क्षेत्रवासियों सहित आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

तुर्कीए में आए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 5.2 मापी गई तीव्रता

अंकारा। तुर्किए में एक बार फिर भूकंप के तेज़ झटके लगे हैं। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 मापी गई। हालांकि, फिलहाल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन भूकंप ने एक बार फिर लोगों को डर के साए में जीने को मजबूर कर दिया है। तुर्किए की ज़मीन पहले भी कई बार तेज़ और विनाशकारी भूकंपों से दहल चुकी है। इसका मुख्य कारण यह है कि तुर्किए एनाटोलियन प्लेट पर स्थित है, जो अफ्रीकी और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स के बीच फंसी हुई है। इसी कारण यहां लगातार भूकंपीय गतिविधियां होती रहती हैं। इससे पहले भी यहां 1999 से भूकंप के झटके लगते रहे हैं। 17 अगस्त 1999 को रात में आए इस भीषण भूकंप की तीव्रता 7.6 थी। इसमें करीब 17,000 लोग मारे गए थे और यह तुर्किए की अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर डाल गया था। अक्टूबर 2011 में पूर्वी तुर्किए के वान क्षेत्र में आया यह भूकंप 7.1 तीव्रता का था। इसमें 600 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और सैकड़ों इमारतें ढह गई थीं। 30 अक्टूबर 2020 को एजियन सागर में आया यह भूकंप 7.0 तीव्रता का था। इससे तुर्किए और ग्रीस, दोनों प्रभावित हुए थे।

चीन में सुबह सुबह कांपी धरती, कोई नुकसान नहीं हुआ

बीजिंग। चीन में अभी सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई है। अभी तक इस भूकंप से नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, भूकंप के झटके से चीन के लोग डर गए और घर से बाहर भागने लगे। दरअसल, चीन में आज सुबह 6 बजकर 29 मिनट पर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.5 मापी गई। यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर था। यह भूकंप युन्नान प्रांत के निकटवर्ती क्षेत्र में आया। भूकंप की तीव्रता बहुत जोरदार नहीं थी, जिस वजह से जान-माल के कम ही नुकसान होने की संभावना है। क्योंकि इस भूकंप की गहराई कम थी, इसलिए इसके झटके लोगों ने अच्छे से महसूस किए। चीन में कई लोगों की नींद भी भूकंप के कारण ही खुली। उन्हें लगा जैसे कोई बड़ी तबाही आ गई। चीनी लोग घरों से बाहर भागने लगे। यहां बताना जरूरी है कि चीन के युन्नान प्रांत में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

पुतिन ने दूसरी पत्नी को लेकर मलेशिया के पीएम का उड़ाया मजाक

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच क्रेमलिन में गुरुवार को हुई मुलाकात का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस दौरान पुतिन ने हल्के-फुल्के अंदाज में मलेशिया के पीएम की दूसरी पत्नी को लेकर तंज कसा। इसके बाद पूरा सभागार ठहाकों से गूंज गया। हुआ ऐसा कि क्रेमलिन के सेंट एंड्रयू हॉल में तीन राजसिंहासनों की ओर इशारा करते हुए पुतिन ने मलेशिया के पीएम से पूछा, यहां तीन सिंहासन हैं। एक सम्राट (कजार) का, दूसरा उनकी पत्नी का, तो बताइए तीसरा किसका होगा? इस पर अनवर इब्राहिम ने मुस्कुराते हुए तुरंत जवाब दिया, दूसरी पत्नी का।

दुनिया में एक बार फिर कोरोना धीरे-धीरे पांव पसार रहा है...

एशिया के कई देशों में कोविड-19 से हड़कंप, हांगकांग और सिंगापुर में बढ़े मरीज

एजेंसी ■ हांगकांग

दुनिया में एक बार फिर कोरोना धीरे-धीरे पांव पसार रहा है।एशिया में कोरोना वायरस ने दबे पैर दस्तक दे दी है। हांगकांग से लेकर सिंगापुर में कोरोना के नये मामलों ने हड़कंप मचा दिया है। जी हां, यहां कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इससे हेल्थ अधिकारी चिंतित हो चुके हैं। कोरोना के मामलों में फिर से आई तेजी ने पूरे एशिया में फिर से कोविड की नई लहर का संकेत दिया है।

दरअसल, हांगकांग में कोरोना अब अपना असल रंग दिखा रहा है। कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सेंटर फॉर हेल्थ प्रोटेक्शन में क्मयुनिकेबल डिजीज ब्रांच के चीफ अल्बर्ट औ का कहना है कि कोरोना वायरस की एक्टिविटी अब काफी उच्च स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सैंपल में कोविड-19 पॉजिटिव आने का प्रतिशत एक साल के हाई लेवल पर पहुंच गया है। कोरोना के डेटा मामलों में चिंताजनक इजाफे को दिखाता है। यानी न केवल कोरोना के मामले आ रहे हैं, बल्कि इससे मौतें भी हो रही हैं। इधर, कोरोना को लेकर सिंगापुर में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस महीने वहां के स्वास्थ्य मंत्रालय ने करीब एक साल में संक्रमण के आंकड़ों पर पहली बार अपडेट जारी किया है। इसमें यह खुलासा हुआ है कि 3 मई को खत्म वीकेंड में अनुमानित कोरोना के मामलों में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले हफ्ते की तुलना में इस हफ्ते 14,200 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। रोजाना अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।हालांकि, सिंगापुर में भले ही कोविड के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, लेकिन हेल्थ मिनिस्ट्री का कहना है कि अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि जो नए वेरिएंट्स फैल रहे हैं, वे ज़्यादा संक्रामक हैं या फिर पहले से अधिक गंभीर बीमारी का कारण बन रहे हैं। आमतौर पर सर्दी के मौसम में ही सांस से संबंधित वायरस अधिक सक्रिय होते हैं। लेकिन इस बार गर्मी की शुरुआत होते ही कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। इससे साफ है कि कोरोना वायरस गर्मी में भी तेजी से फैल सकता है और बड़ी संख्या में लोगों को बीमार कर सकता है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि चीन में भी कोरोना सिर उठाने लगा है। चीन भी पिछले साल देखी गई गर्मियों की पीक पर पहुंचने वाली कोविड-19 लहर का अनुभव करने के लिए तैयार है। चीन के अस्पतालों में कोविड पॉजिटिक के मामले अब मिल रहे हैं। वहीं, थाईलैंड के डिपार्टमेंट ऑफ डिजीज कंट्रोल ने भी कोरोना के मामलों में इजाफे की सूचना दी है। राहत की बात है कि भारत में अभी कोरोना के मामले नहीं देखे जा रहे हैं।

पाकिस्तान इंटरनेशनल भिखमंगा! ये हम नहीं, पाकिस्तानी सरकार खुद कह रही

उसके नागरिक विदेशों में कटोरा लेकर भीख मांग रहे

एजेंसी ■ कराची

भारत और पाकिस्तान में अंतर सिर्फ विचारधारा का नहीं है, बल्कि दोनों देश की सरकार को अपने नागरिकों की चिंता को लेकर भी बड़ा अंतर है। जहां एक ओर पाकिस्तानी सरकार इंटरनेशनल कम्युनिटी से पैसा लेकर आतंकवादियों पर लुटा रही है, वहीं उसके नागरिक विदेशों में कटोरा लेकर भीख मांग रहे हैं। हम ये बात यूं ही नहीं कह रहे, खुद पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने इसके आंकड़े जारी किए है। बीते 3 सालों में 50000 पाकिस्तानी दुनिया भर के देशों में भीख मांगते पाए गए।

पाकिस्तान जहां भारत से अपनी तुलना करता है, वहीं कंगाल देश की हालत ये है कि इसके सैकड़ों भिखमंगे अलग-अलग देशों में भीख मांग रहे हैं। 4 माह 552 भिखारियों के पाकिस्तान भेजने के बाद साबित हुआ है कि पाकिस्तान इंटरनेशनल भिखमंगा है। उसके नागरिक अलग-अलग देशों में हाथ पसारकर बैठे हुए हैं और वहां की सरकारें उन्हें पकड़-पकड़कर पाकिस्तान भेज रही हैं।

पाकिस्तान की राष्ट्रीय असेंबली यानी संसद में पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तानियों द्वारा भीख मांगने का आकड़ा पेश किया है। आंकड़ों में बताया गया है की भीख मांगने के आरोप में कितने पाकिस्तानी विदेश से वापस पाकिस्तान डिपोर्ट किया गया है। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय असेंबली में बताया कि बीते 3 सालों में यानी सबसे शहबाज शरीफ सरकार सत्ता में आई है तब से 50000 पाकिस्तानी दुनिया भर के विभिन्न देशों में भीख मांगते पकड़े गए। 2025 में अब तक यानी 4 महीनों के दौरान विभिन्न देशों से भीख मांगने के आरोप में 552 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस पाकिस्तान भेजा गया। साल 2024 में भी यह आंकड़ा कम नहीं था। विभिन्न देशों से भीख मांगने के आरोप में 4850 पाकिस्तानियों को पिछले साल वापस भेजा गया था।

पाकिस्तान के सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक बीते 3 सालों में भीख मांगने के आरोप में सबसे ज्यादा सऊदी अरब से पाकिस्तानियों को जबरन वापस भेजा गया। इनकी संख्या 5033 थी।

पता ये भी चला है कि धार्मिक यात्रा करने के नाम पर पाकिस्तानी नागरिक सऊदी अरब जाने का वीजा ले लेते हैं और फिर वहां जाकर भीख मांगना शुरू कर देते हैं। इससे परेशान सऊदी सरकार ने अब इसतरह के भिखारी पाकिस्तानियों को पकड़ कर वापस पाकिस्तान भेजना शुरू किया है। सरकारी रिकॉर्ड का एक दिलचस्प आंकडा और भी है। आंकड़े के मुताबिक जो भिखारी वापस आए हैं, उसमें पाकिस्तान के अमीर कहे जाने वाले प्रांत पंजाब और सिंध के लोग भी शामिल हैं।

परमाणु नियंत्रण: रक्षा मंत्री राजनाथ के बयान पर तिलमिलाया पाकिस्तान

इस्लामाबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की निगरानी को लेकर चिंता जताई तो पाकिस्तान इस बात को लेकर भड़क गया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बड़बोलापन दिखाते हुए इस बयान की कड़ी निंदा की। दरअसल, राजनाथ सिंह ने कहा था कि आतंकवादियों को पनाह देने वाले इस्लामाबाद के परमाणु संयंत्रों की निगरानी के लिए अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी नियुक्त होना चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि यह बयान गैर-जिम्मेदाराना है। इस बयान के जरिए भारत, पाकिस्तानी परमाणु हथियारों के प्रति अपनी असुरक्षा की भावना को प्रदर्शित कर रहा है। अपना बड़बोलापन दिखाते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि परमाणु हथियारों के बिना भी हम भारत की तरफ से किए गए किसी भी हमले को रोकने में सक्षम हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म करने संभावनाएं फिर अटकीं?

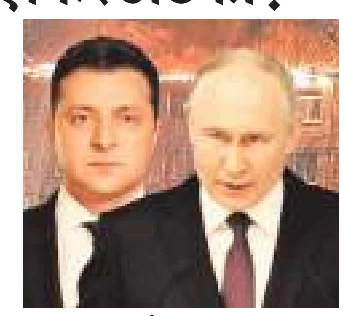

एजेंसी ■ इस्तांबुल

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में एक बार फिर सीधी शांति वार्ता शुरू हो गई है। गुरुवार को पहली मीटिंग हुई। तुर्की के विदेश मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि गुरुवार को तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान और रूसी प्रतिनिधिमंडल के बीच बातचीत खत्म हुई, और अब शुक्रवार को यूक्रेन और तुर्की के बीच वार्ता होगी। रूस-यूक्रेन और तुर्की के बीच त्रिपक्षीय वार्ता भी एजेंडे में है। हालांकि इस वार्ता से अमेरिका को बेहद कम उम्मीद दिखाई देती है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि जब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आमने-सामने नहीं मिलते, तब तक कोई बड़ा बदलाव संभव नहीं है। इस बीच नाटो और रूस के फाइटर जेट में तनाव देखा गया है।

रूबियो ने तुर्की में नाटो विदेश मंत्रियों की मीटिंग के बाद कहा, 'मुझे नहीं लगता कि ट्रंप और पुतिन की सीधी बातचीत के बिना कोई सफलता मिलेगी।' इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने पुष्टि की है कि वह एक प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए भेजेंगे, लेकिन साथ ही रूस पर बातचीत को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इतनी महत्वपूर्ण वार्ता में भी रूस ने निम्न स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजा। जेलेंस्की ने इसे एर्दोगन और ट्रंप के प्रति अपमान बताया।

इससे पहले जेलेंस्की ने पुतिन को सीधी बातचीत की चुनौती दी थी, लेकिन क्रेमलिन ने साफ किया कि पुतिन इस्तांबुल नहीं जा रहे। रिपोर्ट के मुताबिक एयर फोर्स वन में जब ट्रंप से पूछा गया कि जेलेंस्की रूसी प्रतिनिधिमंडल के स्तर से निराश हैं, तो उन्होंने कहा, 'देखिए, जब तक पुतिन और मैं नहीं मिलते तब तक कुछ नहीं होने वाला है। चाहे आपको यह पसंद आए या नहीं।' ट्रंप ने पहले कहा कि अगर उचित हुआ तो वह शुक्रवार को तुर्की में भाग लेंगे, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि संभवतः वह अमेरिका लौट जाएंगे।

अब ट्रंप को आईफोन की प्रोडक्शन यूनिट्स भारत में लगाने से दिक्कत

सीईओ टिम कुक से कहा, अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाए

एजेंसी ■ दोहा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने एप्पल के सीईओ टिम कुक से कहा है कि वे आईफोन की प्रोडक्शन यूनिट्स भारत में न तैयार करे। उन्होंने कहा कि मुझे कुक के इस प्लान से दिक्कत है और मैंने उन्हें साफ कहा हैं कि भारत में ही इतने ज्यादा प्लांट लगाने की क्या जरूरत है। रिपोर्ट के अनुसार कतर में अपने आधिकारिक दौरे पर गए ट्रंप ने वहां के एप्पल के सीईओ से बातचीत में यह बात कही। ट्रंप ने कहा कि टिम कुक पूरे भारत में प्रोडक्शन यूनिट्स लगा रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि इस तरह से भारत में विस्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि अब मेरे कहने के बाद एप्पल की ओर से अमेरिका में आईफोन का प्रोडक्शन बढ़ाया जाएगा। अपने ऐतराज की वजह भी ट्रंप ने साफ की है। उनका कहना है कि भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला मुल्क है, लेकिन वहां हमारे लिए अपने उत्पादों को बेचना सबसे कठिन है। भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ घटाने की बात कही है और वह ट्रेड डील करना चाहता है। इसके साथ ही अपने उत्पादों पर भी एग्रीमेंट चाहता है। ट्रंप का यह बयान तब समय में आया है, जब चीन से बाहर भारत में एप्पल की ओर से प्रोडक्शन यूनिट्स लगाई जा रही हैं। दरअसल एप्पल की यह रणनीति है कि सप्लाई चेन में सिर्फ चीन पर ही निर्भरता न रहे, इसलिए भारत में भी फैक्ट्रियां लगाई जा रही हैं।

ट्रंप को कुक के इसी प्लान पर आपत्ति है। दरअसल अब तक आईफोन का ज्यादातर प्रोडक्शन चीन में ही होता रहा है और अमेरिका में कोई उत्पादन नहीं होता था। अब ट्रंप चाहते हैं कि आईफोन की फैक्ट्रियां भारत में लगाने की बजाय अमेरिका में लगाए।

शेख हसीना के बेटे अमेरिका के नागरिक बने

वाशिंगटन। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने अमेरिका की नागरिकता प्राप्त कर ली है। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी नागरिक के रूप में शपथ ग्रहण की है। सजीव ने पासपोर्ट के माध्यम से नागरिकता के लिए आवेदन किया था। अमेरिकी सरकार ने उन्हें नागरिकता देने का निर्णय लिया। उसके बाद उन्होंने अमेरिकी नागरिक के रूप में शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह में 22 लोग शामिल थे।

सजीव के साथ बांग्लादेश के तीन नागरिकों ने भी अमेरिका की नागरिकता प्राप्त की है। अमेरिकी नागरिकता मिल जाने के बाद अब वह अमेरिका के बाहर भी अपनी यात्रा कर सकेंगे। माना जा रहा है, वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए उनकी मां शेख हसीना जल्द ही अमेरिका की नागरिकता लेकर भारत से विदा लेने की तैयारी कर रही हैं।

संसद में झूठ बोलकर फंस गए पाक के विदेश मंत्री, मीडिया ने उड़ा दीं धज्जियां

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार की फजीहत हो रही है। अपने ही घर में घिरे डार की बोलती इसलिए बंद हैं कि उन्होंने संसद में झूठ बोलकर देश को गुमराह करने की कोशिश की है। पाकिस्तान में ब्रिटिश अखबार की एक कटिंग वायरल की गई, जिसका शीर्षक था- आसमान का राजा है पाकिस्तान की वायुसेना। इस हेडिंग वाली अखबार के फर्जी पेज को सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया। यहां तक कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने तो इसी का जिक्र करते हुए संसद में वायुसेना की शान में कसीदे भी पढ़ डाले। अब पाकिस्तान के ही अखबार ने इसका फैक्ट चेक किया है, जिसमें यह पूरी तरह फर्जी पाया गया है। भारत की ओर से पहले ही ऐसे दावों की धज्जियां उड़ाई गई थीं। अब पाकिस्तान को वहीं की मीडिया ने आईना दिखाया है। दरअसल, एक अखबार कटिंग सोशल मीडिया पर वायरल कराई गई थी, वह पूरी तरह फर्जी थी। 10 मई का अंक बताकर उसे शेयर किया जा रहा था, जबकि अखबार ने उस दिन भारत या पाकिस्तान पर कोई खबर ही फ्रंट पेज पर नहीं छापी थी। इसके अलावा एक प्रतिष्ठित अखबार का फ्रंट पेज बताकर जिस तस्वीर को शेयर किया जा रहा था, उसमें ऐसी स्पेलिंग की गलतियां थीं, जो साफ करती हैं कि कैसे नकल में भी अक्ल का इस्तेमाल नहीं किया गया। इशाक डार तक ने इसी फर्जी कटिंग के सहारे पाकिस्तानी वायुसेना की तारीफ कर डाली और जब फैक्ट चेक हुआ तो चुप्पी साध गए। इस तरह पाकिस्तानी अखबार के ही फैक्ट चेक ने वहां झूठे दावे करने वालों की बोलती बंद कर दी है। यही नहीं एक और दावा यह था कि पाकिस्तान ने उधमपुर बेस को तबाह कर दिया है और ऐसे दावे के साथ एक वीडियो भी शेयर हो रहा था। यह दावा भी एकदम फर्जी निकला है क्योंकि वीडियो हनुमानगढ़ की एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने का है।

विचारधारा

गोरिल्ला वॉर से उरुग्वे में लोकतंत्र किया बहाल, गरीब राष्ट्रपति से जानती है दुनिया

मुइका जिन्होंने उरुग्वे के राष्ट्रपति बनने के बाद ठुकरा दी लग्जरी लाइफ

एजेंसी ■ वाशिंगटन

लैटिन अमेरिका ने दुनिया को कई विद्रोही नेता दिए हैं, जिन्होंने वर्ल्ड पॉलिटिक्स को व्यापक पैमाने पर प्रभावित किया है। उनकी विचारधारा और आचरण ने फूल की खुशबू की तरह सीमाओं से परे जाकर आम लोगों के जीवन पर पॉजिटिव असर डाला है। उरुग्वे के पूर्व राष्ट्रपति होजे मुइका उन्हीं महान नेताओं में से एक थे। जिन्होंनेन जंगल से राष्ट्रपति भवन तक का सफर तय किया। उरुग्वे में जब तानाशाही थी तो होजे मुइका ने गोरिल्ला वॉर शुरु किया था। उनके अथक प्रयासों के चलते उरुग्वे में लोकतंत्र बहाल हुआ।

होजे मुइका उरुग्वे देश के रष्ट्रपति बने लेकिन राष्ट्रपति भवन में नहीं रहे। उनका मानना था कि लग्जरी लाइफस्टाइल से राष्ट्रपति का जनता से तलाक हो जाता है। साधे तरीके से जीवन जीने के चलते उन्हें 'दुनिया का सबसे गरीब राष्ट्रपति' भी कहा जाता था। अब यह दिग्गज नेता हमारे बीच नहीं हैं। कैंसर की वजह से 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी राजनीतिक और वैचारिक विरासत न केवल उरुग्वे बल्कि दुनियाभर में आने वाले कई दशकों तक कायम रहेगी।

उरुग्वे के राष्ट्रपति यामांदु ओरसी ने होजे मुइका के निधन की सूचना दी। मुइका को साल 2024 में गले का कैंसर हो गया था। मुइका का जन्म उरुग्वे की राजधानी मॉन्टेविडियो में एक साधारण और गरीब परिवार में हुआ था। उनके पिता किसान थे और मां का परिवार इतालवी प्रवासियों से था। 1960 के दशक में मुइका तुपमारोस नामक वामपंथी गोरिल्ला आंदोलन में शामिल हुए। मुइका ने उरुग्वे की सैन्य तानाशाही के खिलाफ जारी लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया। इस दौरान उन्हें कई बार गिरफ्तार किया गया। 1970-1980 के दशक में उन्होंने 14 साल जेल में बिताए, जिसमें 10 साल कठोर एकांतवास में गुजारे। इस दौरान किताब ही उनका एकमात्र साथी था। मुइका 2010 से 2015 तक उरुग्वे के रष्ट्रपति रहे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि मुइका ने राष्ट्रपति रहते हुए मॉन्टेविडियो के बाहर एक साधारण फार्महाउस में रहे। उन्होंने सरकारी महल में रहना स्वीकार नहीं किया। उनकी एकमात्र संपत्ति थी 1987 मॉडल की फोक्सवैगन बीटल कार। यह उनकी पहचान भी थी। मुइका साधारण कपड़े पहनते थे और अपने खेत में खुद काम करते थे। सादगी भरा जीवन जीने के चलते उन्हें दुनिया भर में सम्मान मिला। उरुग्वे के पूर्व राष्ट्रपति और क्रांतिकारी नेता होजे मुइका ने साल 2005 में अपनी साथी लुसिया तोपोलान्स्की से शादी की थी। लुसिया खुद एक राजनेता और पूर्व तुपमारोस की सदस्य थीं। उनके निधन के बाद भी उनकी सादगी, मानवतावाद और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण दुनियाभर के लोगों को प्रेरित करता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या करने फिर रची जा रही साजिश?

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका की सीक्रेट सर्विस ने पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी के खिलाफ एक जांच शुरू की है। कोमी पर आरोप है कि उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ हिंसा भड़काने की कोशिश की। इस पोस्ट को फिलहाल हटा दिया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कोमी ने एक तस्वीर साझा की थी जिसमें समुद्र तट पर सीपियों को 8647 की आकृति में व्यवस्थित किया गया था। इस संख्या ने चिंता पैदा की, क्योंकि '86' को अक्सर रेस्तरां और बार में किसी चीज को हटाने या निष्कासित करने के लिए प्रयोग किया जाता है, जबकि '47' को ट्रंप से जोड़ा गया, जो अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं।

कोमी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, मेरे समुद्र तट की सैर पर शानदार सीपियों की रचना। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों और राष्ट्रपति के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने इस पोस्ट को राष्ट्रपति के जीवन के लिए खतरे के रूप में देखा। इसके जवाब में एफबीआई निदेशक काश पटेल ने कहा कि ब्यूरो इस मामले में यूएस सीक्रेट सर्विस के साथ समन्वय कर रहा है।

विवाद के बाद कोमी ने अपने पोस्ट पर सफाई दी।

ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है

कहते है ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है।ईमानदार आदमी अपने मानवता के लिए किए गए पुनीत कार्यो से अमर हो जाता है।समाज में ईमानदारों की मिसालें दी जाती है। ईमानदारी के रास्तें में मुसीबते बहुत है लेकिन ईमानदारी से किए गए कार्यों के बाद जो खुशी होती है उसे करोडों रुपयों से भी हासिल नहीं किया जा सकता।ईमानदार आदमी पहले दुसरों का भला सोचता है कि कौन असली जरुरतमंद है।ईमानदार समाज के हित में अपना जीवन सर्मपित कर देता है।ईमानदारी कर कोई सानी नहीं है।ईमानदारी युंगों-यंगों तक रहती है।ईमानदारी की कभी हार नहीं होती। ईमानदारी एक अच्छी नीति है।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है।ईमानदारों के खिलाफ पड़यंन्त्र रचे जाते है मगर ईमानदारों पर आंच नहीं आती।ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है।यह एक शाश्वत सत्य है। ईमानदार आदमी द्वारा समाज के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए महान कार्यो के लिए समाज उसे युगों युगों तक याद रखता है। वर्तमान समाज में ईमानदारी पर बेईमानी हावी होती जा रही है मगर बेईमानी औधें मुह गिर जाती है।सांच को आंच नहीं आती।ईश्वर भी ईमानदारों का साथ देता है। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए।मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही उंचाईयां छू लें।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए।भूखे को रोटी खिलाओं,जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ

भेदभाव किया जाता है।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।ताकि विपतीयो का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल-कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों को आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है।

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है। निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके

ललित गर्ग

दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया। चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है। चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा।

विभाजन की ओर बढ़ता पाकिस्तान ?

▪ सुरेश हिंदुस्तानी

पाकिस्तान की ओर से भारत के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद आखिरकार युद्ध विराम हो गया है, लेकिन इस युद्ध विराम के बाद फिर से सवाल उठने लगे हैं कि क्या आतंक को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि पूर्व में ऐसा कहने के बाद भी हर बार पाकिस्तान की ओर से कश्मीर में आतंकी घटनाएं की जाती रही हैं।

पहलगांव की घटना में आतंकवादियों ने निर्दोष 26 हिन्दु पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान पस्त हो गया। पाकिस्तान सरकार की ओर से युद्ध विराम के बारे में कहा गया कि इस समय पाकिस्तान को बचाने की जरूरत है। इस कथन का बहुत ही स्पष्ट आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अगर युद्ध जारी रहता तो पाकिस्तान नाम का देश इस धरती पर नहीं रहता। इसलिए पाकिस्तान ने अपने देश को बचाने के लिए ही यह रास्ता चुना। अमेरिका ने इस मामले में दखल देते हुए दोनों देशों के बीच सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की ओर से हमेशा यही कहा गया कि भारत आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अपना अभियान चला रहा है। इस मामले में विश्व के अधिकांश देश भारत के साथ खड़े होते दिखाई दिए, वहीं पाकिस्तान अकेला हो गया था। इससे पाकिस्तान निराश हो गया। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी माना जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर ग्रे सूची में आने का खतरा बढ़ता जा रहा था। एफएटीएफ की ओर से पाकिस्तान का ऐसी चेतावनी भी दे दी गई थी। अगर पाकिस्तान ग्रे सूची में आता तो उस पर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे, जो पाकिस्तान के हित में नहीं होते। युद्ध विराम का एक बड़ा यह भी हो सकता है, क्योंकि आर्थिक रूप से बदहाल हो चुके पाकिस्तान को अब कर्ज भी मिल सकता है। जिसकी उसे बहुत आवश्यकता है। अब पाकिस्तान, भारत की जवाबी कार्यवाही से बच गया। लेकिन पाकिस्तान के अंदर ही अंदर जो लावा सुलग रहा है। पाकिस्तान की सरकार को उससे बचने का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान ब्लूचिस्तान ने अपनी आजादी की लड़ाई को जारी रखते हुए पाकिस्तान की सेना को अपना निशाना बनाया। यानी पाकिस्तान एक तरफ भारत से लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी ओर उसे अपने ही देश में ब्लूचिस्तान की ओर से कड़ी चुनौती मिल रही थी।

पाकिस्तान का आरोप था कि ब्लूचिस्तान को भारत भड़का रहा है। इसे इसलिए भी सच नहीं माना जा सकता, क्योंकि ब्लूचिस्तान ऐसी लड़ाई लम्बे समय से लड़ रहा है। अभी कुछ महीने पहले ही बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की ट्रेन को हाईजैक करके

पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। अब यही कहा जा सकता है कि ब्लूचिस्तान शायद ही पाकिस्तान में रहे। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान विभाजन के रास्ते पर चल रहा है? क्योंकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी ऐसी ही स्थिति दिखाई देती है। कई विशेषज्ञ यह दावा भी करते दिख रहे हैं कि पाकिस्तान चार टुकड़ों में विभाजित हो जाएगा। यह इसलिए भी कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के अंदर यही स्थिति बन रही है।

वर्तमान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहवाज शरीफ अपने ही देश की जनता के निशाने पर हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की सेना और सेना के साथ कदम मिलाने वाले आतंकी संगठन सरकार के युद्ध विराम वाले निर्णय से नाखुश हैं। इसका परिणाम क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही बताने में समर्थ होगा। लेकिन यह पाकिस्तान की वास्तविकता है कि युद्ध जैसी स्थिति बनने के बाद सेना और आतंकियों ने सरकार के समक्ष गंभीर संकट पैदा किया है। यहां तक कि सेना ने सरकार को अपदस्थ करके खुद सत्ता का संचालन किया है। दूसरी बात यह भी है कि जंग के हालात पैदान करने के लिए पाकिस्तान की जनता सरकार और सेना प्रमुख को ही पूरी तरह से दोषी बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पहलगांव की घटना से तीन दिन पूर्व कहा था कि हिन्दू और मुसलमान एक साथ कभी नहीं रह सकते। इसके साथ ही यह भी कहा कि भारत का कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है। सेना प्रमुख का यह बयान मुसलमानों को भड़काने जैसा ही था। इसलिए पहलगांव की घटना को इसी बयान की प्रतिक्रिया स्वरूप माना जा रहा है।

पहलगांव की आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से आपरेशन सिन्दूर चलाकर पाकिस्तान स्थिति आतंकी शिविरों को नष्ट करके पाकिस्तान के आक्रमण की योजना को असफल कर दिया। भारत की ओर की गई जवाबी कार्रवाई में सौ से ज्यादा आतंकी मारे गए। यह पाकिस्तान के लिए जबरदस्त आघात ही था, क्योंकि पाकिस्तान की सरकार और सेना इन्हीं आतंकियों की दम पर भारत को आंखें दिखा रहा था। इसके अलावा पाकिस्तान के हर आक्रमण को भारत ने असफल कर दिया। जिसके बाद पाकिस्तान बेदम सा होता चला गया। अब हालांकि युद्ध विराम हो गया है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। विश्वास करना इसलिए भी कठिन सा लग रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में जो आतंकी शिविर चल रहे हैं, उनमें केवल और केवल भारत के विरोध में नफरत का पाठ पढ़ाया जाता है। यह नफरती फौज भविष्य में भारत में आतंक फैलाने के लिए ही तैयार की जा रही है। पाकिस्तान अगर वास्तव में ही युद्ध विराम को लागू करना चाहता है तो उसे पाकिस्तान में चल रहे आतंकी शिविरों को समाप्त करना होगा। जब तक पाकिस्तान ऐसा नहीं करेगा। तब तक उस पर विश्वास करना कठिन ही है। खैर... कुछ भी हो, पाकिस्तान अंदर से तो टूट ही रहा है, अब युद्ध विराम के बाद वहां की सरकार, सेना और जनता अलग अलग राग अलाप रहे हैं। इसकी परिणति पाकिस्तान के लिए खतरनाक भी हो सकती है।

खामियाजा

थोड़ी सतर्कता और उच्च रक्तचाप को चुनौती

समय से पहले दुनिया भर में हो रही मौतों की वजहों में सबसे ज्यादा उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर भी है। चिकित्सकीय भाषा में यह हाइपरटेंशन है। बदलता आम जनजीवन, दिनचर्या, भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में यह कब घर कर जाता है, अमूमन पता नहीं चलता। आज यह वो वैश्विक रोग बन गया है जिसके अधिकतर प्रभावितों को बड़ा खामियाजा भुगतने के बाद समझ आता है। दबे पांव शरीर को घेरते इस रोग को साइलेंट किलर भी कहते हैं। विडंबना देखिए कि हर हाथों में वाट्स ऐप यूनिवर्सिटी का ज्ञान बघारते, नुस्खा बताते स्क्रीन पर घण्टों समय बिताने के बावजूद हर साल विश्व में लगभग 7.5 मिलियन लोग जान गंवा देते हैं।

आहिस्ता-आहिस्ता मौत की दस्तक देता उच्च रक्त चाप आसानी से समझा जा सकता है। शरीर को संकेत मिलने लगते हैं। लेकिन समझ कर नजर अंदाज करना इतना भारी पड़ता है कि प्रायः लोग, जान देकर कीमत चुकाते हैं। त्वरित सूचना के दौर में भी जागरूकता और अनभिज्ञता की ऐसी चूक मौत का आंकड़ा बढ़ाती है। कह सकते हैं कि अब यह, महामारी की शक्ल अख्तियार करता जा रहा है। एकाएक हार्ट अटैक या सड़क चलते, वाहन चलाते आई मौतों की चिंताजनक घटनाओं में उच्च रक्तचाप वजह होती है।

ऐसा नहीं कि इसे पहचानना कठिन हो। हमारे शरीर में बदलते लक्षणों जैसे सिर में भारीपन, आंखों में धुंधलका छाना, चक्कर आना भी इसके लक्षण हो सकते हैं। साधारणतया इन्हें सामान्य समझ नजर अंदाज कर देते हैं और ऐसे परिवर्तनों के आदी हो जाते हैं। जाने-अनजाने उक्त रक्तचाप के साथ जीने लग जाते हैं। यही बाद में एकाएक बड़ी मुसीबत को न्यौता देता है और प्रायः नतीजा मौत तक में बदल जाता है। ऐसा भा नहीं कि बढ़े रक्तचाप पर हर बार चिकित्सक के पास जाना पड़े। नियमित निगरानी, थोड़े अहतियात, जरा सी सतर्कता और जिव्हा पर नियंत्रण से काफी इसके दुष्प्रभावों को रोका जा सकता है। लक्षण की सामान्यतः सटीक जानकारी मिल ही जाती है। स्वचलित माप मशीन से रक्तचाप का एक चार्ट बना, इसकी प्रवृत्ति समझ, रोका जा सकता है। रक्तचाप किस वक्त कितना बढ़ता है, किन कारणों से बढ़ता है जैसी बातें आसानी से समझी जा सकती हैं। बस इन्हें समझने, नियंत्रित करने या प्रभावित करने वाले तौर-तरीकों में सुधार कर उच्च रक्तचाप पर काबू संभव है। अनियंत्रित, अब तो फास्ट फूड जैसा चटखारे वालो खान-पान भी उक्त रक्तचाप के कारण हैं। सब जानते हैं कि ज्यादा नमक रक्तचाप बढ़ा, शरीर के लिए जहर होता है। फिर भी परहेज नहीं करते! ज्यादा नमक रक्त संचार प्रणाली में वो रासायनिक अभिक्रियाएं करता है जिससे रक्तचाप बढ़ाता है। ज्यादा मात्रा से रासायनिक तत्व की अधिकता रक्त और दूसरे अंगों को घातक नुकसान पहुंचाते हैं। मस्तिष्क, गुर्दा, धमनियां और रक्त शिराएं यहां तक हृदय की धड़कन भी प्रभावित होती है। ऐसी अनियमितताएं या अनदेखी जानते-समझते हुए बड़ी जोखिम बन जानलेवा बन जाती है। खानपान की बिगड़ी आदतों खासकर अधिक सोडियम, कम पोटेशियम, अत्यधिक शराब का सेवन, धूम्रपान, वजन बढ़ना, मोटापे पर काबू नहीं जैसी स्थितियां उच्च रक्तचाप की बेहद अनुकूल परिस्थितियां होती हैं।

फीचर

विदेशी भाषाएं सीख कर पायें अच्छी नौकरी

अगर आप तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं तो हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही अलग-अलग भाषाएं सीखना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

अलग-अलग और नई तरह की भाषा आपको एक अच्छी नौकरी भी दिला सकती है। अगर इन भाषाओं का ज्ञान हिंदी के साथ हो तो आपको नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है। स्पेनिशः अगर किसी भाषा को वाकई वैश्विक भाषा का दर्जा मिल सकता है तो वो स्पेनिश है। दुनिया भर में इस भाषा से जुड़े रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। अमेरिका में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं, जो स्पेनिश बोलते हैं। इसके अलावा मुसाफिरों की तादाद भी काफी है। इसे सीखना तुलनात्मक रूप से आसान है। स्पेन के अलावा ये भाषा दक्षिण अमेरिका के कई देशों और मेक्सिकों में भी बोली जाती है।

जर्मनः जर्मनी के अलावा स्विटजरलैंड में भी ये भाषा काफी प्रचलित है और ये दोनों देश यूरोप में कारोबार का केंद्र माने जाते हैं। ऐसे में ये भाषा कारोबार के लिहाज से अहम है।

फ्रेंचः दुनिया भर में 20 करोड़ से ज्यादा लोग यह भाषा बोलते हैं। दुनिया के 40 से ज्यादा देशों में आप फ्रेंच बोल-सुन सकते हैं। ये 8 देशों की भाषा है और संयुक्त राष्ट्र में इसे आधिकारिक दर्जा हासिल है।

अंग्रेजीः अंगेजी का महत्वा आपको पता ही है। लंदन, अमेरिका समेत यूरोप में प्रमुख तौर पर बोली जाने वाली भाषा है। इससे करियर की असीम संभावनाएं आपके लिए खुलती हैं।

जापानी- अंग्रेजी में कई ऐसे शब्द हैं, जो इसी भाषा में पहुंचे हैं। अगर एशिया के रोबोटिक केंद्र में जगह बनानी है तो जापानी सीखना अनिवार्य समझ लीजिए।

अरबीः 30 करोड़ लोग यही भाषा बोलते हैं। दुबई और आबु धाबी जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों की भाषा है।

प्रेरणा

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है।

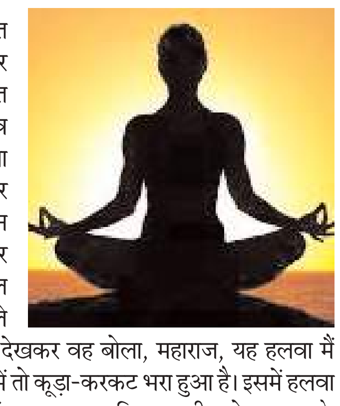

अपनी बात

राहुल गांधी ने कहा कि ये सभी मेरे लिए पदक हैं। मेरे खिलाफ 30-32 मामले दर्ज हैं। दरभंगा के एसडीपीओ (सदर) ने कहा कि जिला प्रशासन ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के औपचारिक अनुरोध के बाद टाउन हॉल में कार्यक्रम आयोजित करने की लिखित अनुमति दी थी। अधिकारियों ने कहा कि अंबेडकर छात्रावास परिसर में एक अलग कार्यक्रम के लिए अनधिकृत तैयारी थी।

एमके स्टालिन ने कहा कि केंद्र का रवैया लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्यों की स्वायत्तता को कमजोर करने में जुटा है। राष्ट्रपति द्वारा मामले में केंद्र से स्पष्टीकरण मांगने के फैसले को स्टालिन ने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, हम कोई भी कदम उठाने से पहले अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्षी नेताओं से सलाह लूंगा।

ब्रीफ न्यूज

शनिवार को यहां रहेगी बिजली गुल

गुना। मेंटीनेंस के चलते शनिवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में बिजली गुल रहेगी। प्रबंधक कैंट जोन विद्युत वितरण कंपनी लिमि. द्वारा दी गई जानकारी अनुसार 33/11 केव्ही पावर हाऊस सब-स्टेशन पर मेंटनेंस कार्य होने से 17 मई को प्रातः 09:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा जिससे हाटरोड़, हनुमान चौराह, पुरानी गल्ला मण्डी, राधा कॉलोनी एवं छवड़ा कॉलोनी आदि क्षेत्रों का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। उक्त विद्युत कटोती समय को आवश्यकतानुसार घटाया अथवा बढ़ाया जा सकता हैं।

बिजली बिल बकाया पर कड़ी कार्रवाई: सुरेन्द्र कपूर का शस्त्र लाइसेंस निलंबित

गुना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल ने आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17(3) के अंतर्गत सुरेन्द्र कपूर, निवासी कालापाठा कैंट, गुना का शस्त्र लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर शस्त्र संबंधित थाने में जमा कराने के आदेश दिए हैं। यह कार्रवाई विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भेजी गई बकायादारों की सूची के आधार पर की गई है। सुरेन्द्र कपूर के नाम तीन कनेक्शनों पर 8,04,373 की राशि बकाया है। बावजूद नोटिस दिए जाने के, उन्होंने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया। गृह विभाग के अनुसार शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण से पूर्व नो ड्यूज प्रमाण पत्र आवश्यक है। प्रशासन का मानना है कि गंभीर आर्थिक लापरवाही करने वाला व्यक्ति सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश है कि बकायेदारों पर अब प्रशासनिक सख्ती की जाएगी।

ग्राम विनायकखेडी गुना में नशा उन्मूलन शिविर आयोजित

गुना। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुना द्वारा मन मनोचिकित्सक संस्थान एवं नशा मुक्ति नर्सिंग होम गुना के समन्वय से विशेष नशा उन्मूल शिविर ग्राम विनायकखेड़ी गुना में आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर आयोजित शिविर में वंदना त्रिपाठी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ग्रामीणनज को नशे के दुष्प्राभावों के प्रजि जागरूक करते हुए बताया गया कि नशे से न केवल पारिवारिक कलह उत्पन्न होता है बल्कि उसका विपरीत प्रभाव बच्चों पर भी पडता है। नशे से व्यक्ति की न केवल समाजिक छवि धूमिल होती है अपितु उसे शारीरिक एवं आर्थिक परेशानियो का भी सामना करना पडता है।

सिलेंडर वितरण कार्य में लापरवाही बरतने पर ग्रामीण वितरक को किया निलंबित

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार जिले में उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडरों की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु अभियान चलाया जा रहा हैं। इसी क्रम में विकासखण्ड गुना में इण्डेन कम्पनी के एरिया मैनेजर ने अटाखेड़ी ग्रामीण वितरक, गैस एजेंसी को उपभोक्ताओं को नियमित रूप से सिलेडरों को सप्लाई नहीं करने पर 15 मई को उक्त एंजेसी को निलंबित कर दिया गया है।

लव जिहाद पर सख्ती की उठी मांग

एनआईए से जांच कराने की मांग को लेकर सकल हिंदू समाज ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुना

प्रदेश में लव जिहाद के बढ़ते मामलों को लेकर सकल हिंदू समाज ने शुक्रवार को जनाक्रोश व्यक्त करते हुए एसडीएम गुना को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, रीवा, पन्ना, कटनी, दमोह सहित अनेक जिलों में लव जिहाद की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जो अब केवल सामाजिक चिंता का विषय नहीं, बल्कि गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बन चुकी हैं। ज्ञापन में इन घटनाओं को एक संगठित षड्यंत्र बताते हुए आरोप लगाया गया कि योजनाबद्ध ढंग से हिन्दू युवतियों को प्रेमजाल में फंसा कर उनका मानसिक, शारीरिक व धार्मिक शोषण किया जा रहा है। इस कार्य में शामिल तत्वों के अंतरराज्यीय व संभवतः अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े होने की संभावना जताई गई है, जिस पर तत्काल उच्चस्तरीय जांच की आवश्यकता है। संगठन की प्रमुख मांगों में इन मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी से कराने की बात प्रमुखता से रखी गई। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि राज्य पुलिस कई मामलों में निष्क्रिय रही है, जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ा है। कई मामलों में पीड़ित परिवार सामाजिक भय या बदनामी के डर से सामने नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे में सरकार को स्वयं संज्ञान लेकर स्वतः एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। सकल हिंदू समाज ने यह भी मांग रखी कि वर्ष 2021 से लागू 'मध्यप्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम' को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि शैक्षणिक संस्थानों, प्रशिक्षण केंद्रों व निजी कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य किया जाए, ताकि अपराधी प्रवृत्ति के लोग पहचान में आ सकें।

ज्ञापन में इंदौर की टेलीपरफॉर्मेंस और भोपाल के प्रमुख संस्थान जैसे मामलों का हवाला देते हुए कहा गया कि इन घटनाओं में अक्सर नाबालिग, अनाथ या आर्थिक रूप से कमजोर लड़कियों को निशाना बनाया जाता है, जिससे समाज की संवेदनशीलता और शासन की जिम्मेदारी दोनों पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। अंत में संगठन ने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार के सुनियोजित अपराधों पर सरकार ने शीघ्र कठोर कार्यवाही नहीं की, तो प्रदेश की सामाजिक संरचना और कानून व्यवस्था पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से अपेक्षा जताई गई कि वे इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेकर त्वरित निर्णय लें।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर अन्नपूर्णा भोजनालय में हुई जागरूकता संगोष्ठी

विशेषज्ञों ने बताए बचाव के उपाय...

सत्ता सुधार ■ गुना

जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर अन्नपूर्णा भोजनालय में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य आमजन को डेंगू से संबंधित जानकारी देना और इससे बचाव के लिए जनजागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति और सेवा भारती के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. आर.आर. माथुर ने बताया कि डेंगू से बचाव ही इसका सबसे प्रभावी उपचार है। उन्होंने सलाह दी कि लोग पूरे कपड़े पहनें, घर की खिड़कियों को बंद रखें और घर के आसपास पानी जमा न होने दें क्योंकि डेंगू फैलाने वाला मच्छर दिन में ही काटता है।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सुदर्शन कुशवाह ने बताया कि डेंगू का कोई विशेष इलाज नहीं होता, इसका उपचार लक्षणों के आधार पर किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सात दिनों तक बुखार, सिर दर्द, आंखों के पीछे दर्द, हाथ-पैरों और जोड़ों में दर्द की शिकायत हो तो तुरंत नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र जाकर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। सेवा भारती जिलाध्यक्ष डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी ने जानकारी दी कि डेंगू पॉजिटिव आने पर घबराने की जरूरत नहीं होती। आमतौर पर पहले तीन से चार दिनों में प्लेटलेट्स गिरती हैं और फिर अगले तीन दिनों में सामान्य स्तर पर लौट आती हैं।

कार्यक्रम के अंत में सेवा भारती के सचिव अखिलेश विजयवर्गीय ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. अंकिता, नगर अध्यक्ष सुनील पांडेय, अन्नपूर्णा भोजनालय अध्यक्ष काशीराम उरैया, भंवरलाल पंत, भोजनालय प्रबंधक राजेश चौहान, संतोष गुप्ता, फणींद्र चक्रवर्ती, रामबाबू कश्यप, प्रफुल पंडित, अनिल बेलसरे सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं भोजनालय में भोजन करने आए हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने न केवल जागरूकता का संदेश दिया, बल्कि डेंगू से जुड़ी भ्रांतियों को भी दूर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कुश कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधियों ने बैठक की आयोजित

आरोन। आरोन ब्लॉक में कुश कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधियों ने एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में सदस्यों ने क्षेत्र की महिलाओं को स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ने के विभिन्न लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार महिलाओं को एकजुट होकर बचत करने, ऋण प्राप्त करने और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कुश कल्याण बोर्ड ने समाज को आर्थिक रूप से आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बोर्ड ने घोषणा की कि वह समाज के सदस्यों के लिए विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम और स्वरोजगार के अवसरों का आयोजन करेगा। इसका उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। बोर्ड के सदस्यों ने समुदाय के लोगों से इन पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कुशवाह महिला महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुश कल्याण बोर्ड की प्रदेश प्रतिनिधि राधा कुशवाह, के अलावा अनिल कुशवाह, गजराज सिंह कुशवाह, रामजी रामलाल कुशवाह, सुनील कुशवाह, राजीव कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत ने की 'जल गंगा संर्वधन' अभियान के कार्यों की समीक्षा, तीन को थमाए नोटिस

सत्ता सुधार ■ गुना

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गुना अभिषेक दुबे द्वारा आज जिला पंचायत सभाकक्ष में योजनाओं की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गुना द्वारा सर्व 'जल गंगा संर्वधन' अभियान की समीक्षा करते हुए अभियान अन्तर्गत आने वाले कम्पोनेंटों के सभी कार्यों को लक्ष्य के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने खेत तालाब के 2105 लक्ष्य के विरुद्ध कम प्रगति होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने डगवेल रिचार्ज, अमृत सरोवर को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार महिला मेट नियोजन के लक्ष्य 1527 एवं मनरेगा कंवर्जेंस आंगनबाड़ी के कार्यों के लक्ष्य 15 के विरुद्ध निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश भी दिये गये। सीईओ जिला पंचायत द्वारा 'जल गंगा संर्वधन' के कार्यों में रुचि न लेने एवं प्रगति संतोषजनक नहीं होने के कारण जनपद पंचायत राघौगढ़ के सहायक यंत्री श्री अफराज खान, उपयंत्री श्री प्रदीप लोधी एवं ओमप्रकाश धाकड़ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि यदि दिनांक 17 मई 2025 तक संबंधित ब्लॉक की अपेक्षित प्रगति नहीं आती है तो सभी संबंधितों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जावे।

बैठक में राजेश्वरी बघेल कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा गुना, संबंधित योजना प्रभारी जिला पंचायत गुना, गौरव यादव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आरोन, पुष्पेन्द्र व्यास मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बमोरी, गौरव खरे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गुना, सहायक यंत्री, उपयंत्री, एडीईओ, गुना राघौगढ़ सभाकक्ष में उपस्थित रहे।

जिले में मक्का की बुआई शुरू, खाद की मशक्कत में जुटे किसान

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में रबी सीजन के बाद अब खरीफ फसलों की तैयारी जोरों पर है। खासकर मक्का फसल की बुआई की शुरुआत के साथ ही किसानों की खाद की मांग में अचानक इजाफा देखा जा रहा है। जिले भर में किसान कृषि केंद्रों पर खाद लेने के लिए पहुंचने लगे हैं, जिससे कुछ केंद्रों पर लाइनें भी लग रही हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को समय रहते खाद खरीदने की सलाह दी है। विभाग का मानना है कि आने वाले दिनों में बुआई का कार्य और तेज होगा, जिससे खाद की मांग और अधिक बढ़ सकती है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिले के सभी डबल लॉक गोदामों और निजी विक्रेताओं के पास एनपीके, टीएसपी, एसएसपी और यूरिया जैसे प्रमुख उर्वरक उपलब्ध हैं।

कृषि विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी में किसानों से अपील की गई है कि वे डीएपी की कमी को देखते हुए विकल्प के रूप में एनपीके, एसएसपी और टीएसपी जैसे उर्वरकों का उपयोग करें। विभाग ने रासायनिक खादों के शासकीय दरें भी सार्वजनिक की हैं, ताकि कोई भी किसान अधिक राशि का भुगतान न करे। उदाहरण के तौर पर यूरिया 266.50, डीएपी 1350, एनपीके (12:32:16) 1720 और एसएसपी दानेदार 505 प्रति बोरी के हिसाब से निर्धारित की गई हैं। हालांकि किसानों की मानें तो उन्हें इस समय सबसे अधिक डीएपी खाद की जरूरत है, लेकिन जिले में इसकी उपलब्धता न के बराबर है। कई किसान डीएपी की तलाश में इधर-उधर भटकते नजर आ रहे हैं। ऐसे में विभाग द्वारा सुझाए गए विकल्पों को अपनाना फिलहाल उनकी एकमात्र राह है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि वे बुआई में देरी न करें और उपलब्ध खादों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, जिससे समय पर फसल की नींव मजबूत हो सके।

आरटीई के तहत आवेदक 21 मई तक

गुना। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सत्र 2025-26 के लिये गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय शालाओं में वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों का निःशुल्क प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन 21 मई 25 तक कर सकते है तथा 23 मई 25 तक त्रुटि सुधार कर आवेदन लॉक कर सकते है तथा 23 मई 25 तक जनशिक्षा केन्द्र पर आवेदन सत्यापित करा सकेंगे। 29 मई 25 को लॉटरी के माध्यम से शाला आवंटित होगी जिसकी सूचना पंजीकृत मॉबाईल पर राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा एसएमएस के माध्यम से प्रेषित की जायेगी। पालक आवंटित स्कूल का आवंटन पत्र पोर्टल से डाउनलोड कर आवंटित शाला में 2 जून 25 से 10 जून 25 तक प्रवेश हेतु उपस्थित हो सकेंगे तथा शाला द्वारा ऑनलाईन प्रवेश की रिर्पोटिंग की जायेगी। ऋषि कुमार शर्मा, जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि 358 अशासकीय शालाओं के लिये 1749 सीटे आरक्षित है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साडा कॉलोनी राघौगढ़ में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 25 लोगों ने किया रक्तदान

सत्ता सुधार ■ गुना

एसडीएम राघौगढ़ विकास कुमार आनंद के निर्देशन में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साडा कॉलोनी राघौगढ़ में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गुना डॉ. आरआर माथुर तथा मुख्यखंड चिकित्सा अधिकारी राघौगढ़ डॉ. धर्मेंद्र श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इस शिविर में ब्लड डोनेशन का कार्य करवाया गया। उक्त रक्तदान शिविर में आज कुल 25 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया। अंकित शर्मा द्वारा भी काफी सहभागिता की गई, लोगो को प्रेरित कर रक्त दान कराया। आज इस दौरान सर्वप्रथम तहसीलदार राघौगढ़ गजेंद्र लोधी एवं उनकी पत्नी द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान कर शिविर प्रारंभ किया गया। साथ ही अंकित शर्मा, पंकज साहू, विशाल पटवा के द्वारा भी विशेष सहयोग प्रदान कर रक्तदान करवाया गया। इस दौरान एक दिव्यांगजन द्वारा भी रक्तदान किया गया। इस रक्तदान शिविर में गणमान्य नागरिकों के अलावा स्वास्थ्य विभाग,बिजली विभाग से भी कर्मचारियों द्वारा रक्तदान किया गया।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यातायात ब्लॉक के कारण गाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/आंशिक ओरिजिनेशन एवं मार्ग परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है-

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

1. गाड़ी सं. 11841 खजुराहो-कुरुक्षेत्र प्रारंभिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 20.05.25 को पानीपत स्टेशन तक ही जाएगी।
2. गाड़ी सं. 11842 कुरुक्षेत्र-खजुराहो प्रारंभिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 21.05.25 को पानीपत स्टेशन से ही चलेगी।
3. गाड़ी सं. 11841/11842 पानीपत-कुरुक्षेत्र-पानीपत के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	परिवर्तित मार्ग	निम्न स्टेशनों पर ठहराव नहीं होगा	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12926	अमृतसर-बांद्रा ट.	कुरुक्षेत्र-नरवाना-जींद-पानीपत	करनाल	21.05.25
15708	अमृतसर-कटिहार	अम्बाला कैंट-सहारनपुर-मेरठ सिटी-खुर्जा	करनाल, पानीपत, सोनीपत, बादली, आदर्श नगर दिल्ली, सब्जी मंडी, दिल्ली	21.05.25
12925	मुंबई सेन्ट्रल-अमृतसर	पानीपत-जींद-नरवाना-कुरुक्षेत्र	करनाल	20.05.25
12715	हुजूर साहेब नांदेड़-अमृतसर	हजरत निजामुद्दीन-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद-गाजियाबाद-मेरठ सिटी-सहारनपुर-अम्बाला कैंट	नई दिल्ली, पानीपत ,करनाल, कुरुक्षेत्र	20.05.25
03309	धनबाद-जम्मू तवी	पानीपत-जींद-नरवाना-कुरुक्षेत्र	- -	20.05.25
22709	बांद्रा ट.-चंडीगढ़	पानीपत-जींद-नरवाना-कुरुक्षेत्र	- -	20.05.25

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 847/25(D)

नपाध्यक्ष सविता गुप्ता ने पूछा क्यों हो रही है पेट में मरोड़?

भ्रष्टाचार पर सर्जिकल स्ट्राइक से तिलमिलाए विपक्षी नेता

सत्ता सुधार ■ गुना

नगर पालिका परिषद गुना की अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने नामांतरण और प्रधानमंत्री आवास योजना में पारदर्शिता को लेकर बड़ी कार्यवाही करते हुए स्पष्ट किया है कि वर्तमान में उनके स्तर पर किसी भी नामांतरण प्रकरण में कोई पेंडेंसी नहीं है। उन्होंने बताया कि 24 मार्च से 22 अप्रैल 2025 के मध्य 1578 नामांतरण प्रकरणों को स्वीकृति दी जा चुकी है, जिनमें कोई कमी नहीं पाई गई थी। ऐसे हितग्राही अब नगर पालिका की राजस्व शाखा से अपने प्रकरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अध्यक्ष सविता गुप्ता ने बताया कि बीते दिसंबर 2024 में तत्कालीन कलेक्टर द्वारा नामांतरण पर रोक लगाए जाने के बाद मार्च 2025 में आयोजित एक बैठक में उन्हें अधिकार प्रदान किए गए थे। उस समय नगर पालिका में लगभग 1200 नामांतरण प्रकरण लंबित थे, जिन्हें तत्परता से निपटाया गया। उन्होंने कहा कि अब जो भी नए प्रकरण आ रहे हैं, उनका निरीक्षण कर तत्काल स्वीकृति की जा रही है।

उन्होंने नामांतरण प्रक्रिया में दलालों और बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि कोई भी हितग्राही किसी दलाल के माध्यम से कार्य न करवाएं। यदि कोई व्यक्ति पैसों की मांग करता है, तो नगरवासी सीधे मुझे मेरे मोबाइल नंबर 9407227995 पर सूचित करें। उनके विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अध्यक्ष गुप्ता ने तल्ख लहजे में कहा, मैंने जैसे ही यह नंबर सार्वजनिक कर भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई का ऐलान किया, कुछ लोगों के पेट में मरोड़ शुरू हो गई है। उन्होंने इशारों-इशारों में नेता प्रतिपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जिन लोगों की राजनीति भ्रष्टाचार पर टिकी थी, उन्हें अब परेशानी हो रही है, क्योंकि अब हर काम पारदर्शी और नियम अनुसार हो रहा है। नपाध्यक्ष द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ पूर्व में भी कई बार मोबाइल नंबर जारी किया। कोई भी अधिकारी परेशान करें तो तत्काल नगर पालिका अध्यक्ष को सूचना दें। उल्लेखनीय है कि 2016-17 के बाद 2024 में नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद सुविधा गुप्ता के कार्यकाल में पीएम आवास योजना आई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (बीएलसी कुटी) को लेकर भी नगर पालिका द्वारा जांच की जा रही है। गुप्ता ने बताया कि इस योजना के तहत नगर के गरीबों को मिलने वाली सहायता राशि पूरी तरह हितग्राहियों के मकान निर्माण में ही उपयोग होनी चाहिए, न कि किसी दलाल या कर्मचारी की जेब में जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री द्वारा गरीबों के लिए दिया गया तोहफा है, जिसे भ्रष्टाचार की भेंट नहीं चढ़ने दिया जाएगा। सविता गुप्ता ने श्रम पंजीयन, संबल योजना, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी योजनाओं को लेकर भी लोगों से अपील की कि वे कोई अतिरिक्त पैसा न दें, ये सभी सेवाएं शासन द्वारा निर्धारित शुल्क पर अथवा निःशुल्क उपलब्ध हैं। यदि कोई व्यक्ति अवैध वसूली करता है, तो उसकी रिकॉर्डिंग सहित शिकायत दर्ज करें, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके। नगर पालिका अध्यक्ष ने अंत में कहा कि जो लोग मेरी सक्रियता से असहज हो रहे हैं, वे चाहे जितनी साजिश रच लें, जनता के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। नगरवासियों को स्वच्छ, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन देना मेरी प्राथमिकता है।

काम करते वक्त होती है आंखों में थकान, तो इस योग को करने से मिलेगा आराम

अगर काम के कारण आपकी आंखों में दर्द और थकान रहती है, तो फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। इस योग क्रिया को करने से मात्र 10 मिनट में आग और दिमाग रिलेक्स हो जाएंगे। क्या आप कंप्यूटर के सामने बैठते वक्त अपनी आंखों को रगड़ते हैं। अगर ऐसा है, तो आप अेकेले नहीं हैं। आजकल औसत वयस्क अब दिन में आठ घंटे से ज्यादा समय किसी न किसी प्रकार की स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम ने आंखों में धुंधलापन, खुजली, सिरदर्द, थकान और आंखों में दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि की है।

दरअसल, स्क्रीन पर ज्यादातर समय बिताने की प्रक्रिया में लोग अपने शरीर के सबसे जरूरी अंग आंखों को भूल जाते हैं। कंप्यूटर और लैपटाप पर काम करते-करते आंखों में दर्द , जलन या थकान महसूस करने लगते हैं। खासतौर से वर्कफ्रॉम होम के चलते लोगों को इस सामस्या का सामना ज्यादा करना पड़ रहा है। वैसे कमजोर या थकी हुई आंखों के कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन अगर आप भविष्य में आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आंखों के लिए योगा की कुछ क्रियाएं आपकी मदद कर सकती हैं। इन्हें करने से मात्र 10 मिनट में न केवल आंखों को बल्कि दिमाग को भी आराम मिल जाएगा। आंखों को आराम देने वाली 3 योग क्रियाएं –

स्टेप-1

- फेशियल योग करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसे पोंछकर चेहरे पर कोई सिरम या फेस ऑयल लगा लें।
- अब कुछ सैकंड्स इससे मसाज करें। आपका फेस योगा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।
- सबसे पहले स्टेप में उंगली से अंदर आंखों पर अंदर से बाहर की तरफ मसाज करें।
- हल्के प्रेशर के साथ उंगली को घुमाएं। वैसे आप चाहें, तो इस दौरान आंखें खुली रख सकते हैं , लेकिन बंद रखेंगे तो आंखों को ज्यादा आराम मिलेगा।
- इस स्टेप को आप दो से तीन मिनट तक दोहराएं।
- इसके बाद बाहर से अंदर की ओर सर्कल बनाते हुए मसाज करें।
- कुछ देर मसाज करने के बाद रिलेक्स करें।

स्टेप-2

- इस स्टेप में इंडेक्स और मिडिल फिंगर से वी शेप बनाएं।
- इसे अपनी आंखों के दोनों कोनों पर रखें।
- अब कुछ देर बिना रूके पलकों को झपकाते रहें। रिलेक्स करें और फिर दोहराएं। यहां आंखों पर रखी उंगलियों मसल्स को सपोर्ट करेंगी, जिससे आंखों पर बहुत ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा।
- इस स्टेप को एक बार में एक मिनट तक करें, रिलेक्स हो जाएं और फिर शुरू करें।

स्टेप-3

- अपनी आंखों को बंद कर लें ।
- अब आईबॉल पर उंगली से हल्का प्रेशर करते हुए अंदर से बाहर की ओर घुमाएं। इसके बाद बाहर से अंदर की ओर घुमाएं।
- अब अपने हाथों की सभी उंगलियों को एकसाथ मिला लें और एक-एक हाथ कारके आंखों पर एक-एक कर रखें।
- फिर दोनों हाथों की उंगलियों को आंखों पर रखकर रिलेक्स करें।
- इस स्टेप को आप एक बार में दो से तीन मिनट तक रिपीट कर सकते हैं। चूंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसे करते समय ध्यान रखें कि आंखों पर ज्यादा दबाव न पड़े।

इन फेशियल एक्सरसाइज को दिन के किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि योग करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें। त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर लगा लें। ऐसा करने से स्टेप करना आसान हो जाएगा और स्किन भी डैमेज नहीं होगी।

डायबिटीज की बीमारी मुंह को कर सकती है खराब इग्नोर न करें ये संकेत

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज एक क्रॉनिक डिसीज है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को तेजी से प्रभावित कर रही है। ब्लडस्ट्रीम में ग्लूकोज के निर्माण के कारण ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि के कई लक्षण हो सकते हैं। वैसे तो डायबिटीज के कुछ लक्षण साफ नजर आते हैं और अधिकतर लोग इनके बारे में जानते भी हैं। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज की शुरूआत ज्यादा भूख लगने, बार-बार पेशाब आने, थकान और चिडचिड़ेपन से होती है। इन मुख्य संकेतों के अलावा हमारा मुंह भी 3 वार्निंग साइन देता है। एक व्यक्ति की ओरल हेल्थ से उनके ब्लड शुगर लेवल सहित स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। आपकी मदद के लिए हम यहां आपको ऐसे ही 3 प्रमुख लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

सूखा हुआ गला

सूखा हुआ मुंह टाइप-1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों के सामान्य और शुरूआती लक्षणों में से एक है। इसमें व्यक्ति का मुंह जरूरत से ज्यादा सूखने लगता है और उसकी प्यास भी बढ़ जाती है। हालात ऐसे बन जाते हैं कि वह एक बार में गैलेन पानी तक पी लेता है। हालांकि, ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि व्यक्ति को क्यों प्यासा महसूस कराती है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कई सिद्धांतों के अनुसार, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए ली जाने वाली कुछ दवाओं के कारण ऐसा हो सकता है। सूखे हुए मुंह के लक्षणों में जीभ में सूखापन, मुंह में नमी की कमी, फटे होंठ, मुंह में छाले और चबाने में कठिनाई जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

दांतों का खराब होना

डायबिटीज के रोगी में मसूड़ों की बीमारी के चलते दांत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़ों के चारों तरफ प्लाक बनने से दांतों के बीच गैप आ जाता है, जिससे आसपास की पकड़ ढीली होने लगती है और दांत खराब हो जाते हैं। कई शोधों से पता चलता है कि अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुलना में डायबिटीज रोगियों के दांत दोगुना टूटते हैं। वद्घावस्था और उन लोगों में जोखिम ज्यादा खतरनाक है, जो ओरल हेल्थ की देखभाल नहीं करते। सूजे हुए मसूड़े या दांत में दर्द हो , तो यह आपके दांतों के खराब होने का लक्षण है। ओरल हेल्थ से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए डायबिटीज रोगी को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए। मधुमेह के ज्यादातर मामलों में लोग केवल पैर और आंखों की देखभाल पर ध्यान देते हैं। ऐसे में डेंटल केयर को कई बार दरकिनार कर दिया जाता है, जो मौखिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मसूड़े का रोग

मुंह के सूखने पर दांतों के आसपास और मसूड़ों के नीचे लार का उत्पादन प्रभावित होता है। नतीजा, शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे कीटाणु और प्लैग का निर्माण होता है। यह आपके मसूड़ों को परेशान करने के साथ मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांतों के झड़ने का कारण बनता है। अनियंत्रित मधुमेह के मामलों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा आम है। यह बीमारी इस बात का संकेत है कि आपका ब्लड शुगर लेवल खराब है और आपको इस पर ध्यान देना चाहिए।

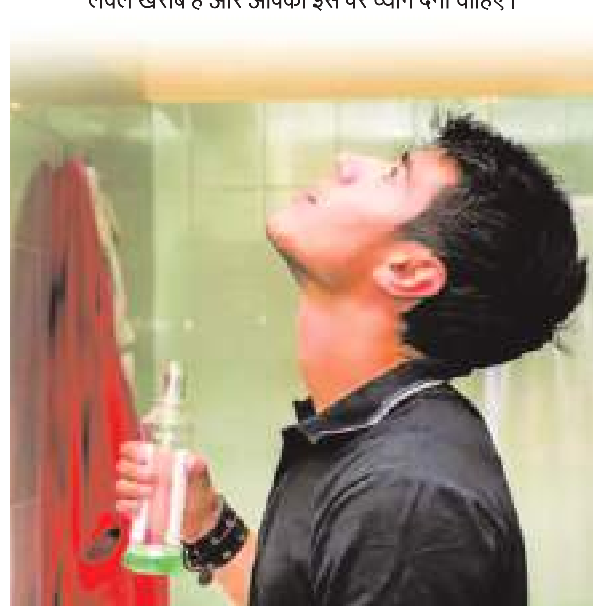

जानलेवा बीमारियों की दवाओं में होता है बरगद के फल का प्रयोग

आयुर्वेद में बताए हैं ये फायदे

हमारे देश में ऐसा शायद ही कोई शख्स होगा जिसे बनयान ट्री यानी बरगद के पेड़ के बारे में पता न हो। आपने अपने घरों के आसपास इस विशालकाय पेड़ को देखा होगा। इस पेड़ की पूजा उत्तर भारत के कई राज्यों में की जाती है। आमतौर पर हमने देखा है कि इस पेड़ के नीचे सैकड़ों बरगद के फल गिरते हैं और लेटने पर सड़ जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह फल हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है? बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

कोरोना काल में हर कोई अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए नए-नए तरीके आजमा रहा है, उनमें से एक बरगद का फल भी है। ये फल भी एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है।

आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ.शरद कुलकर्णी ख्रट्ट(इभफ),(घ्ढ्डक़) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधि के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके टलते शरीर की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को श्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटैशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

मधुमेह में लाभदायक

डॉ.ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेचिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेचिश के इलाज के लिए किया जाता है।

इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

आयुर्वेद में स्किन डिसीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।

बार-बार पेशाब आने का इलाज

बरगद के फलों के बीजों को बारीक पीसकर पेस्ट बना लें। इसे 1 या 2 ग्राम की मात्रा में सुबह गाय के दूध के साथ सेवन करें। इससे बार-बार पेशाब आने की समस्या दूर हो जाती है।

क्या होता है बाथ साल्ट और क्या हैं इसके फायदे

बाथ साल्ट से स्नान करना हमारे लिए बेहद फायदेमंद होता है। जैसे तनाव मुक्त महसूस करना, खून का संचार अच्छा होता है, नींद अच्छी आती है, साथ ही थकान भी मिट जाती है। नमक में प्रचुर मात्रा में मैग्नीशियम, सल्फर, कैल्शियम, सोडियम, सिलिकॉन, ब्रोमाइन और स्ट्रोन्शियम मौजूद होता है जो बॉडी को रिलैक्स करने में मदद करता है। तो कई बार अधिक थकावट होने पर या नींद अच्छी नहीं आने पर आप बाथ साल्ट से स्नान कर सकते हैं। जानते हैं बाथ साल्ट से होने वाले कुछ खास फायदों के बारे में

स्क्रब

नमक का पानी स्क्रब का काम करता है। शरीर में मौजूद डेड स्किन को निकालने में यह काफी मददगार है। कई बार मल जमा होने से खुजली भी होती है तो इससे राहत मिल जाएगी। अतिरिक्त पसीने की बदबू से भी छुटकारा मिलता है।

बॉडी को करें डिटॉक्स

जी हां, पानी में एपसॉम नमक का इस्तेमाल कर बॉडी को डिटॉक्स किया जा सकता है। यह नमक बॉडी से टॉक्सिन को निकालने में मदद करते हैं। नमक के साथ आप कुछ बूंदे सुगंधित तेल की भी मिला सकते हैं।

बॉडी को करें रिलेक्स

नमक में मैग्नीशियम होने से बॉडी को रिलैक्स करता है। इससे बॉडी में खून का संचार तेजी से होता है। यह ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित करने में मददगार होता है। वर्कआउट करने के बाद बाथ साल्ट लिया जाता है।

दिमाग को करें शांत- बाथ साल्ट

लेने से ब्रेन फंक्शन बेहतर करने लगता है। दिमाग को शांत करता है मन को स्थिर करने में मदद मिलती है।

फंगल इंफेक्शन से बचाएं

अक्सर बारिश के मौसम में खराब पानी की वजह से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सप्ताह में एक बार नमक के पानी से जरूर नहाएं। ताकि फंगल या अन्य इंफेक्शन के खतरे से बचा जा सकें। 6ऑयल को करें कंट्रोल- अगर आपकी बॉडी और चेहरे पर बहुत अधिक मात्रा में ऑयल आता है तो आपको राहत मिलेगी। साथ ही चिपचिपाहट भी कम लगेगी।

दर्द में राहत

एक उम्र के बाद बॉडी में दर्द होने लगता है। खासकर ज्वाइंट और हड्डियों में। दर्द अधिक होने पर गुनगुने पानी में नमक डालकर नहाने से पूरी बॉडी में राहत मिलेगी।

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।

वजन घटाने में कैसे मदद करता है दूध

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलनि के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी – 1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे –

वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

अनिंद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

दिव्या भारतीय निडर और जिंदगी से भरी हुई थीः सुनील शेट्टी

बालीवुड की सुपरहिट फिल्म मोहरा आज भी बॉलीवुड की सबसे यादगार एक्शन-थ्रिलर फिल्मों में गिनी जाती है। 1994 में रिलीज़ हुई अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और रवीना टंडन स्टारर इस फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया, बल्कि इसके प्रमुख कलाकारों के करियर को भी नई दिशा दी।

राजीव राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन, थ्रिल और रोमांस का संगम था, लेकिन कम ही लोगों को पता है कि इस फिल्म की शुरुआत एक और अदाकारा के साथ हुई थी दिव्या भारती। दरअसल, मोहरा में रवीना टंडन का जो किरदार दर्शकों को बेहद पसंद आया, वह शुरुआत में दिव्या भारती के लिए तय किया गया था। दिव्या ने फिल्म के कुछ सीन शूट भी कर लिए थे, लेकिन उनकी अचानक हुई दुखद मृत्यु के कारण मेकर्स को फिल्म की स्क्रिप्ट और कास्टिंग में बदलाव करने पड़े। हाल ही में अभिनेता सुनील शेट्टी ने एक इंटरव्यू में दिव्या के साथ बिताए पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने दिव्या के साथ बेलगाम जेल में कुछ सीन्स शूट किए थे और वह बहुत ही ज़िंदादिल और मस्तीखोर लड़की थीं।

सुनील के अनुसार, दिव्या सेट पर हमेशा लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करती थीं और हर दिन को पूरी शिद्दत से जीती थीं। मोहरा में दिव्या की जगह रवीना टंडन को लेना मेकर्स के लिए एक भावनात्मक निर्णय था, लेकिन रवीना ने इस भूमिका के साथ पूरा न्याय किया। फिल्म ने जबरदस्त हिट गाने भी दिए, जिनमें टिप टिप बरसा पानी आज भी क्लासिक माना जाता है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, परेश रावल, गुलशन ग्रोवर, सदाशिव अमरापुरकर जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी यादगार भूमिकाएं निभाईं।

मैं अभी शुरुआती दौर में हूंः पलक तिवारी

हाल ही में अभिनेत्री पलक तिवारी ने अपनी मां और टीवी की जानी-मानी अदाकारा श्वेता तिवारी से बार-बार की जाने वाली तुलना पर खुलकर बात की। 'किसी का भाई किसी की जान' और 'द भूतनी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं पलक का मानना है कि वह अभी करियर की शुरुआत में हैं, ऐसे में उनकी तुलना अपनी मां जैसी अनुभवी और सफल अभिनेत्री से करना सही नहीं है।

पलक ने कहा कि वह अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं और चाहती हैं कि उनके जैसी ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ खुद को दर्शकों के सामने पेश करें। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूं और मां पर ही छोड़ देती हूं। उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से करना सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूं, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूं। 'बिजली-बिजली गर्ल' के नाम से मशहूर पलक ने यह भी बताया कि यदि वह दर्शकों से अपनी मां जितना जुड़ाव बना सकीं, तो वह खुद को सफल मानेंगी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी मां का टीवी इंडस्ट्री में बहुत लंबा और शानदार करियर रहा है, जबकि उनका सफर अभी शुरू ही हुआ है।

पलक जल्द ही एक्शन-ड्रामा फिल्म 'रोमियो एस 3' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन गुड्डू धनोआ ने किया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने लगातार खुद को बेहतर साबित करने की कोशिश की और गुड्डू धनोआ जैसे अनुभवी निर्देशक के साथ काम करना उनके लिए सम्मान की बात रही। 'रोमियो एस 3' 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें पलक एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा अवसर है।

एकता कपूर के वीडियो ने फैंस में मचाई हलचल

हाल ही में टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अलग-अलग मूड्स में नजर आ रही हैं। इस वीडियो के बैकग्राउंड में क्यूंकि सास भी कभी बहू थी का आइकॉनिक ट्यून सुनाई दे रहा था, जिससे एकता ने शो से जुड़ी कुछ नई बातें शेयर करने का हिंट दिया।

उनके इस वीडियो ने फैंस में भारी एक्साइटमेंट पैदा कर दिया है, और लोग इस बात का अनुमान लगा रहे हैं कि शायद एकता कपूर इस शो को फिर से लेकर कुछ नया करने वाली हैं। इसके अलावा, एकता कपूर को हाल ही में 51वें इंटरनेशनल एम्मी अवार्ड्स में इंटरनेशनल एम्मी डायरेक्टरेट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, उन्हें भारत सरकार द्वारा कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान, पद्म श्री से भी नवाजा गया है। एकता कपूर की यह सफलता साबित करती है कि उनका प्रभाव हर प्लेटफॉर्म पर बना हुआ है। हाल ही में एकता ने मुंबई में वेव्स समिट 2025 में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां उन्होंने मध्य प्रदेश की फिल्म टूरिज़्म पॉलिसी 2025 लॉन्च की। इस समिट में उन्होंने मध्य प्रदेश की फिल्म इंडस्ट्री की संभावनाओं और वहां की खूबसूरत लोकेशंस को बढ़ावा देने की बात की। साथ ही, उन्होंने इस पहल के लिए वित्तीय मदद की जरूरत का भी जिक्र किया। एकता कपूर ने इस पहल के जरिए अपनी क्रिएटिविटी और दूरदृष्टि का एक और बेहतरीन उदाहरण पेश किया है।

बता दें कि एकता कपूर हमेशा अपनी नई और क्रिएटिव अप्रोच से चर्चा में रहती हैं। उन्होंने न सिर्फ टीवी शोज में बदलाव किए हैं, बल्कि ओटीटी और फिल्म्स में भी अपनी पकड़ मजबूत बनाई है। उनका सबसे प्रसिद्ध और यादगार शो क्यूंकि सास भी कभी बहू थी आज भी भारतीय टेलीविजन का लीजेंडरी शो माना जाता है। इस शो के जरिए एकता कपूर ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी, और दशकों बाद भी यह शो भारतीय टेलीविजन की यादों में बसा हुआ है।

मुंबई छोड़कर बीकानेर में शिफ्ट हुई चारू असोपा

हाल ही में एक्ट्रेस चारू असोपा ने अपनी नाखुश शादी को खत्म कर, सिंगल मदर के तौर पर अपनी बेटी जियाना के साथ नई जिंदगी की शुरुआत की। वह मुंबई छोड़कर राजस्थान के बीकानेर में शिफ्ट हो गईं, जिससे सभी हैरान रह गए। वहीं, राजीव सेन ने अपनी नई तस्वीरों से इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। राजीव की तस्वीरों में वह एक खूबसूरत हसीना के साथ नजर आ रहे हैं, और उनकी कैमिस्ट्री को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं हैं। इन तस्वीरों और वीडियो के वायरल होते ही अफवाहें फैलने लगीं कि राजीव का नई लड़की के साथ अफेयर चल रहा है।

हालांकि, इन तस्वीरों का राजीव की पर्सनल लाइफ से कोई संबंध नहीं है। दरअसल, ये तस्वीरें उनके किसी प्रोफेशनल प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं, जिसमें उन्होंने प्रोजेक्ट से संबंधित लोगों को टैग किया है। बीते दिनों राजीव ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्होंने अपनी एक्स-वाइफ चारू असोपा को अपने सबसे अच्छे दोस्त से बात करते हुए पकड़ा था। राजीव ने बताया कि वे दुबई में छुट्टियां मना रहे थे, जब उन्होंने चारू को अपने दोस्त से बात करते हुए देखा। इसके बाद चारू ने राजीव को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू कर दिया, और जब राजीव ने इस बारे में पूछा, तो चारू चुप हो गईं। इस पर चारू ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर राजीव ने उन्हें अपने दोस्त से बात करते हुए देखा होता, तो वह जान पाते कि वे किस बारे में बात कर रहे थे।

चारू ने यह भी कहा कि राजीव को अपने दोस्त का नाम बताना चाहिए, और सिर्फ झूठे आरोप नहीं लगाने चाहिए। बता दें कि सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन और एक्ट्रेस चारू असोपा की निजी जिंदगी में हमेशा कुछ न कुछ हंगामा बना रहता है। राजीव और चारू का रिश्ता हमेशा उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। तलाक के बाद, दोनों अपनी बेटी जियाना के लिए फिर से साथ आए थे, और लोग यह सोचने लगे थे कि शायद वे फिर से एक साथ हो जाएंगे।

जिम में स्ट्रेचिंग करते हुए शेयर किया शमिता शेट्टी ने वीडियो

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री शमिता शेट्टी एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है, जिसमें वह जिम में स्ट्रेचिंग करते हुए नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने पर्पल जिम वियर पहन रखा है और बाल खुले छोड़े हैं। वीडियो के साथ शमिता ने कैप्शन में लिखा है, स्ट्रेचिंग से रीढ़ की हड्डी में आराम, वाह !... यह खिंचाव कितना अच्छा लग रहा है ! उनका यह वीडियो न केवल फिटनेस के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है, बल्कि दूसरों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का काम करता है। स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज को शरीर के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इससे मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जो शरीर को अधिक लचीला बनाता है। यह कमर दर्द जैसी समस्याओं में राहत देता है और ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाता है। नियमित स्ट्रेचिंग से मसल्स की रिकवरी तेज होती है और सूजन या दर्द की संभावना भी घटती है। शमिता की फिटनेस को लेकर गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद जिम जाने का समय निकालती हैं। वह हेल्दी डाइट को प्राथमिकता देती हैं और जंक फूड से परहेज करती हैं। हाल ही में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण फिटनेस चैलेंज को भी पूरा किया, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, मैंने कर दिखाया ! चैलेंज एक्सेप्टेड। उनकी यह फिटनेस यात्रा प्रेरणादायक है और यह संदेश देती है कि नियमित व्यायाम और अनुशासित जीवनशैली से न केवल शरीर बल्कि मन भी स्वस्थ रहता है। बता दें कि अभिनेत्री शमिता शेट्टी भी अपनी बड़ी बहन शिल्पा शेट्टी की तरह फिटनेस को लेकर बेहद सजग रहती हैं। वह अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। शमिता का मानना है कि फिट रहना सिर्फ दिखने के लिए नहीं, बल्कि खुद को अच्छा महसूस कराने के लिए भी जरूरी है। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और अकसर अपने वर्कआउट वीडियो साझा करती रहती हैं।

बॉलीवुड सितारों ने किया सेना के शौर्य को सलाम

बॉलीवुड सितारों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा दिखाए गए शौर्य को सलाम किया है। अभिनेत्री बिपाशा बसु, सोनाली बेंद्रे सहित अन्य सितारों ने भारतीय सेना को धन्यवाद दिया है। बिपाशा बसु ने सोशल मीडिया पर भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया।

बिपाशा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, धन्यवाद भारतीय सेना, भारत माता की जय, जय हिंद। उनके इस आभारपूर्ण संदेश ने सेना के प्रति उनके सम्मान को व्यक्त किया। इससे पहले, अभिनेता राघव जुयाल ने भी सोफिया और व्योमिका की तस्वीरें शेयर की थीं और इसे भारत के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया था। जुयाल ने अपने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित एक प्रेस ब्रीफिंग की क्लिप साझा की, जिसमें कर्नल सोफिया कुरैशी प्रेस ब्रीफिंग करती नजर आ रही थीं। इस वीडियो को शेयर करते हुए राघव ने लिखा, जय हिंद ! ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग दो अलग-अलग धर्मों की महिला अधिकारियों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने की। इन दोनों ने देश का गौरव बढ़ाया है।बिपाशा से पहले, फिल्म इंडस्ट्री के अन्य सितारों ने भी भारतीय सेना की सराहना की और इसे गर्व से भर देने वाला क्षण बताया। अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने भी सेना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, हमारे सशस्त्र बलों की गरिमा को कभी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे देशवासियों के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं और ऐसा केवल अपने कर्तव्य और धरती के प्रति प्रेम के कारण होता है।

सोनाली ने आगे कहा, हम उनके साहस और हमें सुरक्षित रखने के लिए सदैव आभारी हैं। वे हैं तो हम कल की चिंता किए बिना शांति से सो सकते हैं। उनका साहस हमें बहुत कुछ सिखाता है। उनका बलिदान हमें एकजुट करता है। हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। इससे पहले अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने भी इन दोनों महिला अधिकारियों का वीडियो साझा किया था। सोनाक्षी ने लिखा था, यह एक मजबूत और प्रभावशाली संदेश है कि एक राष्ट्र के रूप में हम कौन हैं।

द रॉयल्स में निभाए किरदार को लेकर नोरा फतेही की हो रही तारीफ

बालीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही द्वारा ओटीटी सीरीज़ द रॉयल्स में निभाए गए किरदार को लेकर उनकी तारीफ हो रही है। ओटीटी सीरीज में नोरा ने आयशा ढोंडी का किरदार निभाया है, अपने प्रदर्शन के लिए मिल रही तारीफों का भरपूर आनंद ले रही हैं।

इस सराहना के बीच, नोरा ने अपने प्रशंसकों के साथ एक खास पर्दे के पीछे की झलक साझा की। इन बीटीएस तस्वीरों में नोरा गुलाबी रंग की भव्य साड़ी में नजर आ रही हैं, जो शाही गरिमा और शांत शक्ति का प्रतीक बनती हैं। उनके सॉफ्ट-ग्लैम मेकअप और बारीकी से चुनी गई ज्वेलरी ने फैशन प्रेमियों और प्रशंसकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इन तस्वीरों के साथ नोरा ने दर्शकों को उनके अभिनय और किरदार को इतना अपनापन देने के लिए धन्यवाद कहा। नोरा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, द बैडी, प्रिंसेस आयेशाज आइकॉनिक और खतरनाक इस मौके पर मैं उन सभी को दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं, जिन्होंने द रॉयल्स में आयशा के रूप में मेरे प्रदर्शन को इतना प्यार और सराहना दीज यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। हालांकि नोरा की स्टाइलिंग लाजवाब थी, असली ध्यान उनके ऑन-स्क्रीन अभिनय पर था। आयशा ढोंडी के रूप में नोरा ने बेहद नियंत्रित और प्रभावशाली भावनाओं के साथ अभिनय किया। उनके हाव-भाव, बॉडी लैंग्वेज और स्क्रीन प्रेज़ेंस ने उन्हें सीरीज़ की सबसे दमदार झलकियों में से एक बना दिया।

फैन-फेवरिट म्यूज़िकल सीक्वेंस अदाएं तेरी को महज 45 मिनट में शूट किया गया, जिसमें नोरा और ईशान खट्टर के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री को बखूबी दर्शाया गया, जिसे दर्शक प्योर स्क्रीन मैजिक मान रहे हैं। नोरा इस समय एक बड़ी ग्लोबल स्टार पावर के रूप में धूम मचा रही हैं। उनका हिट सिंगल स्नेक, जो जेसन डेरुलो के साथ है, 130 मिलियन व्यूज पार कर चुका है। अभिनय के मोर्चे पर, नोरा ने हाल ही में बी हैप्पी में अपनी भूमिका के लिए प्रशंसा प्राप्त की और अब वह कंचना 4 में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही हैं।

ब्रीफ न्यूज

आज खेला जाएगा प्रतियोगिता का फाइनल

सीहोर। शहर के बीएसआई मैदान पर पीपीसीए के तत्वाधान में इंटर हाउस लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शनिवार की सुबह टीम यामनी और टीम काव्या के मध्य फाइनल मैच खेला जाएगा। इस मौके पर खिलाडियों को पुरस्कार वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति में सीनियर खिलाड़ी आदर्श राय और विकास सास्ता सहित अन्य के सहयोग से किया जा रहा है। डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि प्रतियोगिता का फाइनल मैच टीम यामनी और काव्या के मध्य खेला जाएगा। प्रतियोगिता में चार टीम शामिल थी। इसमें प्रियांशी तीसरे नंबर और चौथे नंबर पर टीम अंजली रही। प्रतियोगिता में सबसे अधिक छह मैच में आदर्श राय ने करीब 490 रन से अधिक और दूसरे नंबर विकास सास्ता ने करीब 321 रन से अधिक जड़े है। इसके अलावा सक्षम ने 15 विकेट हासिल किए है।

जिंदगी के सफर का सबसे खूबसूरत हमसफर है हमारा परिवार: बीके शैलजा

छतरपुर। हमारा लक्ष्य है घर बनें मंदिर। हमें घर-घर को मंदिर बनाना है, हमें कलयुग को सतयुग बनाना है। इस नरक को स्वर्ग बनाना है तो यह संसार स्वर्ग कब बनेगा जब घर-घर स्वर्गिक वातावरण होगा, घर-घर मंदिर जैसा वातावरण होगा तो यह सारा संसार मंदिर बन जाएगा, स्वर्ग बन जाएगा। तो इसीलिए हम परिवार को न केवल जोड़ना सिखाते हैं लेकिन हर परिस्थिति में परिवार को साथ लेकर चलने की बात हैं। कहते हैं कि जिंदगी अगर एक सफर है तो इसका सबसे खूबसूरत हमसफर है हमारा परिवार। परिवार के बिना तो जिंदगी का सफर ना तो शुरू किया जा सकता है और न ही उसका आनंद लिया जा सकता है और न ही जीवन के सफर को पूरा करके लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। हमारा परिवार हमारा सबसे प्यारा और सबसे मजबूत सपोर्ट सिस्टम होता है, हमारा सहयोगी होता है। इसलिए परिवार के महत्व को समझकर परिवार को साथ लेकर चलना ही हमारी समझदारी है। उक्त उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय किशोर सागर में अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के उपलक्ष्य में घर बनें मंदिर विषय पर आयोजित कार्यक्रम में छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा बहन जी ने व्यक्त किये।

सभी पात्र हितग्राहियों को दिलाएं योजनाओं का लाभ: कलेक्टर बालागुरू के.

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. ने बैठक आयोजित महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को विभाग की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए, कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने पीएम मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, पोषण योजना, पीएम केयर फार चिल्ड्रन योजना, बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाला आर्शीवाद योजना, स्पॉनसरशिप एवं फास्टर केयर, मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवधज़्न कार्यक्रम सहित सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने भी संबंधित अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी में दर्ज गर्भवती धात्री महिलाओं को टीएचआर देने में तीन से छ्ऱ्वर्ष के बच्चों को शत प्रतिशत गर्म पका हुआ भोजन प्रदाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी

टीएचआर हितग्राहियों की ईकेवाईसी कराने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए संचालित होने मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना, मुख्यमंत्री कोविड-19 योजना, पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के हितग्राही बच्चों का निरंतर फॉलोअप किया जाए। इसके साथ ही मिशन वात्सल्य के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण एवं कल्याण समिति के माध्यम से योजना की निरंतर निगरानी एवं मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित अन्य योजनाओं का बेहतर संचालन करने के निर्देश दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश कुमार खरे ने जिले में चल रही महिला एवं बाल विकास विभाग की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।

आज शहरवासी तिरंगा यात्रा निकाल सेना के प्रति जताएंगे कृतज्ञता

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शनिवार को शहर के टाउन हाल में समस्त क्षेत्रवासियों आपरेशन सिंदूर की सफलता पर विशाल तिरंगा यात्रा शाम चार बजे निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा शहर के बस स्टैंड के पास टाउन हाल से अटल चौक तक जाएगी। शुक्रवार को यात्रा की तैयारियों को लेकर पंडित पृथ्वी बल्लभ दुबे, उद्धवदास महाराज, मोहित राम पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर के अलावा शहर के सभी समाज के अध्यक्ष एवं अन्य संगठन ने पूरी एकजुटता के साथ भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल होने का निर्णय लिया। देश के वीर सपूत हमारे सम्मानित

सैनिकों के सम्मान में आयोजित होने वाली विशाल तिरंगा यात्रा को लेकर सर्व समाज के नागरिकजनों के साथ परिसर हाल में बैठक कर चर्चाएं की। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने कहाकि यह तिरंगा यात्रा आम जनमानस द्वारा शहर में निकाली जा रही है मेरा आप सभी शहरवासियो से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर तिरंगा यात्रा को सफल बनाएं। उक्त तिरंगा यात्रा सभी शहरवासियों के द्वारा सेना के सम्मान में और आपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर निकाली जा रही है।

कलेक्टर ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईसागढ़ का किया निरीक्षण

अस्पताल हेतु सामग्री की उपलब्धता संबंधी मांग पत्र पर तैयार कर उपलब्ध कराया जाएं

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

कलेक्टर आदित्य सिंह ने शुक्रवार को तहसील ईसागढ़ क्षेत्र के भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईसागढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डो का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा एवं आवश्यक निर्देश दिए । उन्होंने पोषण पुर्नवास केन्द्र,दवा स्टोर,लैब ,ओपीडी, क्षय रोग कक्ष,रेडियोलॉजी कक्ष का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएमओ को अस्पताल में पर्याप्त साफ सफाई एवं आवश्यक सुधार कार्य किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बीएमओं को निर्देशित किया कि अस्पताल हेतु सामग्री की उपलब्धता संबंधी मांग पत्र पर तैयार कर उपलब्ध कराया जाए। जिससे मांग अनुसार सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सके

कलेक्टर ने किया जनपद पंचायत कार्यालय ईसागढ़ का निरीक्षण: कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शुक्रवार को जनपद पंचायत ईसागढ़ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत स्वीकृत आवासों के लक्ष्यों की पूर्ति के संबंध में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जानकारी ली।। उन्होंने नरेगा अंतर्गत पोर्टल पर दर्ज मस्टर रोल की ऑनलाइन जानकारी ली। उन्होंने संबल योजना अंतर्गत कर्मकार मंडल के तहत पात्र हितग्राहियों की ऑनलाइन एंट्री के बारे में जानकारी ली। प्रभारी अधिकारी आवास को कारण बताओं नोटिस जारी के निर्देश निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी आवास शिवराम सिंह दोहरे से प्रधानमंत्री आवासों के लक्ष्यों एवं स्वीकृति के संबंध में पूछा। तत्संबंधी जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर कारण बताओ सूचना पर दिए जाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने किया तहसील ईसागढ़ का किया निरीक्षण

कलेक्टर आदित्य सिंह ने शुक्रवार को तहसील ईसागढ़ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसील न्यायालय का भी निरीक्षण कर राजस्व रिकॉर्ड का अवलोकन कर तहसीलदार को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अभिलेख दुरुस्तीकरण, नामांतरण, बटवारा , राजस्व के लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की । उन्होंने काफी समय से लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी तहसीलदार कमल सिंह कोली को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही विभागीय जांच की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए गए।

अनुपस्थित जनपद सीईओ को कारण बताओं नोटिस दिए जाने के निर्देश: कलेक्टर द्वारा जनपद पंचायत ईसागढ़ कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आलोक इटोरिया के अनुपस्थित रहने पर कारण बताओं नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए।

उपार्जन केंद्र वेयरहाउस डोंगर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण: कलेक्टर आदित्य सिंह ने शुक्रवार को तहसील ईसागढ़ के भ्रमण के दौरान सहकारी समिति डोंगर वेयरहाउस खरीदी केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अनुपस्थित समिति प्रबंधक प्रमोद कोली को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि केंद्र पर प्रातः 10ः30 बजे तक फसलों की खरीदी प्रारंभ नहीं की गई थी, न ही उपार्जन केंद्र का ताला खुला था। इस दौरान उन्होंने तहसीलदार को निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्र का संचालन समय पर किया जाए यह सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने किया अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ईसागढ़ न्यायालय का निरीक्षण

कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व न्यायालय ईसागढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व रिकॉर्ड के संबंध में प्रकरणवार अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों पर सुनवाई किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसडीएम न्यायालयीन के प्रकरण लंबित न रहें यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पीठासीन अधिकारी द्वारा आवेदकों की समय पर सुनवाई कर प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने पुराने अपीलीय प्रकरणों को तत्परता से निराकृत किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बहुजन समाज पार्टी की विस स्तरीय बैठक सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ सीहोर

बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी पदाधिकारी व कार्यकताओं की उपस्थिति में निर्णय लिया गया कि आगामी 28 मई 2025 को विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जावेगा व क्षेत्र में हो रहे अन्याय अत्याचार के खिलाफ ज्ञापन सौंपा जावेगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट दिलीप बौद्ध केंद्रीय स्टेट कोऑर्डिनेटर बसपा म.प्र., इंजीनियर रमाकांत पिप्पल प्रदेश अध्यक्ष बसपा म. प्र. उपस्थित होंगे। जिसकी तैयारी को लेकर विधानसभा स्तरीय बैठक रखी गई। बैठक में पार्टी के विधानसभा पदाधिकारी विजेंद्र सिंह पेरवाल आष्टा विधानसभा प्रभारी, संजीव बौद्ध जिला अध्यक्ष बसपा, बैठक में मुख्य अतिथि अनोखी लाल मालवीय जिला प्रभारी बसपा सीहोर, विशेष अतिथि संजीव बौद्ध जिला अध्यक्ष बसपा सीहोर, शाकिर अली जिला उपाध्यक्ष बसपा ,आनंद घावरी जिला संयोजक बसपा, देवराज पेरवाल जिला सहसंयोजक, राजमल सिलोरिया वि. स. महासचिव, अजय बोयत वि. स. कोषाध्यक्ष, जयराम कुरल, शहजाद शाह , राजमल सोलंकी, इस्माइल खा, गणपत अटारिया, सतीश रेकवाल सहित विधानसभा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया

हरदा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 16 मई शुक्रवार को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. पी. सिह द्वारा डेंगू नियंत्रण संबंधी शपथ दिलाई गई एवं आमजन समुदाय से पानी से टंकियों, कूलरों आदि में जमा पानी में मच्छर के लार्वा देखने और हर तीन दिन में उनकी सफाई करने और पानी को ढककर रखने की अपील की गई। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी शासकीय अस्पतालों में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

मंत्री शाह को पद से हटाने,जिला कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह को पद से हटाने की मांग को लेकर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी शहर द्वारा राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष राजेंद्र कुशवाहा ने बताया कि एक जिम्मेदार पद पर बैठे मध्य प्रदेश भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय सेना की अधिकारी देशभक्त कर्नल सोफिया कुरैशी के विरुद्ध अमर्यादित शब्दों का उपयोग करते हुए, उन्हें आतंकवादियों की बहन के रूप में संबोधित किया गया है। जो कि न केवल भारतीय सेना का अपमान

है,बल्कि वर्तमान संवेदनशील दौर में देश की अखंडता को चुनौती देने का कार्य भी है। विजय शाह का यह कृत्य देशद्रोह की श्रेणी में आता है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी इस आपत्ति जनक बयान की बहुत निंदा करती है। एवं मंत्री विजय शाह को पद से हटाने की मांग करती है। ऐसे लोगों को संवैधानिक पद पर बैठने का कोई अधिकार नहीं है। इस दौरान अशोक नगर विधायक इंजीनियर हरी बाबू राय, ब्लॉक अध्यक्ष सचिन शर्मा, पार्षद रितेश जैन आजाद, वाहिद पटेल, गोविंद सिंह यादव, विधायक प्रतिनिधि सरदार बलि सिंह, राजकुमार लोधी, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष विशाल रघुवंशी,सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद थे।

जिले में संचालित निजी विद्यालयों पर अभाविप ने उठाये सवाल, शा. मापदण्डों पर खरे नही उतर रहे हैं निजी स्कूल

जिला शिक्षा अधिकारी से की शिकायत

सत्ता सुधार ■ सीहोर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सीहोर द्वारा जिले में संचालित निजी विद्यालयों की मान्यता की स्थिति पर गहन अध्ययन एवं निरीक्षण किया गया है, जिसमें निम्नलिखित गंभीर अनियमितताएं पाई गई। जिनमें प्रमुख रूप से विद्यालय बिना उपयुक्त भवन एवं बुनियादी सुविधाओं के संचालित हो रहे हैं। कई विद्यालयों में पर्याप्त खेल मैदान की व्यवस्था नहीं है, जो छात्रों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। शिक्षकों की नियुक्ति मानकों के अनुरूप नहीं की गई है। कई विद्यालयों में अयोग्य एवं अनुभवहीन शिक्षक कार्यरत हैं। कुछ शासकीय शिक्षक निजी कोचिंग संस्थानों का संचालन कर रहे हैं, जो कि नियमानुसार वर्जित है। विद्यालयों की उक्त अनियमित्ताओं

को लेकर अभाविप मांग की है कि उपयुक्त विषयों पर 3 दिनों में जाँच समिति बनाकर कार्यवाही की जाए। ज्ञापन सौंपकर मांग करने वालों में प्रमुख रूप से बलवीर राजपूत विशाल यादव, खुशाल मोटवानी, अनुराग पारे, प्रमोद त्यागी आदि शामिल हैं।

सहायता कृषि कार्य करते समय ट्रैक्टर के नीचे दबने से दुर्घटना में हुई थी पति कैलाश की मृत्यु

आखिर क्यों रोक रखी है,विधवा आदिवासी महिला की सहायता राशि

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले की मुंगावली तहसील अंतर्गत ग्राम मल्हारगढ़ निवासी सेहरिया आदिवासी महिला पंखों बाई के पति कैलाश की मृत्यु पश्चात शासन की मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना अंतर्गत स्वीकृत 4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करने में लापरवाही का मामला सामने आया है। इससे सवाल उठ रहा है कि आखिर अभी तक महिला को स्वीकृत सहायता राशि क्यों प्रदान नहीं की गई। मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को शिकायती आवेदन देकर आवेदिका पंखों बाई ने बताया कि उसके पति कैलाश आदिवासी की करीब 1 वर्ष पूर्व 10 फरवरी 2024 को कृषि कार्य के दौरान ट्रैक्टर के नीचे दब जाने से दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। तत्पश्चात उसने संबल योजना

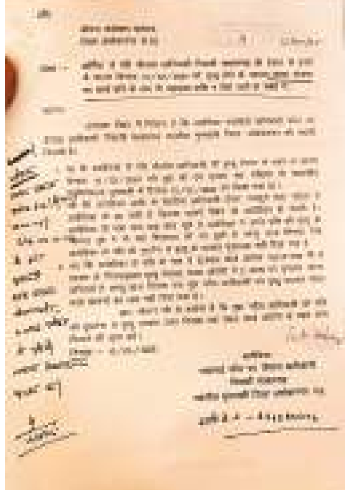

का कार्ड होने के बाद भी सहायता राशि नहीं दिए जाने संबंधी जन सुनवाई में कलेक्टर को आवेदन देकर शिकायत की थी।

मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजनांतर्गत स्वीकृत हो चुकी है सहायता राशि:

घटना के एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी जब कई आवेदन देने के बाद भी उसे सहायता राशि नहीं मिली तो वह पिछले मंगलवार 13 मई 2025 को जनसुनवाई में आवेदन देने आई तो,जनसुनवाई कर रहे हैं जिला अधिकारी ने उसके आवेदन पर कार्रवाई के लिए नाजिर को आदेश लिखा कि इसका प्रकरण क्रमांक-146/ बी-121/2024- 25 दिनांक 24/12/2024 के द्वारा मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना अंतर्गत 04 लाख रुपए स्वीकृत हो चुके हैं। तत्काल नियमानुसार भुगतान करें।

यह पूरा मामला

आदिवासी महिला पंखों बाई ने बताया कि उसके पति कैलाश आदिवासी निवासी मल्हारगढ़ की ट्रैक्टर में दवने के कारण दिनांक 10/02/2024 को मृत्यु होने के पश्चात् संबल योजना का कार्ड होने के बाद भी सहायता राशि न दिये जाने के संबंध में जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन दिया था और सहायता राशि दिए जाने की मांग की थी। आवेदिका के पति का मृत्यु पश्चात सब परीक्षण मुंगावली के शासकीय अस्पताल में हुआ था। आवेदिका जाति से सेहरिया आदिवासी होकर मजदूरी पेशा महिला है, उसके 06 बच्चे हैं ,जिनका पालन पोषण भी आवेदिका ही करती है। आवेदिका के पास मात्र ढाई बीधा भूमि है, आवेदिका ने अपने पति की मृत्यु के पश्चात् सहायता राशि के लिए पूर्व में भी कई शिकायतें कीं, परन्तु आज दिनांक तक आवेदिका के पति की दुघर्टना से मृत्यु के पश्चात् मुआवजा नहीं दिया गया है।आवेदिका के पति के नाम से ई- संबल कार्ड क्रमांक 163141759 भी है, शासन के नियमानुसार मृत्यु पश्चात् संबल योजना में 2 लाख का भुगतान करना अनिवार्य है, परन्तु आज दिनांक तक मुझ गरीब आदिवासी को मृत्यु उपरांत संबल कार्ड योजना का लाभ नहीं दिया गया है। मुझे सहायता राशि दिलाई जाए।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनांतर्गत ड्रिप पद्धति से सिंचाई कर फसल उत्पादन में हुई वृद्धि

अशोकनगर। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनांतर्गत ग्राम सेजी के कृषक दीपक रघुवंशी ने ड्रिप पद्धति से सिंचाई कर फसल उत्पादन में वृद्धि कर अच्छा खासा मुनाफा प्राप्त किया है। उन्होंने योजना का लाभ लेने पर 57375 रूपए की अनुदान सहायता राशि प्राप्त हुई है। वह बताते है कि उन्होंने ड्रिप सिंचाई पद्धति का इस्तेमाल करके चना एवं खरबूजा की खेती में अच्छा मुनाफा प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि किसान ड्रिप सिंचाई पद्धति का उपयोग कर अपनी कृषि आय बढ़ा सकते हैं और आर्थिक रूप से मजबूत बन सकते हैं। ड्रिप सिंचाई पानी की बचत करती है, जिससे पैदावार में वृद्धि होती है और लागत कम होती है। ड्रिप सिंचाई में पानी को सीधे पौधों की जड़ों में पहुंचाया जाता है। ड्रिप सिंचाई से पौधे को पर्याप्त मात्रा में पानी और पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे पैदावार में वृद्धि होती है। ड्रिप सिंचाई से पानी की बचत होती है, जिससे किसानों को कम पानी के बिल देने पड़ते हैं और ऊर्जा का खर्च भी कम होता है। योजना का लाभ लेने पर वह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देते है।

ब्रीफ न्यूज़

नाबालिग से छेड़छाड़, सगाई तोड़ने के लिए धमकाया

इंदौर। इंदौर की बाणगंगा पुलिस ने एक नाबालिग छात्रा की शिकायत पर उसकी सहेली के भाई के खिलाफ छेड़छाड़ और धमकाने का केस दर्ज किया है। आरोपी लगातार उसे सगाई तोड़ने के लिए धमका रहा था। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता के ससुराल में भी कॉल कर धमकी दी। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर तनिष्क पंवार निवासी टिगरिया बादशाह के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। छात्रा ने बताया कि आरोपी उसकी सहेली का भाई है। सहेली के घर जाने पर उसने कई बार कमेंट्स कर गंदी हरकत की। घर से पीछा करना शुरू कर दिया। 4 मई को मार्केट जाने के दौरान तनिष्क ने रास्ते में रोककर कहा जहां सगाई हुई है, उसे तोड़ दे, नहीं तो पति की हत्या कर देगा। लड़की वहां से बिना कुछ कहे चली गई। परिवार को भी यह बात नहीं बताई। बाद में तनिष्क ने मंगेतर का नंबर निकालकर उसे अपशब्द कहे। वहीं ससुराल के लोगों को धमकाया। इस पर ससुराल के लोगों ने सगाई तोड़ दी। पीड़िता माता-पिता के साथ थाने पहुंचे और केस दर्ज कराया।

संभागायुक्त ने चार अफसरों पर की कार्रवाई, जारी किए शोकॉज नोटिस

इंदौर। संभागायुक्त दीपक सिंह ने इंदौर जिले के कुछ अधिकारियों पर अलग-अलग कार्रवाई की है। इंदौर जिले में अवैध उत्खनन व राजस्व हानि के मामले में मिली शिकायत के आधार पर संभागायुक्त दीपक सिंह ने इंदौर के सहायक खनिज अधिकारी चेन सिंह डामोर के खिलाफ विभागीय जांच करने के आदेश दिए है। जांच अपर कलेक्टर इंदौर को दी है और विभागीय जांच कर दो माह में रिपोर्ट देने का कहा है। फरवरी महीने में डामोर को अवैध उत्खनन, राजस्व हानि, आदेशों को गंभीरता से न लेकर शासकीय काम में लापरवाही को लेकर निलंबित कर दिया था। डामोर से सवाल के जवाब भी मांगे थे, मगर वह समाधानकारक जवाब नहीं दे पाए। जिसके चलते ये जांच बैठाई गई है। संभागायुक्त ने इंदौर संभाग में पदस्थ पीएचई के उपयंत्री और महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारी को शोकॉज नोटिस जारी किया। उन्हें आगामी 7 दिन में अपना जवाब देने के निर्देश दिए है। जवाब समाधान पूर्वक नहीं होने और निर्धारित समय अवधि में नहीं मिलने पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। यह नोटिस बड़वानी में पदस्थ पीएचई के उपयंत्री लोकेश सोलंकी और आलीराजपुर के कठ्ठीवाड़ा में पदस्थ महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारी शैलेन्द्र सिंह डाबर को दिया गया है। संभागायुक्त सिंह ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने, समय-समय पर चेतावनी दिये जाने के बावजूद भी अभद्र और अशोभनीय व्यवहार करने पर इंदौर संभाग के झाबुआ जिले के पेटलावद में पदस्थ स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी ब्लाक मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुरेश कटारा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर झाबुआ से मिली रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन 17 मई को होगा, 15 जोड़ों का सनातनी रस्मों से विवाह होगा

15 जोड़ों का आज होगा सनातनी रस्मों से विवाह, विधायक करेंगे कन्यादान

सत्ता सुधार ■ इंदौर

शहर में हिंदू समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 17 मई को होगा। 15 जोड़ों का सनातनी रस्मों से विवाह होगा। विवाह सम्मेलन विधायक गोलू शुक्ला द्वारा कराया जा रहा है। जिसका पूरा खर्च भी वही उठाएंगे। सम्मेलन में दूल्हा-दुल्हन सात फेरे और 9 वचन लेंगे। विधायक गोलू शुक्ला ने सम्मेलन को लेकर कहा कि हमने तय किया था कि मेरे जन्मदिन पर जो होर्डिंग-पोस्टर लगते हैं, वह नहीं लगाते हुए कन्याओं का विवाह किया जाएगा। वो राशि जो होर्डिंग-पोस्टर पर लगती थी निर्धन कन्याओं के विवाह पर खर्च की जाएगी। हमने जो संकल्प लिया था 17 मई को उसे पूरा करने जा रहे हैं। हम सामूहिक विवाह धूमधाम से करने जा रहे हैं। 17 मई को सुबह 9.30 बजे संजय सेतु से एक चल समारोह निकाला जाएगा। जिसमें दूल्हे घोड़ी पर और दुल्हन बग्घियों में रहेंगी। सभी बाराती चल समारोह में शामिल होकर चिमनबाग मैदान आएंगे। 11.30 बजे से सनातन पद्धति से सभी के विवाह होंगे। हिंदू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न होंगे।

उन्होंने बताया कि विवाह में सात वचन होते हैं इसमें हमने दो वचन और जुड़वाए हैं। इसमें एक वचन है हमारा शहर स्वच्छ रहे, स्वस्थ रहे और हरा भरा रहे। दूसरा वचन सैनिकों के सम्मान में लिया जाएगा। 15 जोड़ों का विवाह यहां पर संपन्न होगा।

सनातनी नामों से होंगे पंडाल

सम्मेलन के लिए चिमनबाग में बनाए गए पंडालों को 3 भागों में बांटा गया है। विवाह पंडाल, भोजन पंडाल और अतिथि पंडाल बनाए गए हैं, जिन्हें सनातनी नाम दिए गए है। विवाह पंडाल को शिव पार्वती विवाह पंडाल, भोजन पंडाल को मां अन्नपूर्णा पंडाल और अतिथि पंडाल को अतिथि देवों भव की तर्ज पर समस्त देवगण (अतिथि) पंडाल नाम दिए गए है। जल व्यवस्था को मां नर्मदा पेयजल नाम दिया गया है।

सनातन हिन्दू समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजन समिति के दीपेंद्र सिंह सोलंकी और आयुष कचोलिया ने बताया कि विवाह सम्मेलन में सनातन परंपराओं के तहत विवाह की रस्में पूरे रीति रिवाज से 21 ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराई जाएंगी। 15 जोड़ों ने विवाह के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिए हैं। प्रत्येक मंडप में एक ब्राह्मण उपस्थिति होकर विवाह सम्पन्न करवाएंगे।

भगवान के विवाह के चित्रों से सजेगा पंडाल- इस विवाह समारोह में सनातन का भाव लाने के लिए एवं सनातन परंपराओं से युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से पंडाल को विभिन्न भगवान के विवाह के चित्रों से सजाया जाएगा। शिव पार्वती जी विवाह, राम जानकी जी विवाह, लक्ष्मी - नारायण विवाह, शालीग्राम - तुलसी विवाह के आकर्षक चित्र पंडाल में लगाए जाएंगे। सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षणिक, व्यापारिक एवं विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा चल समारोह का स्वागत किया जाएगा साथ ही कन्यादान भी किया जाएगा।

आईडीए बोर्ड बैठक में सुपर कॉरिडोर पर मल्टीपरपज स्टेडियम का प्रस्ताव

खेल स्टेडियम के लिए आरक्षित जमीन को बेचने के बजाय पीपीपी मॉडल पर विकसित करने का निर्णय लिया है

सत्ता सुधार ■ इंदौर

देश में तेजी से बढ़ रही कॉन्सर्ट इकोनॉमी को देखते हुए आईडीए बोर्ड ने सुपर कॉरिडोर पर खेल स्टेडियम के लिए आरक्षित जमीन को बेचने के बजाय पीपीपी मॉडल पर विकसित करने का निर्णय लिया है। आईडीए खेल कॉम्प्लेक्स के उपयोग रिक्रिएशन (स्टेडियम) को आधार बनाकर यहां पर मल्टीपरपज स्टेडियम का निर्माण करवाएगा। सरकार से अनुमति लेकर रुचि पत्र (एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट) जारी करके अंतरराष्ट्रीय स्तर के डेवलपर, इवेंट कंपनियों से प्रस्ताव बुलवाएगा। इसी तरह दो बार टेंडर जारी करने के बाद भी आईएसबीटी संचालन के लिए एजेंसी नहीं मिलने पर इसकी शर्तो को संशोधित किया जाएगा। आईडीए अध्यक्ष व संभागायुक्त दीपकसिंह की अध्यक्षता में आईडीए बोर्ड की बैठक हुई। इसमें कलेक्टर आशीषसिंह, निगमायुक्त शिवम वर्मा, सीएफ एमएस रावत व अन्य सदस्य मौजूद रहे। अध्यक्ष

दीपकसिंह ने बताया बैठक में 10 से ज्यादा प्रस्तावों पर चर्चा की गई। सुपर कॉरिडोर पर प्रस्तावित खेल कॉम्प्लेक्स की जमीन पर स्टेडियम निर्माण के लिए आईडीए ने दो बार टेंडर जारी किए। इसकी कीमत 200 करोड़ से ज्यादा होने और एक्टिविटी सीमित होने से खेल संगठन व डेवलपर रुचि नहीं ले रहे हैं। भूमि का उपयोग रिक्रिएशन (स्टेडियम) है, इसके आधार पर डेवलपर और इवेंट कंपनियां आगे आकर यहां पर मल्टी परपज स्टेडियम का निर्माण कर सकती है। जहां खेल के साथ म्यूजिक कॉन्सर्ट, मेले, एग्जीबिशन व अन्य आयोजन किए जा सकेंगे। क्योंकि शहर में ऐसे आयोजन के लिए सुविधाजनक जगह नहीं है। सरकार से अनुमति लेकर ईओआई जारी करेंगे।

300वें अहिल्या जन्मोत्सव के लिए 5 लाख देने का निर्णय- अध्यक्ष सिंह ने बताया, देवी अहिल्या के 300वें जन्मोत्सव के मौके पर हो रहे आयोजनों के लिए समिति को 5 लाख रुपए देने का निर्णय लिया है। टीपीएस-8 में प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट का निर्माण भी किया जाएगा। कुमेड़ी में आईएसबीटी भी बनकर तैयार है। संचालन एजेंसी के लिए दो बार टेंडर जारी किए, लेकिन किसी कंपनी ने रुचि नहीं ली। अब टेंडर शर्तों में कुछ संशोधन कर टेंडर जारी कर रहे हैं।

सीनियर सिटीजन कॉम्प्लेक्स के लिए एजेंसी नियुक्त, रखरखाव करेगी- आईडीए ने स्कीम 134 में सीनियर सिटीजन कॉम्प्लेक्स तैयार किया है। यहां पर दो व एक बेडरूम के 32 फ्लैट, कामन किचन, क्लिनिक व अन्य सुविधाएं हैं। आईडीए द्वारा तय एजेंसी इसका संचालन करेगी। यह एजेंसी यहां रहने वाले बुजुर्गों को स्वास्थ्य, रोजमर्रा की जरूरत व भोजन संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराएगी, रखरखाव करेगी। सीईओ अहिरवार ने बताया आईडीए ने 1.50 लाख रुपए प्रतिमाह के आधार पर निविदाएं आमंत्रित की थीं। चार कंपनियों ने निविदाएं दीं, होटल बालाजी रतलाम ने 3.51 लाख व मेंटल हेल्थ एंड रिसर्च ने 1.87 लाख रुपए भरे थे। बोर्ड ने बालाजी की निविदा मंजूर की है।

कन्वेंशन सेंटर व स्टार्टअप पार्क के लिए प्रस्ताव बुलाएंगे

बोर्ड सचिव सीईओ रामप्रकाश अहिरवार ने बैठक के प्रस्तावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया, स्टार्टअप पार्क और कन्वेंशन सेंटर को पीपीपी मॉडल पर बनाने के लिए सरकार से अनुमति मिल गई है। दोनों के लिए रुचि पत्र जारी करके प्रस्ताव बुलाए जाएंगे। जिससे दोनों पर आगे काम शुरू किया जा सके। स्टार्टअप पार्क के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंसल्टेंट एजेंसी नियुक्त है, अब डेवलपर की तलाश की जा रही है, जो इसका निर्माण कर सके।

खजराना मंदिर जाने वाला सर्विस रोड 25 दिन रहेगा बंद, मरम्मत कार्य शुरू

खजराना गांव वालों का वैकल्पिक मार्ग से आना-जाना होगा

सत्ता सुधार ■ इंदौर

खजराना चौराहे से गणेश मंदिर तक जाने वाले सर्विस रोड पर मरम्मत का काम शुरू हो गया है। नगर निगम ने यह रास्ता 25 दिन के लिए बंद कर दिया है। हालांकि मुख्य मार्ग पहले की तरह चालू रहेगा। मंदिर आने-जाने वाले भक्तों को अब खजराना गांव वाले वैकल्पिक मार्ग से आना-जाना होगा। यह रोड काफी समय से खराब हालत में था। फ्लायओवर निर्माण के चलते इसकी हालत और बिगड़ गई थी। अब बारिश के पहले नगर निगम ने इसकी मरम्मत की जिम्मेदारी उठाई है।

यह कार्य इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) को करना था, लेकिन आईडीए ने पहले ही नगर निगम को सर्विस रोड निर्माण के लिए बजट जारी कर दिया था। ड्रेनेज और पानी की लाइन शिफ्ट करने में समय लगने के कारण काम में देरी हुई। अब चारों ओर के सर्विस रोड का निर्माण एक साथ शुरू किया गया है।

मालवीय नगर वाली सड़क का काम शुरू कर रहे हैं

नगर निगम के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने बताया

सड़क की मरम्मत के लिए हमने आईडीए से बजट की मांग की थी। जवाब में हमें तीन करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उधर, मास्टर प्लान की सड़कों में शामिल सुभाष मार्ग और छावनी में अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। मालवीय नगर वाली सड़क का कार्य शुरू किया जा रहा है।

पाटनीपुरा-मालवा मिल पुल का काम फिर शुरू

मालवा मिल से पाटनीपुरा के बीच प्रस्तावित पुल के निर्माण का काम बुधवार से फिर शुरू किया गया। पार्षद लालबहादुर वर्मा और ठेकेदार के बीच चल रही खींचतान के चलते कुछ दिन काम बंद रहा था। इससे परेशान व्यापारी क्षेत्रीय विधायक रमेश मेंदोला से मिले। जिसके बाद सभी पक्षों को बुलवाया गया और समझौता करवाया गया। एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने बताया कि कुछ अतिक्रमण हटा दिए हैं। कुछ को हटाने के लिए नोटिस दिया गया है। अतिक्रमण हटाने को लेकर उपजे विवाद के बाद काम तक बंद करना पड़ा था।

मई में लगातार बारिश, गर्मी से राहत लेकिन उमस ने बढ़ाई मुश्किल

इंदौर और इसके आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी और बारिश की संभावना जताई

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में इस बार मई का महीना आमतौर पर पड़ने वाली भीषण गर्मी की बजाय बदलते मौसम की वजह से चर्चा में है। बुधवार शाम शहर में घने बादल छाए और कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई। भले ही यह बारिश केवल 2 मिमी रही, लेकिन पूरे मई महीने में अब तक कुल 5 इंच बारिश हो चुकी है। इस असामान्य बारिश के कारण लोगों को गर्मी से तात्कालिक राहत तो मिली, लेकिन अब उमस ने फिर से परेशान करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने आने वाले तीन दिनों तक इंदौर और इसके आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी और बारिश की संभावना जताई है।

गुरुवार को दिनभर उमस का असर बना रहा। दिन का अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3

डिग्री कम था। शाम होते-होते मौसम ने करवट ली और कुछ क्षेत्रों में तेज बारिश हुई तो कुछ स्थानों पर हल्की फुहारें पड़ीं। यह सिलसिला करीब दो घंटे तक चला, जिसके बाद मौसम साफ हो गया। गुरुवार सुबह से ही धूप और बादलों की आंख-मिचौली चल रही है, जिससे लोगों को भीषण उमस का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने जानकारी दी कि गुजरात के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय है, जिसकी वजह से मध्यप्रदेश में बारिश और आंधी की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। इसके अलावा, एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी सक्रिय हुआ है, जिसने मौसम को पूरी तरह प्रभावित किया है। इंदौर और इसके आसपास के क्षेत्रों में अगले तीन दिनों तक इस सिस्टम का असर बना रहेगा। डॉ. सुरेंद्रन ने आगे बताया कि आने वाले दिनों में तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना बनी हुई है। इससे तापमान में अस्थायी गिरावट तो देखने को मिलेगी।

मोबाइल पर दिखेगी पेड़-पौधों की जन्मकुंडली, बार कोड लगाएंगे

इंदौर। खण्डवा रोड पर बने ईको-एडवेंचर पार्क में अब पर्यटक घूमते-फिरते पर्यटन का आनन्द लेने के साथ ही पार्क में मौजूद पेड़ -पौधे और वनस्पतियो के बारे में न सिर्फ खुद जानकारी हासिल कर सकेंगे, बल्कि अपने साथ मौजूद बच्चों का भी पेड़-पौधे से संबंधित जनरल नॉलेज बढ़ा सकेंगे। फॉरेस्ट वनरक्षक सचिन मण्डलोई ने बताया कि एसडीओ केके निनामा के मार्गदर्शन में पर्यटकों में पेड़-पौधे से संबंधित जागरूकता बढ़ाने के लिए पेड़-पौधों पर बारकोड लगाए गए हैं।

पर्यटक बारकोड को जैसे ही स्कैन करेंगे, उनके मोबाइल की स्क्रीन पर सम्बन्धित पेड़-पौधे की पूरी जन्मकुंडली मतलब पूरी जानकारी कि पेड़ किस प्रजाति का है, इसका असली नाम क्या है, इसकी क्या विशेषताए हैज यह सब पर्यटकों को चंद सेकंड में पता चल जाएगा। इसके अलावा पर्यटकों का पार्क में मौजूद पेड़-पौधे, वनस्पति, जड़ी-बूटी संबन्धित ज्ञान बढाने के लिए प्रिंट बुक भी दी जाएगी।

ऐतिहासिक लालबाग पैलेस के गार्डन को संवारने की मिलेगी सौगात

सत्ता सुधार ■ इंदौर

20 मई को इंदौर में होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में नगर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस के गार्डन को संवारने की सौगात मिलने वाली है। लालबाग के बगीचे को भव्य रूप देने की समय -समय पर योजना बनती रहती है पर उस पर धरातल पर कार्य नहीं हो पाता। अब एक बार फिर यह सिलसिला शुरू हो रहा है। लालबाग परिसर किसी समय गुलाब गार्डन के नाम से जाना जाता था, पर देखरेख के अभाव में यह सुंदर गुलाब उद्यान लापरवाही की भेंट चढ़ गया। लालबाग परिसर जो 72 एकड़ के विशाल भू-भाग में फैला है। इसमें चार एकड़ में होलकर राजवंश का मुख्य राजप्रासाद यानी महल निर्मित है। कभी इस लालबाग मैदान में सुंदर बगीचे हुआ करते थे इसमें प्रमुख रूप से भव्य गुलाब चक्कर गार्डन भी था। इस गुलाब गार्डन में विदेशों से बुलवाई कई प्रजातियां थीं।

सैकड़ों किस्म के गुलाब थे- लालबाग के इस गुलाब गार्डन में 600 से अधिक गुलाब की किस्म के गुलाब लगे थे।

समय और वक्त के साथ यह गुलाब गार्डन नष्ट हो गया। वक्त का तकाजा है कि जब लाल बाग के बगीचों को सुंदर बनाए जाने के स्थान पर गुलाब गार्डन ही बनाया जाए। लालबाग में स्थित प्राचीन कुएं और बावड़ी के साथ बगीचों के लिए पर्याप्त स्थान भी हैं। ऐसे में विलुप्त हो चुके गुलाब गार्डन को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए, क्योंकि गुलाबों के प्रति हर व्यक्ति का स्नेह जगजाहिर है।

हर साल लगती है गुलाब प्रदर्शनी

इंदौर में हर साल रोज सोसायटी गांधी हॉल में ठंड के दिनों में गुलाब प्रदर्शनी लगाती है। इसमें गुलाब की 350 से अधिक किस्में देखने को मिलती हैं। गुलाब प्रदर्शनी में शहर के लोगों का गुलाब के प्रति आकर्षण और उसे देखने की ललक देखते बनती है, गांधी हाल में दर्शको की भीड़ इस बात कर प्रमाण होती है। लालबाग में बगीचों के उद्धार के साथ भव्य गुलाब गार्डन पुनः पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। इससे होलकर राजवंश की ऐतिहासिक परंपरा नगरवासियों को पुनः देखने को मिलेगी।

दिशा-निर्देश | महापौर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं मजबूत करना प्राथमिकता है ...

शहरी सीमा में शामिल हुए 29 गांवों में नगर निगम बनवाएगा स्कूल

सत्ता सुधार ■ इंदौर

29 गांवों में स्कूलों की नई बिल्डिंग बनाने को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। महापौर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं मजबूत करना प्राथमिकता है और सभी संबंधित अधिकारी समयबद्ध कार्य योजना बनाकर इस दिशा में काम करें।

महापौर ने शाला प्रकोष्ठ विभाग की समीक्षा की। इसका मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक विकास से संबंधित परियोजनाओं की प्रोग्रेस देखना था। विशेष रूप से विगत बजट में स्वीकृत मॉडल स्कूलों की वर्तमान

स्थित पर बातचीत भी उन्होंने की। इस दौरान उन्हें पता चला कि कुछ परियोजनाओं के लिए टेंडर तो हो गए हैं, लेकिन ठेकेदारों ने समय पर काम ही शुरू नहीं किया। इसलिए महापौर ने ऐसे मामलों में सख्ती दिखाते हुए निर्देश दिए हैं कि जो ठेकेदार निर्धारित समय सीमा में काम शुरू नहीं कर रहे हैं, उनके टेंडर निरस्त किए जाएं और दोबारा नए टेंडर जारी किए जाएं। जिन टेंडरों को स्वीकृति मिल चुकी है, उनके अंतर्गत निर्माण काम को जल्द शुरू करने के लिए भूमिपूजन का काम शुरू करने को कहा है। इस दौरान महापौर के साथ एमआईसी मेंबर नंदकिशोर पहाड़िया, अश्विनी शुक्ल, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सत्येन्द्र राजपूत सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी भी थे। बताया जाता है कि 1975 में नगर निगम सीमा में वृद्धि के प्रस्ताव पर सरकार ने मुहर लगाई थी। उस वक्त 11 गांवों को इंदौर में शामिल किया था। उल्लेखनीय है कि पहले 27 गांव जुड़ना थे लेकिन 2011 के अंत में दो गांव और जोड़ने का प्रस्ताव निगम ने पारित किया। निगम और प्रशासन ने दावे-आपत्तियों का निराकरण कर शासन को अपना अभिमत भेजा था।

विभाग को भेजा था प्रोजेक्ट- बताया जाता है कि 2014 को इंदौर नगर पालिका निगम में शहर से लगे 29 गांवों को शहरी सीमा में शामिल किया गया था। निगम सीमा में आएं ये गांव 10 वार्डों में तब्दील हो गए है।

ये 29 गांव हुए शामिल

निपानिया, पीपल्याकुमार, कनाडिया, टिगरिया राव, बिचौली हप्सी, बिचौली मर्दाना, मुंडला नायता, पालदा, लिम्बोदी, बिलावली, फतनखेड़ी, कैलोद करताल, निहालपुरा मुंडी, हुकमाखेड़ी, सुखनिवास, अहिरखेड़ी, छोटा बांगड़दा, टिगरिया बादशाह, रेवती, बरदरी, भौंरासला, कुमेड़ी, भानगढ़, शकरखेड़ी, तलावली चांदा, अरंडिया, मायाखेड़ी, लसूडिया मोरी और बड़ा बांगड़दा।

यूनिवर्सिटी कर्मचारी 15 दिन से हड़ताल पर

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय संस्थान कर्मचारी लगातार 15 दिन से अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। गर्मी और बारिश के विपरीत मौसम में भी कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।

कर्मचारियों का यह रवैया ठीक नहीं है। मांगों पर नियमों के अनुसार ही निर्णय लिया जा सकेगा। यूनिवर्सिटी में 1 मई से गैर शैक्षणिक कार्य में लगे स्ववित्त कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। 1 से 4 मई तक सांकेतिक 2 घंटे का विरोध प्रदर्शन और 5 मई से लगातार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में राज्य शासन के आदेश 22 जुलाई 2023 अनुसार संविदा कर्मचारी का वेतन निर्धारण, प्रति घंटा आधारित कर्मचारियों को उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार न्यूनतम वेतन का वेतन जारी करना, राज्य शासन के निर्देश तथा कार्यपरिषद के निर्णय अनुसार कर्मचारियों हेतु अक्षय निधि का निर्माण करना, कार्यपरिषद के निर्णय अनुसार कर्मचारी आवास हेतु भवन का निर्माण करवाना। आज भी खंडवा रोड यूनिवर्सिटी परिसर मुख्य द्वार पर प्रातः 10 बजे एकत्रित होकर आंदोलन शुरू किया।

गर्ल्स कॉलेज का लैब कर्मचारी छात्रा के साथ अश्लील हरकत करते सीसीटीवी कैमरे में कैद, पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी ने कहा मैं उसको लव करता हूं, प्राचार्य ने कहा डीएम को लिखेंगे कार्रवाई के लिए पत्र

सत्ता सुधार ■ मुरैना

हाल ही में जीवाजी गंज स्थित अभी इंसानियत कोचिंग का संचालक छात्राओं के साथ रंगरलिया मनाते हुए पकड़ा गया और उक्त मामला ठंडा भी नहीं हुआ कि शुक्रवार को शिक्षा नगर स्थित गर्ल्स महाविद्यालय के लैब कर्मचारी का सीसीटीवी फुटेज सामने आ गया, जिसमें वह एक छात्रा के साथ अश्लील एवं आपत्तिजनक स्थिति में पाया गया। मामले का खुलासा होते ही कॉलेज में हड़कंप मच गया और पुलिस पहुंच गई। पुलिस द्वारा लैब कर्मचारी को पकड़ लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

शिक्षा के मंदिरों में शिक्षक एवं कर्मचारी अब अश्लील करतूत करते पकड़े जा रहे हैं। इससे समाज में गलत संदेश जा रहा है, लेकिन शायद इसकी परवाह ऐसे कृत्य करने वाले लोगों को नहीं है, मगर इन घटनाओं से बच्चियों के अभिभावकों का विश्वास उठता जा रहा है। जीवाजी गंज की कोचिंग का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि शुक्रवार को शहर के एक मात्र गर्ल्स महाविद्यालय का लैब टेक्नीशियन अमित शर्मा का सीसीटीवी फुटेज ओपन हो गया और उसमें वह एक छात्रा के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाया गया। सीसीटीवी फुटेज वायरल होते ही यह खबर जिले भर में आग की तरह फैल गई।

बताया जाता है कि गर्ल्स महाविद्यालय में अनैतिक कृत्य किए जाने की सूचनायें छात्राओं द्वारा लगातार मीडिया और अन्य लोगों को की जा रही थी। शुक्रवार को बड़ी संख्या में मीडिया कर्मी कॉलेज पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज चैक करवाए जाने के लिए प्राचार्य भारती शुक्ल को कहा तो उन्होंने पहले तो मना किया, लेकिन जब उन्होंने कहा कि कलेक्टर साहब को बुलाकर आदेश दिलवा देते हैं, तब जाकर सीसीटीवी फुटेज चैक कराए गए, उसमें अमित शर्मा का एक छात्रा के साथ आपत्तिजनक फुटेज मिला, जिससे कॉलेज में हड़कंप मच गया। यह सीसीटीवी फुटेज 10 मई का बताया गया है। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे युवक की पहचान अमित शर्मा के रूप में की गई जो कि लैब टेक्नीशियन है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और अमित को अपनी हिरासत में ले लिया तथा उससे पूछताछ की जा रही है।

महिला प्राध्यापकों को प्राचार्य ने शिकायत करने पर फटकार कर भगा दिया

सूत्र बताते हैं कि गर्ल्स कॉलेज के लैब कर्मचारी अमित शर्मा द्वारा महाविद्यालय परिसर में किया जा रहे अनैतिक कार्यों की सूचना सभी महिला प्राध्यापक एवं स्टाफको थी और समय-समय पर महिला प्राध्यापकों ने इसकी शिकायत प्राचार्य भारती शुक्ला से की, लेकिन उनके द्वारा शिकायत करने वालों को ही डांट फटकार कर भगा दिया गया, यही नहीं सूत्र तो यह भी बताते हैं कि प्राचार्य के द्वारा उनको नोटिस भी दिए गए, इसका कारण पकड़ा गया लैब कर्मचारी प्राचार्य का रिश्तेदार है।

स्कूल शिक्षा में होनी थी अनुकंपा नियुक्ति, उच्च शिक्षा में दे दिया पद- सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अमित शर्मा के पिता स्कूल शिक्षा विभाग में टीचर के पद पर नियुक्त थे और उनकी मृत्यु के बाद अमित को अनुकंपा नियुक्ति मिलनी थी। नियम यह है कि जिस विभाग में पिता थे, उस विभाग में अनुकंपा नियुक्ति होनी थी और प्रायः ऐसा होता भी है। दूसरे विभाग में नियुक्ति करने से पहले विभाग से अनुमति ली जाती है, लेकिन इसमें विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई। सूत्रों के अनुसार उक्त आरोपी प्राचार्य का रिश्तेदार बताया गया है और उच्च शिक्षा विभाग में 3,00,000 रूपए के बदले पद दिया गया है। सूत्र तो यह भी बताते हैं कि प्राचार्य का रिश्तेदार होने के कारण अमित शर्मा का घमंड सातवें आसमान पर रहता था और वह स्कूल के प्राध्यापक महिला, पुरुष स्टाफ तथा अन्य अधिकारियों को कुछ भी नहीं समझता था तथा मनमानी पूर्वक नौकरी करता था।

इनका कहना है..........

अमित शर्मा गर्ल्स महाविद्यालय का कर्मचारी है। संज्ञान में आया है, उसको पुलिस ले गई है। प्रशासकीय कार्रवाई के तहत उसे निलंबित करके हायर एजुकेशन को पत्र भेजेंगे। महिला स्टाफया स्टाफके किसी मेंबर किसी लड़की के माध्यम से इस प्रकार की कभी कोई शिकायत मेरे पास नहीं आई है, जहां इसकी गतिविधियां संदिग्ध हों। यह बिल्कुल गलत है, कोई जानकारी नहीं दी गई है। मेरा कोई रिश्तेदार नहीं है, कैलारस का है, इस तरह के मामले आते हैं तो कई तरह की बातें होंगी तो अनर्गल आरोप लगाएंगे। केवल सरनेम से उसे रिश्तेदार परिभाषित करें, यह गलत है। पहली बार यह प्रकरण आज सामने आया है।

भारती शुक्ला, प्राचार्य, गर्ल्स कॉलेज, मुरैना

ब्रीफ न्यूज़

माकपा ने मंत्री विजय शाह की बर्खास्तगी की मांग की

कैलारस। हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने मर्यादा की सभी सीमाएं लांघते हुए भारतीय सेवा की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ बहुत ही निंदनीय टिप्पणी की है। उन्होंने अपने भाषण में उन्हें सार्वजनिक रूप से आतंकवादियों की बहन तक कहा है। उनका यह भाषण अत्यंत आपत्तिजनक अशोभनीय तो है ही, साथ ही यह देश की एकता और अखंडता को भी गहरी चोट पहुंचाता है। इसको संज्ञान में लेते हुए मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय ने मंत्री के खिलाफएफ आई आर दर्ज करने और कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। उसको भी सरकार और पुलिस औपचारिकता पूरी करने में लगी हुई है। उच्च न्यायालय ने फटकार लगाते हुए मामले को अपनी निगरानी में लिया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने इसकी कड़े शब्दों में भर्त्सना करते हुए मंत्री विजय शाह की बर्खास्त भी की मांग की है। बात यहां तक नहीं है मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी सभी सीमाएं लांघते हुए, कहा है कि लाल सलाम वालों को इस जमीन पर रहने का अधिकार नहीं है। उनका इस तरह से कहना उनकी फासीवादी सोच को प्रकट करता है। लेकिन जनता ने हर स्थिति में मुकाबला किया है और आगे भी जीत जनता के एकजुट संघर्ष की ही होगी। माकपा कैलारस कमेंटी की मीटिंग में बोलते हुए माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य अशोक तिवारी ने मुख्यमंत्री और मंत्री विजय शाह के बिगड़े बोल पर कड़ी आपत्ति प्रकट करते हुए मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करने की मांग दोहराई है। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता गयाराम सिंह धाकड़, कन्हैयालाल, भोरू सिंह धाकड़, मनोज कुमार, पावन सिंह, सरवन लाल, सियाराम, इब्राहिम शाह आदि ने भी सर्वसम्मति से कार्रवा करने के लिए संघर्ष आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। आगामी दिनों में अभियान और आंदोलन और तेज किया जाएगा। जनता हर स्थिति में मुकाबला करेगी।

डेंगू जन जागरूकता रथ को सीएमएचओ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

मुरैना। राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय ने डेंगू जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर डी. एच.ओ. डॉ. आनंद बंसल, डॉ. सुशील कारखुर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गोयल, डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, जिला मीडिया अधिकारी श्रीमती बंसती बाजोरिया, समस्त मलेरिया स्टाफएवं फैमिली हेल्थ इंडिया एंबेड परियोजना, जिला समन्वयक के कर्मचारी उपस्थित थे। डेंगू रथ मुरैना शहरी के सुभाषनगर, संजय कॉलोनी, गांधी कॉलोनी, आमपुरा, पीपरी पुरा, रामनगर, गणेश पुरा, पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सिद्ध नगर, बडोखर, पुराना हाउसिंग बोर्ड, गोपाल पुरा में डेंगू से बचाव हेतु जन समुदाय को समझाईश देगा। सीएमएचओ डॉ. पदमेश उपाध्याय ने बताया कि डेंगू रथ मुरैना जिले के समस्त ब्लॉक के शहरी क्षेत्र पोरसा, अम्बाह, नूरावाद, जौरा, कैलारस एवं सबलगढ़ में भी प्रचार-प्रसार कार्य कर रहा है।

जौरा को मिली दूसरी मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक की सौगात

अखिल माहेश्वरी ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल का जताया आभार

सत्ता सुधार ■ जौरा

नगरवासियों के लिए अत्यंत खुशी और गौरव का विषय है कि जौरा नगर को शीघ्र ही द्वितीय नवीन मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक की सौगात मिलने जा रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल के अपर मिशन संचालक द्वारा नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी को भेजे गए पत्र में अवगत कराया गया है, कि इस क्लिनिक को पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खाली भवन में संचालित किए जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस निर्णय से नगर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को नई दिशा मिलेगी। विदित हो कि वार्ड क्रमांक 09 पगारा रोड पर प्रथम मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जबकि दूसरी क्लिनिक के लिए नगरीय सीमा में भूमि की अनुपलब्धता के चलते यह प्रस्तावित क्लिनिक अब पुराने स्वास्थ्य केंद्र में प्रारंभ की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी की यह जनहितैषी मांग आखिरकार साकार हुई है। इस हेतु उन्होंने भोपाल में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल जिन पर स्वास्थ्य मंत्रालय का भी भार है। स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल से व्यक्तिगत भेंट कर इस संबंध में विशेष आग्रह किया गया था। माहेश्वरी द्वारा समय-समय पर शासन-प्रशासन को इस विषय में पत्राचार भी किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम स्वरूप यह स्वीकृति प्राप्त हुई। इस महत्वपूर्ण निर्णय पर श्री माहेश्वरी ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा यह निर्णय न केवल जौरा की जनता के लिए राहत का कार्य करेगा, बल्कि जनस्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उपमुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शीघ्र ही जौरा में संजीवनी क्लिनिक सहित जौरा के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफएवं आधुनिकतम चिकित्सा सुविधाएं भी सुनिश्चित कराई जाएंगी।

सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मुरैना। देश की बदलती आंतरिक एवं बाह्य परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर अंकित अस्थाना एवं डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्रीमती सुमन लिटोरिया के मार्गदर्शन में शुक्रवार को नगर निगम मुरैना के सभागार में प्रशिक्षण सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स के लिए दो पालियों में दिया गया। जिसमें प्रथम पाली में ग्रामीण क्षेत्र एवं द्वितीय पाली में नगरीय क्षेत्र के वॉलेंटियर्स को एसडीआरएफएवं होमगार्ड की टीम के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स की टीम द्वारा आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, हवाई हमले के बाद राहत एवं बचाव तथा ब्लैकआउट की जानकारी, इमरजेंसी रेस्क्यू मेथड्स, प्रथमोपचार, अग्नि आपदा प्रबंधन आदि का प्रशिक्षण दिया गया। सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को आपदा एवं संकट की घड़ी में तत्पर, जागरूक एवं सक्षम बनाना है, ताकि वे समाज की सेवा में प्रभावी भूमिका निभा सकें। प्रशिक्षण के दौरान दोंनो पालियों में लगभग 350 वॉलेटियर्स ने भाग लिया।

पुलिस को देख गाड़ी छोड़कर भागा तस्कर, 24 पेटी अवैध शराब बरामद

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले की बानमोर थाना पुलिस ने गुरुवार की देर शाम बुध्दीपुरा गांव के रास्ते पर मुखबिर की सूचना पर से चेकिंग पॉइंट लगाया तो एक शराब तस्कर पुलिस को देखकर गाड़ी छोड़कर वहां से भाग निकला। गाड़ी की तलाशी लेने पर उसके अंदर से 24 पेटी देशी शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत 96 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने कार एवं शराब जप्त कर मामला दर्ज किया है।

अमित सिंह भदौरिया थाना प्रभारी बामौर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बुध्दीपुरा गांव जाने वाले रास्ते से कार के माध्यम से अवैध शराब तस्करी हेतु ले जाई जा रही है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए चौकिंग लगाई गई। चैकिंग के दौरान सामने से एक सफेद रंग की टोयोटा कार आती दिखी, जिसे फोर्स की मदद से घेरकर रोका गया, परंतु कार का चालक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। कार की तलाशी ली गई तो कार की डिग्गी में से 12 पेटी देशी मदिरा प्लेन, 12 पेटी देशी मसाला कुल 24 पेटी शराब कीमती 96,000 रुपये की रखी मिली। उक्त शराब के संबंध में कोई दस्तावेज आदि उपलब्ध न होने के कारण उक्त 24 पेटी अवैध शराब कीमती 96,000 रूपये एवं ग्लेंजा कार कीमती 7,00,000 रुपये कुल कीमती 7,96,000 रुपये को जप्त कर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 119/25 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कैलारस शुगर मिल को पुनः आरम्भ करने केन्द्रीय कृषि मंत्री से मिला प्रतिनिधि मंडल

सत्ता सुधार ■ जौरा

जौरा विधानसभा से किसानों का एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व भारत सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात कर जौरा विधानसभा के कैलारस में बंद पड़ी शुगर फैक्ट्री को पुनः चालू करने के लिए निवेदन किया गया। इस दौरान केन्द्रीय कृषि मंत्री ने प्रतिनिधि मंडल के माध्यम से सभी किसानों को आश्वासन दिया कि शुगर फैक्ट्री को किसानों के हित में जल्दी से जल्दी चालू करवाने की कार्रवाई की जाएगी, जिससे क्षेत्र के किसानों को खेती का लाभ प्राप्त हो एवं क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान हों। किसानों के प्रतिनिधि मंडल में जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष हमीर पटेल, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष बनवारी लाल धाकड़, पूर्व जनपद अध्यक्ष राम लखन धाकड़, पूर्व सदस्य जिला पंचायत गिर्राज त्यागी, सरवन लाल धाकड़, अमर सिंह धाकड़, विनोद धाकड़, रामनारायण धाकड़, देवेंद्र त्यागी, सरपंच गैपरा देशराज सिंह धाकड़, दिलीप धाकड़ सहित 50 किसान मौजूद थे। उक्त प्रतिनिधि मंडल केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के आश्वासन के बाद खुशी के साथ दिल्ली से जौरा के लिए रवाना हुआ।

अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. 10532 मी. पर जंगल सफाई का कार्य किया

मुरैना। जल संसाधन संभाग मुरैना के अधीनस्थ जल संसाधन ए.बी.सी. उपसंभाग क्र. 1 सबलगढ के अमीन सोनबीर सिंह भदौरिया, लिजो एवं श्याम बाथम कण्डेक्टर तथा अन्य विभागीय मैदानी कर्मचारियों द्वारा 15 मई 2025 को जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 के अंतर्गत अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. 10532 मी. पर जंगल सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों ने विभागीय मैदानी कर्मचारियों के साथ श्रमदान किया।

संजीवनी हॉस्पिटल पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर 18 को, कार्डियोलॉजी डॉ दुष्यंत देव करेंगे परीक्षण

सत्ता सुधार ■ मुरैना

संजीवनी हॉस्पिटल फाटक बाहर बड़ोखर चौराहा अंबाह रोड मुरैना पर 18 मई 2025 रविवार को सुबह 10:00 से 2:00 तक एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। संजीवनी हॉस्पिटल के संचालक डॉ योगेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त शिविर में प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ दुष्यंत देव डीएम कार्डियोलॉजी के द्वारा बीपी, हार्ट अटैक, हृदय की वाल्व संबंधित रोग, छाती में दर्द, पसीना आना, घबराहट होना, चक्कर आना आदि रोगों के मरीजों को परामर्श दिया जाएगा। डॉ जितेंद्र यादव एमएस (सर्जन) के द्वारा पेट दर्द, पित्त की थैली में पथरी, किडनी तथा पेशाब की नली में पथरी, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसील, अंडकोष में सूजन, छाती व शरीर के अन्य किसी हिस्से में गठान आदि रोगों के मरीजों को परामर्श दिया जाएगा। शिविर में बीपी, शुगर, बीएमडी, खून, पेशाब की जांच, ईसीजी दिल की जांच निःशुल्क की जाएगी व दवाइयां का वितरण भी निःशुल्क किया जाएगा। चिकित्सा शिविर का लाभ लेने के लिए मरीज पंजीयन के लिए 7772806899 उक्त नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

धर्मज्ञान

त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था

भगवान महावीर के उपदेश प्राणीमात्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं: विलोक सागर

सत्ता सुधार ■ मुरैना

भगवान महावीर स्वामी विराट व्यक्तित्व के धनी थे। महावीर स्वामी ने अहिंसा, संयम और तप को ही धर्म बताया है। भगवान महावीर कहते हैं जो धर्मात्मा है, जिसके मन में सदा धर्म रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं।

भगवान महावीर ने अपने प्रवचनों में धर्म, सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह, क्षमा पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। आज के समय में भगवान महावीर की शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। हिंसा, लालच और झूठ से भरी दुनिया में उनके सिद्धांत मानवता के कल्याण के लिए आवश्यक हैं। अहिंसा और सत्य का पालन कर हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। उनकी शिक्षाएं हमें आत्मसंयम, सह-अस्तित्व और दयाभाव सिखाती हैं। भगवान महावीर के विचारों को आत्मसात करने पर हमें शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने हमें प्रेम, करुणा, अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएं, तो यह संसार अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध हो सकता है। भगवान महावीर के उपदेश न केवल जैन समुदाय के लिए, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उक्त उद्गार बड़े जैन मंदिर में विराजमान दिगंबर मुनिश्री विलोकसागर महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

शिक्षक संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी को क्रम्मोन्नति को लेकर सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के नेतृत्व में शुक्रवार की दोपहर शिक्षकों के हितों से जुड़ी हुई विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए संघ द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी मुरैना को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में 3.0 एजुकेशन पोर्टल की विसंगतियों को दूर करने, क्रमोन्नति लगाकर हटा ली गई है उन्हें पुनः लगाने के संबंध में तथा क्रमोन्नति की समय सीमा पूर्ण होने पर भी शिक्षकों की क्रमोन्नति ना लगाना तथा क्रमोन्नति की फाइलों में अनावश्यक कमी निकालना ,आवश्यक दस्तावेजों को निकाल कर, कमी बताकर क्रम्मोन्नति ना लगाना, तथा महंगाई भत्ता ना लगाना एवं महंगाई भत्ता एवं क्रमोन्नति के एरियर का भुगतान न करना, तथा कार्यालय द्वारा लिपिकीय त्रुटि गई है, उसे त्रुटि को विभिन्न प्रकार के आदेशों में सुधार न कर अनावश्यक रूप से शिक्षकों को परेशान करना सहित अन्य मांग शामिल थी। जिलाअध्यक्ष पवन सिंह परिहार ने कहा कि पूर्व में दिए गए शिक्षकों के हितों से जुड़ी समस्याओं के संबंध में ज्ञापनों का जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रभावी कार्यवाही न किए जाने पर असंतोष व्यक्त किया है तथा शीघ्र निराकरण करने का आग्रह किया है एवं की गई कार्यवाही की प्रति संघ को शीघ्र उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया गया है।

ब्रीफ न्यूज

नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा

हरदा। जिले में सिविल डिफेन्स के तहत नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के प्रशिक्षण आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने इन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जारी आदेशानुसार 16 मई को रहटगांव, 17 मई को खिरकिया, 18 मई को सिराली, 19 मई को हंडिया तथा 20 मई को हरदा में नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों का प्रशिक्षण दोपहर 3 बजे से आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री जैन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राथमिक उपचार संबंधी प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिये है। उन्होने निर्देशित किया है कि इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एसडीएम, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, थाना प्रभारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायतों के सीईओ भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। जारी आदेशानुसार 16 मई को रहटगांव तहसील में आयोजित प्रशिक्षण के लिये तहसीलदार श्रीमती रेखा गुजरे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार 17 मई को खिरकिया में आयोजित प्रशिक्षण के लिये तहसीलदार श्रीमती लवीना घाघरे तथा 18 मई को सिराली में आयोजित प्रशिक्षण के लिये तहसीलदार रामकुमार झरवडे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। हंडिया में 19 मई को आयोजित प्रशिक्षण के लिये तहसीलदार तथा हरदा में 20 मई को प्रशिक्षण के लिये तहसीलदार राजेन्द्र पंवार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

श्रमोदय आदर्श आईटीआई में प्रवेश के लिये प्रक्रिया जारी

हरदा । श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में वर्ष 2025-26 के लिये 8 ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया का कार्य डी.एस.डी. पोर्टल के माध्यम से केवल मण्डल के पंजीकृत श्रमिकों की संतानों को ही प्रवेश दिया जाएगा। 31 मई तक किये जा सकेंगे तथा 16 जून को प्रथम सूची का प्रदर्शन किया जायेगा। प्रथम चरण में चयनित आवेदकों के मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश प्रक्रिया 18 जून से 20 जून तक की जायेगी। इसके बाद 24 जून को द्वितीय चयन सूची प्रदर्शित की जायेगी तथा 25 से 27 जून तक द्वितीय चयन सूची में चयनित आवेदकों के प्रवेश की प्रक्रिया होगी। जारी कार्यक्रमानुसार 28 जून से 6 जुलाई तक आवेदकों द्वारा प्रवेश पोर्टल पर नवीन रजिस्ट्रेशन, त्रुटि सुधार, इच्छित संस्थाओं व व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम में सुधार की प्रक्रिया की जा सकेगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा दुकान का किया निरीक्षण

हरदा। कलेक्टर सिदार्थ जैन के निर्देश मे खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा ग्राम रेलवा से लकी किराना दुकान से तुअर दाल सैंपल लिए। सिद्धि विनायक से शक्कर सैंपल लिए उक्त सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जायेगा । जांच उपरांत रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जायेगी । ग्राम खेड़ा से दीपक किराना दुकान का निरीक्षण किया गया। मौके पर रजिस्ट्रेशन नहीं दिखाया गया बाद में दिखाने को कहा न प्रस्तुत करने की दशा में न्यायालीन कार्यवाही की जाये गी ।

दमोह में शिक्षक की नृशंस हत्या

4 लाख रुपए की लूट के बाद पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

सत्ता सुधार ■ दमोह

जिले के हटा थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर शाम दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक शिक्षक की 4 लाख रुपये लूटने के बाद पेट्रोल डालकर जिंदा जलाकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान राजेश कुमार त्रिपाठी (47 वर्ष), निवासी ग्राम सुनवाहा के रूप में हुई है, जो प्राथमिक शाला ग्राम रसंदो में पदस्थ शिक्षक थे। शिक्षक राजेश त्रिपाठी एक शादी समारोह से लौटते वक्त पल्सर बाइक से घर जा रहे थे।

रास्ते में हारट और बरोदा के बीच नहर के पास हमलावरों ने उन्हें घेर लिया। रात 9:54 बजे मृतक ने अपने भाई को कॉल कर बताया, ÷चार लोगों ने घेर लिया है। फिर कॉल कट गया। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो राजेश गंभीर रूप से झुलसी अवस्था में मिले।

परिजनों ने तत्काल उन्हें हटा स्वास्थ्य केंद्र और फिर जिला अस्पताल दमोह पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉ. मधुर चौधरी ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से पेट्रोल की खाली बोतल बरामद हुई है। हालांकि बाइक को नुकसान नहीं पहुंचाया गया, जिससे साफ है कि हमलावरों का निशाना सिर्फ नकदी और हत्या थी। मृतक के पास रखे 4 लाख रुपये लूट लिए गए, जो एक थैले में थे। परिजन मुकेश त्रिपाठी ने बताया कि मृतक को पहले बेरहमी से पीटा गया और फिर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया गया। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है। हटा पुलिस और कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और हत्या व लूट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस घटना ने शिक्षा जगत और ग्रामीण अंचल में गहरा आक्रोश फैला दिया है। बागेश्वर धाम के शिष्य मंडल सहित लोग जिला अस्पताल पहुंचे है। पुलिस इस घटना के सभी पहलुओ पर जांच कर रही है।

ट्रक और मिनी ट्रक की हुई टक्कर के दौरान दोनों ट्रक वाहन हुए जलकर राख

सत्ता सुधार ■ दमोह

जिले की बटियागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बीच चढ़ाई ट्रक और मिनी ट्रक आपस में भिड़ गए इसके बाद दोनों में आग लग गई और दूदू कर जल गए वही जानकारी अनुसार ट्रक जिसमें रेलवे की पुरानी मोटर थी, जो विशाखापट्टन से आगरा जा रहा था और मिनी ट्रक जिसमें साइकिल थी. लुधियाना से जबलपुर जा रहा था आग लगने का कारण टंकी में हुआ छेद फिर ज्वाला प्रगट हुई.लेकिन दोनों अपने गंतव्य स्थान निकले लेकिन अपनी मंजिल नहीं पहुंच पाए. बटियागढ़ के बड़ी मोड़ पर यह जलकर राख हुए.तीसरा मिनी ट्रक दोनों की टक्कर को देख कर पलट गया है। ट्रक जिसमें टायर थे। गनीमत रही किसी को जानलेवा नुकसान नहीं हुआ. खबर की जानकारी लगते ही मौके पर बटियागढ़ टीआई नेहा गोस्वामी, एसके दुबे और समस्त पुलिस स्टाफ ने पहुंचकर फायर बिग्रेड के माध्यम से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। भाई पुलिस द्वारा घटना की संपूर्ण जांच पड़ताल लगातार की जा रही है।

प्रदेशस्तर के अधिकारी करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान की निगरानी

सत्ता सुधार ■ हरदा

सत्ता सुधार की खबर का असर

प्रदेश व्यापी अभियान के तहत जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से चल रहा है। जो आगामी 30 जून तक चलेगा । इस अभियान के तहत पानी की एक-एक बूंद को बचाने पुराने जल स्त्रोतों को संवारने, खेत तालाब, अमृत सरोवर, कुआ, भू-जलस्तर को बढ़ाने, नदी, नालों की साफ-सफाई, गहरीकरण आदि कार्य कराये जाने थे । टिमरनी के टिमरन नदी की सफाई और गहरीकरण के परिणाम को देखते हुए उसका अनुकरण जिले के अन्य स्थानो पर करने और अभियान के तहत की जा रही खाना पूर्ति को सत्ता सुधार ने अपने पिछले अंक 12 मई 2025 में प्रमुखता से उठाया और 30 मार्च से अब तक कराये गये कार्यों की समीक्षा की जाय और भौतिक सत्यापन करके खर्च की गई राशि का पता लगाया जाये तो अभियान के हवा हवाई होने की पोल खुल जायेगी। सत्ता सुधार की खबर को संज्ञान में लेते हुए प्रदेशस्तर के अधिकारी मनरेगा योजना के तहत कराये गये कार्यों की निगरानी करेंगे और अब तक हुए कार्यों, खर्च राशि, शेषराशि से कार्यों का पता लगाएंगे। इससे सब कुछ आईने की तरह स्पष्ट और जाग जाहिर हो जायेगा।

शासन की मंशा के विपरीत कार्य

जल गंगा संवर्धन अभियान संगोष्ठी, सभा, जागरूक करने तक सीमित करने की बजाय प्रत्येक पंचायत में तालाबों का पता लगाकर सीमांकन कराकर अतिक्रमण हटा कर तालाबों के पुनर्जीवित करने की कार्यवाही की जरूरत है। दबंगों का कब्जा है। किसी भी सीमांकन कराने और अतिक्रमण हटाने की हिम्मत नहीं है। तालाब खेत बन गये हैं उनका नामों निशान मिट गया है। अब भू अभिलेख को देखने से ही पता चल पायेगा कि तालाब है। जिले के सभी पंचायतों की तालाबों की बड़ी चिंताजनक स्थित है। तालाबों की दशा-दिशा सुधारने की सख्त जरूरत है।

निरीक्षण से करेंगे निगरानी -जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की निगरानी और निरीक्षण के आदेश हो गये हैं और पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी आदेश जारी कर दिये हैं। तीन माह तक चलने वाले इस अभियान के तहत अब तक कितने कार्य हुये हैं। उसकी निगरानी की जायेगी और खर्च राशि का पता लगाया जायेगा और भौतिक सत्यापन किया जायेगा । इसको लेकर हडकंप तक मचा हुआ है। पुराने जलस्त्रोतों के संवारने की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पुराने कुए, तालाब,

जल गंगा संवर्धन अभियान हवा हवाई में...

बावड़ी, नाले, नदियां आदि को पुर्नजीवित करने और पानी के संगठन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने बांध बनवाकर पानी रोकने और तालाब में गहरीकरण कॉर्य रुचि नहीं की जा रही है। तालाबों का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। जिले की ढाई सौ से अधिक पंचायतों में सेकंड़ो तालाब हैं। जिनकी मौजूदा स्थिति दयनीय है। तालाब में पशु-पक्षियों को आसानी से पानी मिल जाता था। भू-जल स्तर में भी अपेक्षित वृद्धि होती थी। वर्तमान में स्थिति बेहद गंभीर है । जिले के हरदा, खिड़किया और टिमरनी जनपद अंतर्गत अभियान के तहत कराये गये कार्यों की निगरानी प्रदेशस्तर के अधिकारी करेंगे। निरीक्षण करके अधिकारी मनरेगा आयुक्त भोपाल क ो अपनी रिपोर्ट देंगे। जिले के निरीक्षण के लिए मनरेगा आयुक्त ने ग्रामीण विकास विभाग के अपर संचालक अमिताभ सिरवैया की ड्यूटी लगाई है। पूरी पारदर्शिता से निरीक्षण करना और एक बहुत बड़ी चुनौती है। लंबी राजनीति और आधिकारिक पहुंच वाले भ्रष्टाचार में वर्षो से लिप्त हैं। जल संग्रहण के पिछले कई वर्षो से नाम बदलकर अभियान चलाये गये जिसका नतीजा ढाक के तीन पांत के सामान रहा ।

जल संरक्षण के कराये जाएं कार्य

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में ग्रामीण क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होने जनपद पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के उपयंत्रियों व सहायक यंत्रियों को सभी पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य कराने के निर्देश दिये। सभी कार्य वर्षा शुरू होने से पहले पूर्ण कर लें। बैठक में उन्होने रोजगार ग्यारंटी योजना के तहत संचालित कार्यों की भी समीक्षा की।

उद्यानिकी कार्यशाला सम्पन्न -

उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जलगंगा संवर्धन कार्यक्रम के तहत उद्यानिकी कार्यशाला का आयोजन चारूवा में किया गया। कार्यशाला में किसानों को जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत जल की उपयोगिता तथा ड्रिप-स्प्रिंकलर तकनीक से पानी की बचत कर खेती करने के तरीके के बारे में बताया गया। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी टी.आर. चौहान ने पानी बचाओ, नरवाई न जलाने तथा कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी उपस्थित किसानों को दी। कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच माखनसिंह सौलंकी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाडली बहनों के खाते में राशि अंतरित की

सत्ता सुधार ■ हरदा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी जिले की तहसील गोपदबनास से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना की राशि हितग्राहियों के खाते में अंतरित की। हरदा में जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इस दौरान राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया। इसके अलावा तहसील व पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग संजय त्रिपाठी, लाड़ली बहनें सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

94,071 लाड़ली बहनों के खाते में 11.46 करोड़ रुपये की राशि अंतरित – मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जिले की 94,071 महिलाओं के बैंक खातों में 11.46 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। इस दौरान जनपद पंचायत हरदा की 23,915, जनपद पंचायत खिरकिया की 23,089, जनपद पंचायत टिमरनी की 26,105, नगर पालिका हरदा की 11,712, नगर परिषद खिरकिया की 3560, नगर परिषद सिराली की 2314 तथा नगर परिषद टिमरनी की 3376 लाड़ली बहनों के खाते में राशि अंतरित की गई।

जिले के 38,529 हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित – मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोपदबनास में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत जिले के 38,529 हितग्राहियों के खाते में 2.31 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की।

इस दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तजन पेंशन योजना के तहत 764, वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 13,639, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत 4647, कन्या अभिभावक पेंशन योजना के तहत 400, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता के तहत 827, मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन योजना के तहत 14, कल्याणी पेंशन योजना के तहत 11,644, मंदबुद्धि अथवा बहुविकलांग को आर्थिक सहायता के तहत 719, वृद्धाश्रम में निवासरत अंतःवासियों को पेंशन योजना के तहत 14, सामाजिक सुरक्षा निःशक्तजन पेंशन योजना के तहत 4435, परित्यक्ता पेंशन योजना के तहत 187 तथा सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 1239 हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित की।

प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार का कार्य जारी

हरदा । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत जल स्रोतों के गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार जैसे कार्य किए जा रहे है। शुक्रवार को कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हरदा शहर के वार्ड क्र. 35 ऊड़ा में कालू बाबा परिसर में स्थित प्राचीन बावड़ी में चल रहे जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सीएमओ कमलेश पाटीदार, पार्षद सुनील गीते सहित जनप्रतिनिधि, नागरिक एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री जैन ने प्राचीन बावड़ी का इतिहास एक बोर्ड पर लिखवाने के लिए भी सी एम ओ से कहा ताकि जनसामान्य बावड़ी के महत्व से परिचित हो सके।

भारत को सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में पुनः प्रतिष्ठापित करने वाली पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर

दमोह । प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई जी होलकर के त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में विशिष्ठ व्याख्यान का आयोजित किया गया। पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर सनातन परम्परा की महानायिका, सुशासन और लोक कल्याण की प्रतिमूर्ति हैं। उनका जीवन, सम्पूर्ण राष्ट्र के उत्थान को समर्पित रहा है। इनके सामाजिक कार्यो ने भारत को राष्ट्र के रूप में पुनर्स्थापित कर इसमें एक नवीन संचेतना का संचार किया। लोकमाता अहिल्या बाई के जीवन चरित्र में राजकीय प्रबंधन, सामाजिक सद्भावना, समरसता और एकात्मकता के विभिन्न आयामों में परिलक्षित होती है। उन्होंने परम्परा से प्राप्त ज्ञान से प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया था। लोकमाता का जीवन न केवल उनके राज्य बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए समर्पित रहा है। आने वाली पीढ़ी राष्ट्र की महानायिका लोकमाता अहिल्याबाई की राज पद्धति, आदर्श कार्यकाल, न्याय पद्धति, समरसता एवं सद्भाव के साथ समाज संचालन सहित विविध आयामों से प्रेरित हो सकें, इसके लिए सामाजिक चेतना की आवश्यकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार जैन, डॉ. अनिल यादव, डॉ. जितेन्द्र धाकड़, डॉ. जितेन्द्र कुमार चौधरी, सीमा जाट सहित विविध शिक्षाविद, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के विभिन्न कक्षों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण का आयोजन सम्पन्न किया

सत्ता सुधार ■ दमोह

आपातकालीन परिस्थितियों के समय आपदा प्रबंधन की कार्य योजना के संबंध में उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के विभिन्न कक्षों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज आयोजित किया गया। इसमें मास्टर ट्रेनर्स द्वारा आपदा के समय नागरिक सुरक्षा हेतु पावरपाइंट के माध्यम से विस्तार से बताया गया। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा आपातकाल में नागरिक सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, लोगो का बचाव, ध्वस्त ढॉचा पहचान की कार्यवाही, प्राथमिक सहायता सहित विभिन्न बिन्दुओं के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में

एडिशनल कलेक्टर मीना मसराम सभी एस.डी.एम और जिला अधिकारी तथा दमोह खण्ड के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा जैसा कि आप सब जानते हैं, भारत-पाकिस्तान के बीच जो स्थितियां तनाव भरी है, उसको लेकर सरकार अलर्ट है, जिला प्रशासन भी अलर्ट है और अभी जितने सर्कुलर, मैन्युअल आए थे सभी मैन्युअल के आधार पर एक प्रशिक्षण मैन्युअल पूरा तैयार किया और आज से प्रशिक्षण शुरू किया है और प्रतिदिन टारगेट होगा आज के प्रशिक्षण में सारे जिला स्तर के अधिकारी हमारे यहाँ पर आए है, राजस्व के अधिकारी उपस्थित रहे और कल से फिर नीचे की मशीनरी पटवारी, पंचायत से अलग-अलग मशीनरी को हम प्रतिदिन ट्रेनिंग उत्कृष्ट विद्यालय में दो बैच में दी जायेगी।

कार्रवाई पुलिस विभाग का संयुक्त दल बनाकर अवैध उत्खनन के विरूद्ध कार्यवाही करें

पुलिस, राजस्व व खनिज विभाग का दल अवैध उत्खनन रोकने की करें कार्यवाही : कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ हरदा

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कानून व्यवस्था संबंधित समीक्षा बैठक में खनिज विभाग के अधिकारियों को कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने निर्देश दिये कि खनिज के अवैध परिवहन, भण्डारण व उत्खनन के विरूद्ध नियमित रूप से कार्यवाही जारी रहे तथा लगातार प्रकरण बनाये जायें।

उन्होने निर्देशित किया कि खनिज, राजस्व व पुलिस विभाग का संयुक्त दल बनाकर अवैध उत्खनन के विरूद्ध कार्यवाही करें। उन्होने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नियमित रूप से सैम्पल लेकर जांच के लिये भेजा जाए तथा अमानक एवं अपमिश्रित खाद्य पदार्थ पाये

जाने पर नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे, वन मण्डल अधिकारी अनिल चौपड़ा एवं संयुक्त कलेक्टर सतीश राय सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

स्कूल बसों की नियमित रूप से जांच हो : श्री चौकसे

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री चौकसे ने स्कूल बसों की नियमित रूप से जांच करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारी को दिये। उन्होने यात्री बसों की फिटनेस व परमिट चैक करने के लिये भी कहा। उन्होने कहा कि यात्री बसें परमिट अनुसार निर्धारित मार्ग पर चलें, यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होने ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा रात्रि में यात्रियों से अधिक किराया लिये जाने की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए आरटीओ को कार्यवाही के निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक श्री चौकसे ने यात्री वाहनों के ड्राइवरों के ड्राइविंग लायसेंस, वाहन परमिट और बसों की फिटनेस चैक करने के लिये विशेष अभियान प्रारम्भ करने के निर्देश परिवहन विभाग के अधिकारी को दिये।

शासकीय सांदीपनि उमावि दमोह में 01 मई से संचालित,15 दिवसीय समर कैंप का समापन

दमोह । शासकीय सांदीपनि उमावि दमोह में 01 मई से संचालित 15 दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ। छात्र-छात्राओं द्वारा समर कैंप में सीखी गई गतिविधियों के प्रस्तुतीकरण से किया गया कायज्क्रम में विशेषज्ञ कुमारी आरती शुक्ला नृत्य शिक्षिका द्वारा सिखाए गए नृत्यो का प्रस्तुतीकरण, सीमा डिम्हा द्वारा सिखाई गई कंप्यूटर विधियां, हषाज़ दवे द्वारा सिखाए गए आत्मरक्षा के गुण, संगीत शिक्षिका रूपा तिवारी एवं नंदराम तिवारी द्वारा सिखाए गए गायन एवं वादन ,सहित चित्रकला, गाडज़्न मैनेजमेंट, लाइब्रेरी मैनेजमेंट का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचायज़ आर.पी कमीज़ द्वारा समर कैंप के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कायज्क्रम के मुख्य अतिथि प्राचायज़ महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि दमोह आलोक सोनवलकर रहे। कायज्क्रम में जिला शिक्षा अधिकारी दमोह के प्रतिनिधि मोहन राय एवं आर.बी सिंह, सुरेश पटेल, राजेश विश्वकमाज़ सहित 100 से अधिक अभिभावकों की उपस्थिति रही। सभी विषय विशेषज्ञों को पारितोषक, शील्ड व प्रमाण पत्र एवं छात्र-छात्राओं को मेडल, शील्ड व प्रमाण पत्र अतिथियों द्वारा वितरित किए गए। कायज्क्रम का संचालन लाइब्रेरियन संजय खरे द्वारा एवं आभार प्रधानअध्यापक नरेंद्र अहिरवार द्वारा माना गया कायज्क्रम में सभी स्टाफ सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

फिरोजाबाद में अपराधियों की अब खैर नहीं

1153 ग्राम सुरक्षा समितियों का गठन, एस.एस.पी की पहल पर जनभागीदारी से बढ़ेगी सुरक्षा

फिरोजाबाद।अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए फिरोजाबाद पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। जिले में अब गांव-गांव में ग्राम सुरक्षा समितियों का गठन किया गया है जो रात में पुलिस के साथ मिलकर गश्त करेंगी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद की अगुवाई में जिले में कुल 1153 ग्राम सुरक्षा समितियां बनाई गई हैं। इनमें से 563 शहरी क्षेत्र में और 600 ग्रामीण इलाकों में गठित की गई हैं। यह समितियां पहले से मौजूद ढांचे को मजबूत करती हैं।15 मार्च की रात चला मिशन «सुरक्षा» स्स्क के निर्देश पर 15 मार्च की रात विशेष अभियान चलाया गया। इसमें अपर पुलिस अधीक्षक (नगर और ग्रामीण) की निगरानी में जिले के सभी थाना प्रभारी मैदान में उतरे। मक्खनपुर, सिरसागंज, पचोखरा, जसराना, नगला सिंघी जैसे थाना क्षेत्रों में नवगठित समिति सदस्यों से संवाद स्थापित किया गया और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस और समिति सदस्यों ने संयुक्त रूप से रात्रि गश्त भी की।जानिए, ग्राम सुरक्षा समिति के काम क्या हैं? - रात 11 बजे से सुबह 3 बजे तक पुलिस के साथ गश्त - गांव में सीसीटीवी कैमरे लगवाने में सहयोग - संदिग्धों की जानकारी तुरंत पुलिस को देना - अपराध और अफवाहों पर समय रहते लगाम - गांव और पुलिस के बीच सीधा संपर्क बनाना - लोगों में सुरक्षा की भावना और जागरूकता बढ़ाना स्स्क ने कहा- ग्राम सुरक्षा समिति अब सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि अपराध नियंत्रण का एक सक्रिय मंच बन चुकी है। हर जागरूक नागरिक से अपील है कि वह इस अभियान से जुड़ें और अपने गांव को सुरक्षित बनाएं।

फिरोजाबाद के चूड़ी उद्योग में भुगतान संकट से जूझ रहे छोटे आपूर्तिकर्ता

फिरोजाबाद। जो वर्षों से देश की कांच की चूड़ियों की राजधानी माना जाता है, आज एक गंभीर संकट से गुजर रहा है। इस शहर के छोटे और मझोले उद्यम (स्स्व्ह) आपूर्तिकर्ता, जो कच्चा माल, श्रम और अन्य संसाधन चूड़ी फैक्ट्रियों को समय पर उपलब्ध कराते हैं, आज भारी भुगतान संकट का सामना कर रहे हैं।सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान समय पर नहीं मिल रहा है, और कुछ मामलों में उन्हें महीनों से अपने पैसे के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है – यह एक विश्वास और सुरक्षा की भावना से जुड़ा हुआ मामला भी बन चुका है।फिरोजाबाद के कई कारखाने ऐसे क्षेत्रों में स्थित हैं, जहाँ बाहर से आने वाले आपूर्तिकर्ता, खासकर दूसरे समुदायों के, अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे माहौल का कुछ व्यवसायी अनुचित लाभ उठा रहे हैं, और आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान न करने या उन्हें टालने का रास्ता बना लेते हैं – यह जानते हुए कि दूसरा पक्ष शायद शिकायत करने या कानूनी कार्रवाई करने से हिचकेगा।इसका सीधा असर हिंदू समुदाय के कई छोटे स्स्व्ह व्यवसायियों पर पड़ा है, जो अब अपनी पूंजी फँसी हुई होने के कारण आर्थिक संकट में फंस गए हैं। ऐसे आपूर्तिकर्ताओं के लिए लाखों रुपये की बकाया राशि केवल घाटा नहीं, बल्कि उनके व्यवसाय की टिकाऊ जीवनरेखा है।अब समय आ गया है कि स्थानीय प्रशासन, उद्योग संगठनों और स्स्व्ह मंत्रालय को इस समस्या पर संज्ञान लेना चाहिए। आवश्यकता है एक पारदर्शी और निष्पक्ष भुगतान प्रणाली की, साथ ही ऐसा विवाद समाधान मंच बनाया जाए जहाँ कोई भी आपूर्तिकर्ता, बिना किसी डर के, न्याय प्राप्त कर सके।

नहर में डूबे युवक की छीछामई से असुआ पुल तक तलाश

शिकोहाबाद । छीछामई पुल के पास नहर में डूबे युवक मोहित कुमार की तलाश जारी है। आगरा से आई पीएसी के गोताखोर असुआ पुल तक खोजबीन कर रहे हैं। मोहित गुजरात में नौकरी करता था और तीन जून को उसकी शादी होने वाली थी। वह दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया था तभी यह हादसा हुआ। पुलिस और परिजन उसकी तलाश में जुटे हैं। जागरण संवाददाता, फिरोजाबाद। शिकोहाबाद में छीछामई पुल के पास डूबे युवक की शुक्रवार सुबह से तलाश जारी है। आगरा से आई पीएसी के गोताखोरों की टीम घटनास्थल से तीन किलोमीटर दूर असुआ पुल तक युवक की खोज में लगी है, लेकिन दूसरे दिन चार घंटे खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला सका है।जसराना के गांव कलहारी निवासी 23 वर्षीय मोहित कुमार अहमदाबाद गुजरात में नौकरी करता है। बुधवार की रात वह घर आया था। गुरुवार दोपहर वह अपने दोस्त अतुल और रूपेश के साथ बाइक से शिकोहाबाद आया।

यहां पर दोपहर के समय दोनों छीछामई नहर पर नहाने के लिए चले गये। शाम 06.30 बजे नहाते समय मोहित नहर में डूब गया। जब इसकी जानकारी उसके दोस्तों को हुई तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्वजनों को घटना की जानकारी दी। स्वजनों बताया कि युवक की तीन जून को शादी थी।

पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश शुरू कर दी है। उधर, युवक के स्वजनों में उसके नहर में डूबने से कोहराम मचा है।

सफाई सुपरवाइजर से मांगा स्पष्टीकरण,दी चेतावनी

फिरोजाबाद। नगर आयुक्त ऋषिराज ने शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। पहले दिन तीन वार्डों का औचक निरीक्षण करते हुए उन्हें वार्ड 33 जैननगर में पानी की समस्या और वार्ड 68 गालिबनगर में गंदगी मिली। उन्होंने...नगर आयुक्त ऋषिराज ने शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। पहले दिन तीन वार्डों का औचक निरीक्षण करते हुए उन्हें वार्ड 33 जैननगर में पानी की समस्या और वार्ड 68 गालिबनगर में गंदगी मिली। उन्होंने...नगर आयुक्त ऋषिराज ने गुरुवार को शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए निरीक्षण का कार्य शुरू कर दिया है। पहले दिन उन्होंने तीन वार्डों का औचक निरीक्षण किया। एक वार्ड में उन्हें काफी गंदगी देखने को मिली जिसे देखकर उन्होंने नाराजगी दर्द जताते हुए संबंधित सुपरवाइजर से स्पष्टीकरण तलब किया है तथा चेतावनी भी दी है। निरीक्षण की शुरुआत नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 33 जैननगर से की। नगर आयुक्त यहां पानी की समस्या काफी गंभीर दिखाई दी। इसको लेकर नगर आयुक्त ने अधिशासी अभियंता के प्रति कड़ी नाराजगी जताई और तत्काल प्रभाव से समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 69 का निरीक्षण किया, जहां व्यवस्थाएं संतोष जनक दिखाई दीं। उन्होंने वार्ड संख्या 68 गालिबनगर का व्यापक रूप से निरीक्षण किया।

फिरोजाबाद में स्वास्थ्यकर्मी ने की आत्महत्यापत्नी मायके में रह रही थी, दो बच्चों के सामने फांसी लगाई

फिरोजाबाद । एक स्वास्थ्य कर्मचारी ने शुक्रवार को घर में फांसी लगाकर जान दे दी। धनपुरा सीएचसी में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत 45 वर्षीय ऋषिराज सिंह ने यह कदम उठाया।घटना के समय उनके दोनों बच्चे घर में मौजूद थे। 15 वर्षीय ओम और 8 वर्षीय राघव ने पिता को फंदे पर लटका देखा। बच्चों की चीखें सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआत में परिजन पोस्टमॉर्टम के लिए तैयार नहीं थे। पुलिस के समझाने पर वे माने। जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी सोनाली आगरा के फतेहाबाद में अपने मायके में रह रही थी।

मारपीट में दोनों पक्षों के छह दोषियों को 6-6 वर्ष की कैद

शिकोहाबाद। न्यायालय ने मारपीट के मामले में छह दोषियो को छह वर्ष की कारावास की सजा सुनाई। यह मामला 30 अप्रैल 2012 को थाना नारखी के फतेहपुरा मे दो पक्षो के बीच रंजिश के कारण हुआ था। दोषियों पर अर्थ दंड भी लगाया...न्यायालय ने मारपीट के मामले में दोनो पक्षो के छ दोषियों को 6-6 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। उन पर अर्थ दंड लगाया। अर्थ दंड न देने पर उन्हें अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। थाना नारखी के फतेहपुरा में 30 अप्रैल 2012 को दो पक्षो में रंजिशवश मारपीट हो गई थी। उनके बीच जमकर लाठी डंडे व धारदार हथियारो का प्रयोग हुआ। दोनो पक्षो ने एक दूसरे के खिलाफ थाने में तहरीर दी। पुलिस ने इंद्रवीर की तहरीर पर बिजेंद्र पाल उर्फ मुन्ना उसके बेटे वीरपाल व लालू व गीता देवी की तहरीर पर इंद्रवीर उसके भाई धर्मवीर तथा संदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया मुकदमा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय कोर्ट संख्या 2 विमल वर्मा की अदालत में चला। न्यायालय ने इंद्रवीर धर्मवीर तथा संदीप को दोषी माना। उन्हें 6 - 6 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। उन पर 3500 - 3500 रुपया अर्थ दंड लगाया। बिजेंद्रपाल उर्फ मुन्ना, वीरपाल व लालू को दोषी माना। न्यायालय ने उनको 6-6 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। उन पर 4500-4500 रुपया अर्थ दंड लगाया।

फिरोजाबाद में महिला और बेटी पर हमला, दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट, पहले भी कर चुके मारपीट

फिरोजाबाद। दबंगों ने मां और बेटी पर हमला किया।फिरोजाबाद में फरिहा थाना क्षेत्र के गांव फाजिलपुर जरैला में एक महिला और उसकी बेटी के साथ दबंगों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर महिला और उसकी बेटी पर हमला करते दिख रहे हैं।आरोपियों ने पीड़ित महिला के घर पर लाठी-डंडों से हमला किया। साथ ही घर पर ईंट-पत्थर भी फेंके। वीडियो में एक आरोपी को धमकी देते हुए सुना जा सकता है। वह कह रहा है कि जान से मारकर काट आऊंगा जेल।जांच में पता चला है कि यही लोग पहले भी पीड़िता की बेटी से छेड़छाड़ कर चुके हैं। इस संबंध में शिकायत भी की गई थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना अध्यक्ष फरिहा का कहना है तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। आरोपियों को बक्सा नहीं जाएगा। वायरल वीडियो का भी संज्ञान लिया जा रहा है।

रेलवे फाटक पूर्ण रुप से बन्द रहेगा

फिरोजाबाद। रेलवे फाटक संख्या 61-कि.मी. 1227/11 से 1227/13 पर आपात स्थिति मे मरम्मत कार्य करने के समबन्ध में |उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में आपको अवगत कराया जाता है कि रेलवे फाटक संख्या 61-कि.मी. 1227/11 से 1227/13 पर के द्वारा ट्रैक का कार्य किया जाना है। इसलिए दिनाँक 17.05.2025 को सुबह 07:00 बजे से दिनाँक 20.05.2025 सायं 19:00 बजे तक सडक यातायात हेतु रेलवे फाटक पूर्ण रुप से बन्द रहेगा और सड़क यातायात रेलवे लाइन से पास नही हो सकेगा

व्यापारियों नें उत्पीड़न की समस्याओं से अवगत कराया

फिरोजाबाद। ग्रेड 2 सचल दल कमिश्नर सुरेंद्र मोहन सिंह जी के साथ भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल प्रतिनिधिमंडल व्यापारियों की समस्या हेतु वार्तालाप हुई जिसमें प्रदेश महामंत्री श्री सुनील पैंगोरिया जी ने सचल दल द्वारा जनपद में हो रही व्यापारियों उत्पीड़न की समस्याओं से अवगत कराया ।

प्रशान्त माहेश्वरी ने कहा

एस आई बी छापे अधिकारियों की प्रतिक्रिया व्यापारियों को डरा धमका कर खाली कागज पर सिग्नेचर कराया जाता है कमिश्नर महोदय ने इस बात को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया हैंपचनामा की प्रक्रिया व्यापारी के प्रतिष्ठान पर ही पूरी होगी और कोई भी ऐसा अधिकारी कार्य करता है तो उसे पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वार्तालाप में फिरोजाबाद के जीएसटी ज्वाइंट कमिश्नर

धर्मेंद्र बहादुर जी
प्रदेश महामंत्री सुनील पैंगोरिया जी
महानगर अध्यक्ष प्रशान्त माहेश्वरी जी
शिकोहाबाद नगर अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता जी
मनीष अग्रवाल अतुल अग्रवाल जी
मन्नू अग्रवाल आलोक अग्रवाल जी

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल महानगर फिरोजाबाद

जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या दोगुनी, हीटवेव का अलर्ट जारी

फिरोजाबाद । गर्मी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। शुक्रवार को तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस मौसम का सबसे अधिक तापमान है। दोपहर 12 बजे तापमान 41 डिग्री था, जो डेढ़ बजे तक 43 डिग्री तक पहुंच गया।

मौसम विभाग ने 17 मई के लिए हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। पिछले चार दिन से दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है। सुबह 9 बजे के बाद से गर्म हवाएं चल रही हैं।सिर ढककर निकल रहे गर्मी से बचने के लिए लोग विशेष सावधानी बरत रहे हैं। छात्र-छात्राएं पूरे शरीर को कपड़े से ढंककर और छतरी का उपयोग कर रहे हैं। युवक गमछा बांधकर चल रहे हैं। लोग राहत के लिए पानी और शीतल पेय का सहारा ले रहे हैं। जिला अस्पताल में बढ़े मरीज जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है। प्रोफेसर फिजिशियन डॉ. मनोज कुमार के अनुसार, पहले जहां रोजाना 150-180 मरीज आते थे, वह संख्या अब बढ़कर 300 से अधिक हो गई है। अधिकतर मरीज उल्टी, दस्त, बुखार, डिहाइड्रेशन और जी मचलाने की शिकायत लेकर आ रहे हैं।

डॉक्टर की सलाह ये करें उपाय

- अपने घर से पर्याप्त मात्रा में पानी पीकर निकलें और पानी की बोतल साथ रखें।
- गर्मी से बचने के लिए भरपूर पानी पिएं और हल्के और ढीले कपड़े पहनें।
- सुबह 11 से शाम चार बजे तक धूप में बाहर निकलने से बचें।
- धूप से बचाव को छतरी और आंखों पर चश्मा लगाकर निकलें।
- धूप से आने के बाद सीधे एसी कमरे में ना जाएं।
- जहां तेज धूप हो, वहां काम करते समय रुककर आराम करें।
- रखा हुआ खाना बिल्कुल न खाएं।
- अधिक समय तक रखे कटे फल न खाएं।

प्राविधिक शिक्षा प्राप्त कर प्रदेश के युवा हो रहे है स्वावलम्बी

फिरोजाबाद। प्रदेश के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के लिये तकनीकी शिक्षा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। तकनीकी शिक्षा विकास की धुरी है, जो प्रदेश को न केवल औद्योगिक विकास अपितु कृषि उत्पादन को बढ़ाने में भी महती भूमिका निभा रही है। प्राविधिक शिक्षा विभाग उद्योगों में नित्य हो रहे प्रौद्योगिकी उन्नयन के अनुरूप औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रदेश में कुशल प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करने हेतु सतत् प्रयत्नशील है। प्रदेश सरकार का प्राविधिक शिक्षा विभाग तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने, जेण्डर गैप भरने, दिव्यांगों, अल्पसंख्यकों तथा अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के शैक्षिक एवं आर्थिक विकास हेतु तकनीकी शिक्षा को सर्वसुलभ व सार्वभौमिक बनाने के लिये कृत संकल्पित है। प्रदेश सरकार का सार्थक प्रयास है कि तकनीकी संस्थाओं में दिये जा रहे तकनीकी प्रशिक्षण का स्तर, औसत राष्ट्रीय स्तर से उच्च हो एवं प्रशिक्षण प्राप्त युवक न केवल स्वावलम्बी बन सके अपितु प्रतिस्पर्धा के काल में ग्लोबल मार्केट में अपनी ग्लोबल उपस्थिति स्थापित कर देश के लिये विदेशी मुद्रा के अर्जन में अपना योगदान प्रदान कर सके।

प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा का डिप्लोमा स्तरीय 201 राजकीय संस्थायें एवं 19 अनुदानित संस्थायें अर्थात 220 पॉलिटेक्निक संस्थायें शासन द्वारा स्वीकृत है। जिसमें से वर्तमान में 147 राजकीय एवं 19 अनुदानित तथा 18 संस्थायें पी0पी0पी0 मोड में अर्थात 184 संस्थाओं में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिय 54127 प्रवेश क्षमता निर्धारित की गयी है, जिस पर प्रवेश कराकर छात्र-छात्राओं को तकनीकी शिक्षा दी जा रही है। वर्तमान में प्रदेश की पॉलिटेक्निक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रवेश हेतु 20 प्रतिशत कोटा निर्धारित है। दिव्यांगजनों के लिए 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण भी लागू है।

पॉलीटेक्निक संस्थाओं में छात्राओं को छात्रावास की सुविधा प्रदान करने हेतु प्रत्येक पॉलीटेक्निक संस्था में कम से कम 01 महिला छात्रावास बनाये जाने का लक्ष्य है, जिसके अन्तर्गत वर्तमान में 20 महिला छात्रावास निर्माणाधीन है। प्रदेश के हर मण्डल में कम से कम 01 महिला पोलीटेक्निक स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके अन्तर्गत 06 महिला पॉलीटेक्निक निर्माणाधीन है।

राजकीय पालीटेक्निकों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु ए0आई0सी0टी0ई0 मानकों के आधार पर अब तक 89 पालीटेक्निकों में लैंग्वेज लैब की स्थापना की जा चुकी है तथा छात्र/छात्राओं को ऑनलाइन एवं इण्टरनेट के माध्यम से शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु प्रदेश की संचालित राजकीय संस्थाओं में 183 स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की जा चुकी है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्धारित लक्ष्य प्रदेश को वन ट्रीलियन इकोनामी बनाने के दृष्टिगत प्रदेश में स्थापित होने वाले उद्योगों को आधुनिक प्रौद्योगिकी में दक्ष मैनपावर उपलब्ध कराने के दृष्टिगत सत्र 2022-23 से छमू ।हम स्वस्नेम के अन्तर्गत 04 पाठ्यक्रम यथा डाटा साइंस एवं मशीन लर्निंग, इण्टरनेट आफ थिंग्स, साइबर सेक्यूरिटी एवं ड्रोन टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है। इसके अन्तर्गत हजारों छात्र/छात्रायें प्रशिक्षण ले रहे हैं। सरकार द्वारा सीधी भर्ती के पदो पर राजकीय पॉलिटेक्निकों में समूह ''ख'' संवर्ग के कुल 466 पदों पर अभ्यर्थियों की नियुक्ति की गई है, उसी प्रकार समूह ''ग'' के रिक्त पदों पर 483 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की गई है।

डॉ0ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा केन्द्रीय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से विगत एक वर्ष में लगभग 5000 से अधिक रोजगार के अवसर सम्बद्ध संस्थानों के विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये गये। विश्वविद्यालय द्वारा माह फरवरी, 2024 में मेगा जाब फेयर का आयोजन किया गया है, जिसमें 50 से अधिक एम0एन0सी0 को आमन्त्रित किया गया, जिसके माध्यम से 2000 से ज्यादा छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हुये ।

प्रदेश के छात्रों को अधिकाधिक तकनीकी शिक्षा मुहैया कराने के उद्देश्य से जनपद मिर्जापुर, प्रतापगढ़, गोण्डा व बस्ती मे राजकीय इंजीनियरिंग कालेजों की स्थापना की गयी है तथा वर्ष 2023-24 से मेंटोर संस्थानों में पठन-पाठन प्रारम्भ कर दिया गया है। शैक्षिक वर्ष 2024-25 से पठन-पाठन कार्य उन संस्थानों में प्रारम्भ हो गया है।प्रदेश सरकार द्वारा प्रविधिक शिक्षा में दी गई सुविधाओं से प्रदेश के छात्र-छात्राएं तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर हो रहे हैं।

दोस्तों संग नहाने गया युवक नहर में डूबा

शिकोहाबाद । छीछामई नहर पुल के पास एक युवक डूब गया। युवक, मोहित, गुजरात में प्राइवेट नौकरी करता था और अपनी बहन के घर घूमने आया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव के कारण डूब गया। पुलिस...शिकोहाबाद में गुरुवार को छीछामई नहर पुल के पास नहाते समय एक युवक डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक की नहर में खोजबीन शुरू की। लेकिन युवक का सुराग नहीं लगा है। मोहित पुत्र गंगा सिंह निवासी कलहरी थाना जसराना गुजरात में प्राइवेट नौकरी करता है। वह बुधवार को गुजरात से लौटकर आया था। वह अपनी बहन रेनू निवासी पैगई थाना मक्खनपुर के घर घूमने आया था। गुरुवार को मोहित अपने दोस्त अतुल, रुपे के साथ नहर में नहाने के लिए छीछामई नहर पुल के पास आया था।

ब्रीफ न्यूज

एमआई से जुड़ेंगे बोल्ट सैंटनर और रिकेलटन

नई दिल्ली। 8 दिन गैप के बाद IPL 17 मई से फिर शुरू हो रहा है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति को देखते हुए टूर्नामेंट रोका गया था। जिस कारण कई विदेशी प्लेयर्स अपने देश लौट गए। 25 मई को खत्म होने वाला टूर्नामेंट अब 3 जून तक चलेगा, इस दौरान इंटरनेशनल मैच भी शुरू हो जाएंगे। इस कारण कुछ विदेशी प्लेयर्स का लौटना मुश्किल है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और पैट कमिंस IPL खेलेंगे, लेकिन मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की वापसी मुश्किल नजर आ रही है। साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के कई प्लेयर्स भी इंटरनेशनल शेड्यूल के कारण IPL के कुछ मुकाबले छोड़ सकते हैं।

कप्तान नहीं बने बुमराह तो टीम में क्या होगी उनकी भूमिका?

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद से इस प्रारूप में टीम इंडिया के नए कप्तान को लेकर जद्दोजहद जारी है। शुभमन गिल इस रेस में सबसे आगे हैं, लेकिन कई पूर्व क्रिकेटरों ने जसप्रीत बुमराह को कप्तान नियुक्त करने की मांग की है। हालांकि, चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट इस मामले पर अंतिम फैसला लेंगे। गिल अगर कप्तान बनते भी हैं तो भी टीम में बुमराह की भूमिका अहम होगी। बुमराह अपने दम पर कोई भी मैच पलटने की क्षमता रखते हैं और लीडरशिप ग्रुप में उनका रहना तय है। उनके मामले में गंभीर और गिल को सूझबूझ दिखानी होगी। भारतीय टीम की कप्तानी की दौड़ में जसप्रीत बुमराह सबसे आगे थे, लेकिन सिडनी में चार जनवरी की दुर्भाग्यपूर्ण सुबह के बाद से वह धीरे धीरे पिछड़ते चले गए। कप्तानी की भूमिका उनके लिए ही थी, लेकिन कुछ महीने पहले वह पीठ के स्कैन के लिए चुपचाप सिडनी क्रिकेट मैदान से चले गए थे। बुमराह की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट में भारत की जीत की जरा सी भी उम्मीद धूमिल हो गई।

यूटीटी सीजन 6 की शुरुआत 31 मई से

नई दिल्ली। इंडियनऑयल अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन 6 की शुरुआत 31 मई को अहमदाबाद के ईकेए एरिना में एक ब्लॉकबस्टर डबल हेडर के साथ होगी, जिसमें ओपनिंग नाइट में गत चैंपियन डेम्पो गोवा चैलेंजर्स का सामना घरेलू टीम अहमदाबाद एसजी पाइपर्स से होगा। इससे पहले शाम को, सीजन 2 की विजेता दबंग दिल्ली टीटीसी का सामना औपचारिक ओपनर में श्रीजा अकुला की अगुआई वाली जयपुर पैट्रियट्स से होगा, जो एक हाई-वोल्टेज सीजन की शुरुआत करेगा, जहां आठ फ्रेंचाइजी 23 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी बर्नडेट स्जोक्स और उभरती हुई भारतीय स्टार यशस्विनी घोरपड़े की अगुआई में यू मुंबा टीटी अपने सीजन की शुरुआत 1 जून को पीबीजी पुणे जगुआर के खिलाफ महाराष्ट्र डर्बी से करेगी जिसका नेतृत्व स्पेनिश दिग्गज अल्वारो रॉबल्स करेंगे।

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 31 मई और 1 जून को मुंबई में होगी, आयोजकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सीजन 12 की नीलामी पीकेएल सीजन 11 के सफल समापन के बाद हो रही है, जिसमें हरियाणा स्टीलर्स ने 29 दिसंबर, 2024 को फाइनल में तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स को हराकर पहली बार ट्रॉफी जीती थी।

हरियाणा ने बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली को पछाड़कर कुश्ती में शीर्ष स्थान हासिल किया

एजेंसी ■ पटना

हरियाणा ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 बिहार में कुश्ती के मैदान पर अपना दबदबा कायम करते हुए लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में 21 पदक - आठ स्वर्ण, पांच रजत और आठ कांस्य - जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र चार स्वर्ण सहित 17 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दिल्ली के लड़के और राजस्थान की लड़कियां अपने-अपने वर्गों में शीर्ष तीन में रहीं। महाराष्ट्र ने अंतिम दिन जोरदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक सहित सात पदक जीते। आयुष्का पांडुरंग ने लड़कियों के

57 किग्रा वर्ग का खिताब जीता, उसके बाद सुजय नागनाथ तनपुरे ने लड़कों के 71 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में जीत हासिल की। दिल्ली और राजस्थान ने भी दो-दो स्वर्ण पदक जीते। दिल्ली की अक्षरा ने कर्नाटक की काव्या तुकाराम दानवेनावर को हराकर अंडर-17 लड़कियों के 53 किग्रा वर्ग का फाइनल जीता, जबकि प्रांजल दहिया ने महाराष्ट्र के रुशिकेश एकनाथ नाइक को हराकर लड़कों के 60 किग्रा ग्रीको-रोमन का खिताब जीता।

आरसीबी-केकेआर मुकाबले से फिर से शुरू होगी लीग, टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली पर नजरें

आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर

एजेंसी ■ बंगलूरू

आईपीएल 2025 के दूसरे चरण का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। यह लीग का 58वां मुकाबला होगा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में सभी की निगाहें हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर होंगी। 10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद आरसीबी और केकेआर दोनों प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है और केकेआर के खिलाफ जीत टीम के लिए प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर देगी। वहीं, केकेआर 12 मैचों में 11 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है और एक भी हार मौजूदा चैंपियन की नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को खत्म कर देगी। लीग की रुकावट से पहले दोनों टीमें शानदार लय में थी। आरसीबी ने जहां अपने पिछले चारों मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि ये टीमों अपनी लय को किस तरह से बनाये रखती है। कागजों पर दोनों टीमों की तुलना करें तो इसमें कोई शक नहीं की केकेआर पर आरसीबी का पलड़ा भारी होगा। मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। स्टेडियम में भी दर्शक उनके नाम का सबसे ज्यादा नारा लगाएंगे। इस दिग्गज बल्लेबाज ने इस सप्ताह की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर अगर गौर करें तो प्रशंसक खेल के पारंपरिक प्रारूप को सबसे ज्यादा महत्व देने वाले इस बल्लेबाज को सम्मानित करने के लिए सफेद जर्सी पहनने की योजना बना रहे हैं। शानदार लय में चल रहे कोहली भी टेस्ट करियर के अचानक समाप्त होने के बाद बल्ले से कुछ प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे। केकेआर को मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा निराशा अपने बल्लेबाजों से हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने निरंतरता नहीं दिखायी हैं। केकेआर टीम के लिए लीग चरण के सभी मैच करो या मरो की तरह है ऐसे में उसे वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह से प्रभावी पारियों की उम्मीद होगी। टीम को इंग्लैंड के अनुभवी हरफनमौला मोईन अली की कमी खलेगी। मोईन वायरल बुखार के कारण लीग से बाहर हो गए हैं। वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा की केकेआर की गेंदबाजी लाइन-अप ने कई मौकों पर महंगे साबित होने के बावजूद अपनी पकड़ बनाए रखी है।

कप्तान पाटीदार के अंगुली में लगी है चोट

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चोटिल हुए कप्तान रजत पाटीदार ने अभ्यास सत्र में बिना किसी परेशानी के बल्लेबाजी की। पाटीदार को अंगुली में चोट लगी थी, लेकिन नेट सत्र में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। मेजबान टीम के अधिकांश विदेशी खिलाड़ी भी भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के बाद स्वदेश लौट आए हैं। फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं।

मयंक अग्रवाल खुद को साबित करना चाहेंगे: देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की चोट के कारण गैरमौजूदगी हालांकि एक बड़ी समस्या हो सकती है। आरसीबी पडिक्कल की जगह लेने वाले मयंक अग्रवाल से इस मौके को भुनाने की उम्मीद करेगी। हेजलवुड के कंधे में चोट है और फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता के बारे में जानकारी नहीं दी है।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

आरसीबी:- जैकब बेथेल/फिल सॉल्ट, विराट कोहली, स्वास्तिक चिकारा/मयंक अग्रवाल, रजत पाटीदार (कप्तान/फिटनेस के अधीन), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, लुंगी एनगिडी, यश दयाल। सुयश शर्मा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।

केकेआर:- रहमनुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सुनील नरेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती। हर्षित राणा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।

विराट के टेस्ट से संन्यास पर पूर्व कोच रवि शास्त्री का बयान

मानसिक रूप से थक चुके थे कोहली

एजेंसी ■ दुबई

विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास ने पूरी दुनिया को चौंका कर रख दिया। इस बल्लेबाज ने 12 मई को इंस्टाग्राम के जरिये संन्यास की घोषणा की। हालांकि, भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री को लगता है कि इस स्टार बल्लेबाज में लंबे प्रारूप में खेलने के लिए दो-तीन साल और बचे थे। शास्त्री ने कहा कि वह विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से हैरान थे। उनका कहना है कि लगातार आलोचना से कोहली मानसिक रूप से थक चुके थे। कोहली ने 123 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए और इसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। शास्त्री ने खुलासा किया कि कोहली द्वारा संन्यास का फैसला सार्वजनिक करने से कुछ समय पहले उन्होंने उनसे बात की थी। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के एक एपिसोड में कहा, मैंने उनसे इस बारे में बात की थी। मुझे लगता है कि उनके संन्यास की घोषणा से एक सप्ताह पहले उनका दिमाग बहुत स्पष्ट था। उन्हें कोई पछतावा नहीं है। विराट ने मुझे चौंका दिया क्योंकि मुझे लगा कि उनमें टेस्ट क्रिकेट के लिए कम से कम दो-तीन साल बाकी हैं, लेकिन फिर जब आप मानसिक रूप से थके हुए होते हैं तो यही आपके शरीर को बताता है। आप शारीरिक रूप से इस क्षेत्र में सबसे फिट व्यक्ति हो सकते हैं।

मुस्तफिजुर रहमान के आईपीएल खेलने का रास्ता साफ, मिचेल स्टार्क की जगह लेंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के IPL खेलने का रास्ता साफ हो गया है। 29 साल के तेज गेंदबाज को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की ओर से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मिल गया है। BCB ने शुक्रवार को एक स्टेटमेंट जारी कर बताया कि रहमान 18 से 24 मई के बीच IPL खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके अनुसार, रहमान 17 मई को UAE के खिलाफ पहला टी-20 मैच खेलेंगे। उसके बाद इंडिया के लिए रवाना होंगे। जहां 18 से 24 मई तक दिल्ली के बचे लीग मैचों में हिस्सा लेंगे, हालांकि

वे प्लेऑफ शुरू होने से पहले लौट जाएंगे। रहमान को दिल्ली कैपिटल्स ने 6 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। वे ऑस्ट्रेलियाई पेसर मिचेल स्टार्क की जगह लेंगे। स्टार्क ने दिल्ली की ओर से IPL के बचे मैच नहीं खेलने का फैसला लिया है। वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की तैयारी कर रहे हैं। IPL 2025 के बचे मुकाबले 17 मई से शुरू हो रहे हैं। इन्हें भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच रोक दिया गया था।

दिल्ली ने रहमान को 6 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के CEO निजामुद्दीन चौधरी ने कहा था- अभी तक BCB से प्लेयर और BCCI ने इस एग्रीमेंट के लिए NOC नहीं मांगा गया है। उन्होंने कहा था- मुस्तफिजुर को टीम के साथ UAE जाना है। हमें IPL अधिकारियों से कोई संदेश नहीं मिला है।

जॉन सीना से मिली हार से हताश हैं ऑर्टन

न्यूयार्क। डब्ल्यू डब्ल्यू ई रेसलर जॉन सीना ने बैकलैश 2025 मुकाबले में रैंडी ऑर्टन पर जीत के साथ ही खिताब अपने पास बरकारार रखा है। इस भिड़ंत में ऑर्टन को अपने ही शहर और परिजनों के सामने करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। जिससे वह हताश हैं। अब समरस्लैम 2025 में रैंडी ऑर्टन का मुकाबला निक एल्डिस से होने की संभावना है। बैकलैश 2025 में पांच बड़े मुकाबले हुए। इनमें चार चैंपियनशिप मुकाबले शामिल थे पर पहले के विजेताओं ने ही ये जीते। मुख्य मुकाबला सीना और ऑर्टन के बीच डब्ल्यू डब्ल्यू ई चैंपियनशिप के लिए हुआ।

आईपीएल | कप्तान रजत पाटीदार ने अपनी ही टीम पर फोड़ा बम

मुझे भरोसा देकर नीलामी में नहीं खरीदा...

एजेंसी ■ बंगलूरू

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम की अगुआई कर रहे रजत पाटीदार 2022 सत्र को लेकर काफी निराश थे जब आश्वासन के बावजूद फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों की नीलामी में उन्हें नजरअंदाज कर दिया था। टीम में चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर शामिल हुए पाटीदार ने कहा कि वह तब दुखी और गुस्से में थे। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद ही एक पॉडकास्ट में किया है। पाटीदार ने यह भी स्वीकार किया कि आईपीएल 2025 से पहले विराट कोहली द्वारा कप्तानी सौंपे जाने के कारण वह दबाव महसूस कर रहे थे, लेकिन इस दिग्गज खिलाड़ी के समर्थन भरे शब्दों ने उन्हें सहज कर

दिया। पाटीदार इस सत्र में आरसीबी के मध्यक्रम के मुख्य खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 11 मैचों में 239 रन बनाए हैं। उनका लक्ष्य टीम को आईपीएल का पहला खिताब दिलाना है।

मुझे मेगा नीलामी में नजरअंदाज किया गया: पाटीदार ने आरसीबी पॉडकास्ट पर कहा, मुझे आईपीएल 2022 के लिए मेगा नीलामी से पहले एक संदेश मिला था कि आप तैयार रहें, हम आपको चुनेंगे। मुझे थोड़ी उम्मीद थी कि मुझे एक और मौका मिलेगा, लेकिन मुझे मेगा नीलामी में नजरअंदाज किया गया। मैं इससे थोड़ा दुखी था। मध्यप्रदेश के इस 31 साल के बल्लेबाज को हालांकि अपने राज्य के ही एक खिलाड़ी के चोटिल होने के बाद आरसीबी में वापसी करने का मौका मिल गया। पाटीदार हालांकि बेंगलुरु वापस आने के लिए उत्सुक नहीं थे, क्योंकि उन्हें पता था कि बड़े खिलाड़ियों से भरी टीम में खेलने का मौका शायद ही मिले। उन्होंने कहा, मैंने नीलामी में नहीं चुने जाने के बाद इंदौर में अपने स्थानीय मैचों में खेलना शुरू कर दिया था। मुझे फिर फोन आया कि हम आपको लवनीथ सिसोदिया की जगह चुन रहे हैं। सिसोदिया चोटिल होने के कारण उस सत्र में टीम से बाहर हो गए थे। पाटीदार ने कहा, मैं सच कहूं तो किसी खिलाड़ी के विकल्प के रूप में नहीं आना चाहता था क्योंकि मुझे लग रहा था कि मुझे वहां खेलने का मौका नहीं मिलेगा।

सत्ता सुधार

प्रदेश के 5 शहरों में बारिश बहराइच में तेज आंधी

प्रयागराज में इतनी भीषण गर्मी कि फव्वारे से पानी डाला जा रहा, विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को धूप से बचाने के लिए बिछाया मैट

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को मौसम बदल गया। मुरादाबाद, पीलीभीत और रामपुर समेत पांच शहरों में बारिश हुई। बहराइच में धूल भरी आंधी आई। इतनी तेज हवा चली कि टीनशेड उड़ गए और पेड़ों की टहनियां टूट गईं। सहारनपुर में भी तेज हवाएं चलीं। हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई। जहां एक तरफ बारिश हो रही है, वहीं दूसरी तरफ भीषण गर्मी भी पड़ रही है। प्रयागराज में इतनी गर्मी है कि नगर निगम ने फव्वारे से सड़कों पर पानी का छिड़काव शुरू करा दिया है। अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। बेली अस्पताल में हीटवेव की चपेट में आए लोगों के लिए 10 बेड रिजर्व किए गए हैं।

ओआरएस घोल की व्यवस्था

वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों के पैर न जलें, इसलिए जूट के मैट बिछाए गए हैं। इसके साथ ही पूरे मंदिर कॉरिडोर परिसर को जर्मन हैंगर से पैक किया गया है। कॉरिडोर परिसर में कूलर और पंखे भी लगाए गए हैं। ओआरएस घोल की भी व्यवस्था की गई है।

प्रयागराज में पिलाया शरबत

प्रयागराज में तपती गर्मी में साबुन गढ़ मस्जिद से जुमे की नमाज के बाद नमाजियों और राहगीरों को स्थानीय लोगों ने शरबत पिलाया। बहादुरगंज के स्थानीय लोगों का कहना है कि इस भीषण गर्मी में हर किसी को राहत पहुंचाने का यह एक छोटा सा प्रयास है। उन्होंने आगे भी इस तरह के सेवा कार्य जारी रखने की बात कही। मेरठ में शुक्रवार को तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया। लू चलने से लोग परेशान हैं। हवा की रफ्तार 6 किमी प्रति घंटा है। वहीं, हवा के प्रदूषण के स्तर में कल के मुकाबले काफी कमी आई है।

उमस बढ़ने की संभावना

आगरा सबसे गर्म शहर रहा। मौसम विभाग ने 42 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि 20 मई तक बारिश होने की संभावना है। अगर बारिश हुई तो पारे में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, उमस बढ़ने की संभावना भी है।

गोरखपुर में पारा 43 डिग्री

गोरखपुर में तापमान का पारा 43 डिग्री पार कर गया। दिन में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। सुबह से ही दोपहर जैसी तपन थी। वहीं महराजगंज में शुक्रवार दोपहर धूल भरी आंधी चली। बूंदाबांदी भी हुई। मौसम बदलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

एक ही छत के नीचे मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

वर्धानी क्लासेस ने अब NEET (मेडिकल) और IIT-JEE (इंजीनियरिंग) की संयुक्त कोचिंग शुरू की है। साथ ही, कक्षा 9-10 के छात्रों के लिए 'जूनियर डिवीजन' लॉन्च किया गया है, जो ओलंपियाड, NTSE, और फाउंडेशन कोर्स पर फोकस करेगा। यह कदम छात्रों को शुरुआती स्तर से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने का लक्ष्य रखता है।

डॉ. करण वर्धानी
निर्देशक, वर्धानी बायोलॉजी क्लासेस

ब्रीफ न्यूज

वाराणसी में शादी के 7वें दिन पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र के अमौली गांव में देर रात एक बजे आरती पाल (26) जिसकी शादी बीते नौ मई को मंदिर से राजू पाल से हुई था। उसका मायका जौनपुर है। वह कमरे में सोई हुई थी, तभी उसकी हत्या कर दी गई। राजू पाल की यह तीसरी शादी थी। शादी के बाद पत्नी से आए दिन मारपीट करता था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पं. दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल भेजा। मौके पर एएसपी, एसीपी भी मौके पर पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा ने बताया कि हत्या उसी के पति ने ही की है। लाठी-डंडे से मारपीट कर मार डाला है। मृतका का पति गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास को सुप्रीम कोर्ट से राहत

मऊ। माफिया मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे तथा सदर विधानसभा क्षेत्र से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। सुको ने उनकी अंतरिम जमानत की शर्तों में अहम बदलाव करते हुए निर्वाचन क्षेत्र में स्थित आवास पर रहने की अनुमति दे दी है। साथ ही कोर्ट ने उन्हें गाजीपुर स्थित निजी आवास पर भी तीन रातें बिताने की इजाजत दी है। उल्लेखनीय है कि विधायक अब्बास अंसारी को 7 मार्च 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट से जुड़े एक मामले में सशर्त अंतरिम जमानत प्रदान की थी। पूर्व में कोर्ट ने उन्हें लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर ही रहने का निर्देश दिया था।

दो हिस्ट्रीशीटर सहित सात शातिर अपराधी मुठभेड़ में गिरफ्तार

अमेठी। मोहनगंज पुलिस व स्वाट और सर्विलांस टीम ने देर रात मुठभेड़ के दौरान दो कुख्यात हिस्ट्रीशीटर सहित सात अंतरजनपदीय अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी रस्तामऊ-फूला मार्ग स्थित एक आम के बाग में डकैती की योजना बना रहे थे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश घायल हो गए, जबकि पांच अन्य को मौके से गिरफ्तार किया गया। घायल की पहचान सुनील कुमार दीक्षित और अल्ताफ के रूप में हुई है। वहीं अन्य पांचों की पहचान अनुज सिंह, आशीष कुमार, अजय कुमार और जगदीशपुर के सरेसर गांव निवासी अमन सिंह के रुप हुई। इनके पास से पिस्टल, तमंचा, कारतूस, नकद और डकैती में प्रयुक्त असलहे बरामद हुए।

हरदोई में हादसा... सड़क पर बिखरी लाशें और चारों तरफ खून ही खून

ट्रक और ओवरलोड ऑटो भिड़े, मां बेटा समेत सात की मौत

ऑटो में फंसे थे शव, अंकित के दोनों पैर कटकर रोड पर गिरे

एजेंसी ■ हरदोई

उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरलोड ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। ऑटो में नौ लोग सवार थे। दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने ट्रक चालक राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। दुर्घटना पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी दुःख जताया है। हरदोई के संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक और ओवरलोड ऑटो की टक्कर में मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हरदोई में संडीला बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक की टक्कर लगने के बाद चालक और एक सवारी के शव ऑटो में ही फंस गए। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मशक्कत कर दोनों के शव बाहर निकलवाए। इतना ही नहीं, कई शव सड़क पर भी बिखरे पड़े थे। इन शवों को पुलिस कर्मियों ने फौरन ही उधर से गुजर रहे एक पिकअप को रोककर उसमें रखवाया। इसके बद पीएम के लिए भेजा। कासिमपुर थाना क्षेत्र के बाजारखेड़ा निवासी रंजीत ऑटो चला रहा था। मलहनखेड़ा निवासी अरविंद भी रंजीत के पास ही बैठा था। चावल लदे ट्रक की टक्कर लगने पर ऑटो पलट गया। पलटने के दौरान इसमें सवार पिंकी, फूलजहां, अंकित सड़क पर जा गिरे।

एचडीएफसी बैंक ने बिज+ करंट एकाउंट्स लॉन्च किए

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने चालू खाता जमा में अपने नए बिज+करंट एकाउंट्स के लॉन्च की घोषणा की है। यह भारतीय व्यवसायों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए चालू खाता पेशकशों के एक नई पहल है। खातों की इस रेंज का उद्देश्य पहले दिन से ही पूरे बैंक को ग्राहक तक लाकर व्यवसायों को सशक्त बनाना है। प्रत्येक बिज+ चालू खाता नकद प्रबंधन सेवाओं, सहज डिजिटल बैंकिंग प्लेटफॉर्म और समर्पित बैंक/ रिलेशनशिप मैनेजर सहायता सहित मुख्य लाभों से सुसज्जित है। साथ ही ऐसे बंडल समाधान भी हैं जो व्यवसायों की बैंकिंग आवश्यकताओं की पूरी श्रृंखला को संबोधित करते हैं। नए बैंक चालू खाता ग्राहकों के लिए नई पेशकश का एक प्रमुख आकर्षण पहले वर्ष के लिए पहले दिन से ही व्यापक व्यवसाय और भुगतान सुरक्षा बीमा कवरेज को शामिल करना है। इससे व्यवसाय मालिकों को अप्रत्याशित जोखिमों से अपने उद्यमों की रक्षा करने में मदद मिलती है। बैंक ने बिज+करंट एकाउंट्स के अंतर्गत एक उम्दा स्तरीय संरचना पेश की है, जो व्यवसाय यात्रा के विभिन्न चरणों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए चार अलग-अलग वेरिएंट पेश करता है।

श्रावस्ती में सरकार का बुलडोजर एक्शन जारी

दो अवैध मदरसे और एक मस्जिद की गई ध्वस्त

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती जिले में अवैध एवं बिना मान्यता के संचालित मदरसों के विरुद्ध 17वें दिन भी प्रशासन की कार्रवाई जारी रही। तहसील जमुनहा के अन्तर्गत ग्राम भेलागांव और ग्राम बनकटवा महोली में शासकीय भूमि पर बने अवैध मदरसों व तहसील भिनगा के ग्राम भोजपुर में शासकीय भूमि पर बनी अवैध मस्जिद पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

अल्पसंख्यक विभाग की मानें तो जिले भर में 297 मदरसे संचालित हो रहे हैं। इनमें से 105 मदरसों की मान्यता है, जबकि 192 मदरसों की मान्यता भी नहीं है। अब तक 110 मदरसों पर एक्शन हो चुका है। जिला प्रशासन के मुताबिक, बंद किए गए मदरसों के पास कोई भी वैध दस्तावेज नहीं मिले। श्रावस्ती जिले में बीते 26 अप्रैल से अवैध मदरसों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई शुरू हुई थी। अब तक करीब 110 मदरसे कार्रवाई की जद में आ चुके है।

9144255864, +9181037 67908
VARDHANI CLASSES
Under the guidance of Dr. Karan Vardhani
Class 9th CLASS10TH
VARDHANI CLASSES की है टीम तैयार
"वर्धनी क्लासेस - जहाँ टीम तैयार करती है टॉपर्स की फौज!"
HOD MATHS
HOD SCIENCE
SST
HOD ENGLISH
• 11 mib colony opposite miss hill school padav
• Govind Tower Chawdi Bazar, Maharaj Bada,

Perfect Institute of Computer Education
PGDCA | DCA | CCA
TALLY + GST | CPCT
VIDEO EDITING | ADV. EXCEL
COREL DRAW | BASIC | LANGUAGE
Dir- Er. Harish Jain
Add. 3rd Floor, Cosmo Tower, Hanuman Chouraha, Gwl
9098701508

GROW MORE
GROWMORE TRADING INSTITUTE
A Complete Course On
INDIAN & CRYPTO MARKET
• Basic Of Stock Market
• Fundamental & Technical Analysis
• Forex Market Analysis
• Corporate Training
• Commodity Market Analysis
OUR OFFERINGS
• Online & Offline Classes
• Doubt Session
• Live Trading Session
• Portfolio Training
Cont. 9165636498
ADD. T-12 3 FLOOR COSMO TOWER HANUMAN CHAURAHA, GWALIOR

CORPORATE Gifting Solution
GIFTS लो
TOH SIRF HUMSE
+91 - 9993106789, 7771000255
giftslo123@gmail.com
OUR PRODUCTS
• Customised Wallet
• Customised Pen
• Customised Keychain
• Customised Bottle
• Customised Mug
• Customised Ring
• Customised Pendant
• Customised Passport Cover
• Customised Sunglasses Holder
• Customised Bracelet
• Customised Cap
• Customised Hampers
ALL TYPE OF CUSTOMISED ITEMS AVAILABLE

घर बैठे कमाए
indus TOWERS
सरकारी मान्य कंपनी द्वारा जमीन खेत प्लॉट छत पर 5g टावर लगवा कमाएं 30 से 60 लाख एडवांस 45000 किराया +नौकरी जमीनी नक्शा ऑफिस आयें या घर बैठे ऑनलाइन सर्वे पास कराएं
8319401203
9407780635

शॉर्ट हैण्ड स्टेनो क्लासेस
प्रवेश प्रारम्भ
STENO DCA CPCT TALLY
90396-59196, 88391-48078
Dir. Ankit Sir
रॉक्सी पुल, करतार होटल | फूलबाग

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव द्वारा करुणा प्रिन्टर्स महाडिक् साहब के बाड़े के पास, निम्बालकर की गोठ नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित एवं 62 छत्रसालपुरा, ललितपुर से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100।
भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आर.एन.आई. नं. यूपीएचआईएन/2006/18447 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट, शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।